डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

Join Telegram Channel Search @rojgaraurnirman

शनिवार 6 नवंबर 2021 से 12 नवंबर 2021 वर्ष 43 अंक 40 पृष्ठ 24

प्रधानमंत्री ने की सीएम राइज स्कूल, सुशासन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की सराहना

प्रधानमंत्री के साथ किसानों की आय बढ़ाने और अन्य विषयों पर हुई सार्थक चर्चा – मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को मध्यप्रदेश की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश शासन की सी.एम. राइज स्कूल योजना, सुशासन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की सराहना की है। प्रधानमंत्री ने प्रदेश में टीकाकरण अभियानों की सफलता पर भी प्रसन्नता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से नई दिल्ली में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुलाकात की।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश की कोविड नियंत्रण, कोविड टीकाकरण, वर्षा की स्थिति सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति से प्रधानमंत्री को अवगत कराया। श्री चौहान ने प्रधानमंत्री को मध्यप्रदेश में कोविड की स्थिति की जानकारी देते हुये बताया कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण नियंत्रण में है और इस समय केवल 127 ही एक्टिव प्रकरण हैं। प्रदेश में 88 प्रतिशत लोगों को कोविड वैक्सीन की प्रथम डोज और 27 प्रतिशत लोगों को द्वितीय डोज लगाये जा चुके हैं।

श्री चौहान ने प्रधानमंत्री को सीएम राइज स्कूल योजना से अवगत कराया। उन्हें बताया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिये प्रदेश में 350 विद्यालय खोले जा रहे हैं, जो खेल के मैदान, पुस्तकालय और प्रयोगशालाओं जैसी सुविधाओं से संपन्न होंगे और विद्यार्थियों के लिये बसों से आने-जाने की सुविधा होगी। साथ ही शिक्षकों का चयन वर्तमान शिक्षकों में से ही परीक्षा के आधार पर किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सुशासन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिये विभिन्न विषयों पर प्रधानमंत्री श्री मोदी से मंत्रणा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये पंचायत स्तर पर दीनदयाल समितियों का गठन किया गया है, जो विकास योजनाओं की उचित निगरानी कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को जानकारी दी कि वे जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान जनता से सीधा संवाद कर हितग्राहियों को प्राप्त लाभों का भौतिक सत्यापन कर रहे हैं। उनके इस प्रयास को प्रधानमंत्री ने काफी सराहा। श्री चौहान ने राज्य के मंत्रियों और उनके स्टाफ की क्षमता निर्माण के लिये कर्मयोगी अभियान पर भी चर्चा की। श्री मोदी ने प्रदेश में व्हाउचर सिस्टम लागू करने का भी सुझाव दिया।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को स्वामित्व योजना के अंतर्गत हरदा जिले में 100 प्रतिशत अधिकार पत्र प्रदान करने के कार्यक्रम में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया। साथ ही, मध्यप्रदेश के अत्याधुनिक हबीबगंज रेलवे स्टेशन, भोपाल के लोकार्पण और 15 नवम्बर को आयोजित होने वाले जनजातीय गौरव दिवस के लिये भी मध्यप्रदेश आने का निमंत्रण दिया।

बैठक में आयुष्मान भारत योजना, डिजिटल हेल्थ मिशन, सिकल सेल एनिमिया मिशन पर भी चर्चा हुई। श्री चौहान ने प्रदेश में खाद आपूर्ति की स्थिति से भी श्री मोदी को अवगत कराया।

मोटे अनाज के उत्पादन को दिया जा रहा प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 को संयुक्त राष्ट्र ने मोटे अनाज के वर्ष के रूप में घोषित किया है, जिसकी तैयारी में मध्यप्रदेश कोदो-कुटकी जैसे पौष्टिक मोटे अनाज का उत्पादन करने वाले स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहित कर रहा है। साथ ही उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि प्रदेश में अत्यधिक और कम उत्पादन वाली फसलों के बीच संतुलन बनाते हुए मध्यप्रदेश को एक मॉडल राज्य बनाया जाएगा। जिसमें निर्यात की अधिक संभावना वाली फसलों को बढ़ावा दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री को एथेनॉल पॉलिसी से कराया अवगत

राज्य शासन की एथेनॉल पॉलिसी के बारे में चर्चा के दौरान श्री चौहान ने बताया कि 28 कम्पनियों ने एथेनॉल के उत्पादन के लिये प्रदेश में आवेदन किया है। अनाज के आवश्यकता से अधिक उत्पादन का उपयोग एथेनॉल बनाने में किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि विकास कार्यों के लिये ली गई वन भूमि के स्थान पर दुगनी राजस्व भूमि देनी पड़ती है, जिसके स्थान पर यदि बिगड़े वनों पर तीन गुना अधिक वन लगाने का दायित्व दिया जाये तो वन क्षेत्र में बढ़ोत्तरी होगी।

मध्यप्रदेश में

इसी सत्र से खुलेंगे ग्यारह नए शासकीय महाविद्यालय

भोपाल, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश में इसी सत्र से एक साथ 11 नए शासकीय महाविद्यालयों की स्थापना की जाएगी। दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी उच्च शिक्षा सुलभ हो और उनकी संख्या को दृष्टिगत रखते हुए यह कॉलेज खोले जाने का निर्णय लिया गया है।

डॉ. यादव ने बताया कि नए शासकीय महाविद्यालय उदय नगर जिला देवास, घुवारा छतरपुर, जैसीनगर सागर, दिमनी मुरैना, पिछोर ग्वालियर, गोरमी भिंड, राजोधा मुरैना, दिनारा शिवपुरी, शासकीय कन्या महाविद्यालय अनूपपुर और रिठौराकला जिला मुरैना में खोले जाएंगे। इसके अलावा आगर मालवा जिले के नलखेड़ा और बड़ौद शासकीय महाविद्यालय, मुरैना के पोरसा, अशोकनगर के पिपराई तथा सीहोर जिले के लाडकुई शासकीय महाविद्यालय में नवीन संकाय प्रारंभ होंगे।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना से विद्यार्थियों को मिलेगा रोज़गार

भोपाल, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के अन्तर्गत रोज़गार मेले का आयोजन एक महत्वपूर्ण कड़ी है। रीवा जिले के टीआरएस महाविद्यालय और यशस्वी ग्रुप द्वारा प्रदेश के 52 जिलों के चुने हुए 52 महाविद्यालयों में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन रोज़गार मेलों का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 30 कम्पनियों ने भाग लिया। इन कम्पनियों ने 10 हजार पदों के लिए छात्र-छात्राओं का पंजीयन कर उनके साक्षात्कार लिए। इसके अतिरिक्त तीन कम्पनियों ने पृथक से छात्राओं के लिए ऑनलाइन साक्षात्कार का आयोजन किया।

खास खबर

पीएच.डी. छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 15 अक्टूबर तक आमंत्रित

भोपाल, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सभी वर्गों के दिव्यांग विद्यार्थियों को पीएच.डी. के लिये छात्रवृत्ति योजना को वर्ष 2021-2022 में भी निरंतर जारी रखने का निर्णय लिया है। इसके तहत विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सभी वर्गों के दिव्यांग विद्यार्थियों से पीएच.डी. छात्रवृत्ति के लिये आवेदन आमंत्रित किये गये हैं।

आवेदन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर निर्धारित की गई है। विस्तृत जानकारी विभाग के पोर्टल **www.highereducation.mp.gov.in** पर उपलब्ध है।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

महिला सशक्तिकरण

महिला स्व-सहायता समूह चलायेंगे पोषण आहार कारखाने - मुख्यमंत्री

शिवपुरी, मध्यप्रदेश में पोषण आहार बनाने का कारखाना अब कोई ठेकेदार नहीं, बल्कि स्व-सहायता समूह की महिलाएं चलायेंगी। इससे होने वाला लाभ भी स्व-सहायता समूह की महिलाओं के खाते में जायेगा। साथ ही महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में सरकार हर संभव कार्य करेगी। समूह की महिलाएं ही स्कूल के बच्चों के गणवेश सिलने का कार्य करेंगी और राशन दुकानें भी समूहों की महिलाओं के माध्यम से संचालित की जायेंगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शिवपुरी में जन-कल्याण और सुराज अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

स्व-सहायता समूहों को क्रेडिट लिंकेज के 250 करोड़ रुपये वितरित

मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक के जरिए प्रदेश के 20 हजार महिला स्व-सहायता समूहों को क्रेडिट लिंकेज के अन्तर्गत 250 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता वितरित की। सिंगल क्लिक के जरिए ही सहरिया, बैगा और भारिया जनजाति की 2 लाख 27 हजार 687 महिलाओं को 22 करोड़ 77 लाख रुपये का आहार भत्ता और बाढ़ पीड़ितों को 163 करोड़ 28 लाख रुपये राहत राशि वितरित की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि मध्यप्रदेश में पोषण आहार तैयार करने के कारखाने अब कोई ठेकेदार नहीं चलायेगा, बल्कि स्व-सहायता समूहों की महिलाएं ही चलायेंगी। हमने समूह की महिलाओं को कारखानों का मालिक बना दिया है। पहले ये कारखाने एमपी एग्रो के माध्यम से ठेकेदार चलाते थे। इन कारखानों से 800 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष का कार्य किया जाता था। अब यह कार्य स्व-सहायता समूह की महिलाओं के माध्यम से होगा और उसका लाभ भी सीधे उनके खाते में पहुंचेगा।

संबल योजना पुनः शुरू की गई

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों और किसानों के कल्याण में सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। हमने अब संबल योजना पुनः प्रारंभ कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट की हर घड़ी में सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है। कोविड-19 हो या बाढ़ आपदा, सरकार ने प्रभावितों के साथ खड़े रहकर उन्हें हर संभव सहायता भी उपलब्ध कराई है। बाढ़ से जिन लोगों की खेती-किसानी प्रभावित हुई, उन्हें भी राशि उपलब्ध कराई गई है।

होशंगाबाद में स्थापित होगी कॉटन स्पिनिंग, होजरी, फैब्रिक निटिंग इकाई

मध्यप्रदेश में निवेश के लिये उद्योगपतियों ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने औद्योगिक निवेश का स्वागत करते हुए कहा है कि प्रदेश में औद्योगिक निवेश और औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और विस्तार के लिए राज्य सरकार सभी प्रकार का सहयोग प्रदान करेगी। राज्य सरकार त्वरित कार्य और समय-सीमा में गतिविधियों के संचालन के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री से बेस्ट कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री आर. राजकुमार ने मंत्रालय में भेंट की। श्री आर. राजकुमार ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को अवगत कराया कि उनका संस्थान मोहासा, होशंगाबाद में भी कॉटन स्पिनिंग, होजरी, फैब्रिक निटिंग और वैट प्रोसेसिंग इकाई स्थापित करेगा।

बेस्ट कॉर्पोरेशन ने प्रदेश में अपना निवेश बढ़ाया

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि बेस्ट कॉर्पोरेशन, उज्जैन जिले में 11 एकड़ क्षेत्र में होजरी इकाई स्थापित कर रहा है। कॉर्पोरेशन की पूर्व में 60 करोड़ रुपये निवेश की योजना थी। राज्य सरकार की उद्योग मित्र नीति और प्रदेश के सहयोगी वातावरण को देखते हुए कॉर्पोरेशन अपना निवेश बढ़ा रहा है। इससे रोज़गार सृजन भी अधिक होगा। संस्थान की ओर से 620 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश की योजना है। इससे लगभग 9 हजार व्यक्तियों के लिए रोज़गार सृजित होगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

25 सितम्बर

आईसीएमआर ने कोरोना के इलाज के लिये नये दिशा-निर्देश किये जारी

● भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कोरोना महामारी के इलाज के लिये नये दिशा-निर्देश जारी किये हैं। आईसीएमआर ने कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज में आइवरमेक्टिन और हाइड्रो-क्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) दवा का उपयोग बंद कर दिया है। आईसीएमआर ने कहा कि आइवरमेक्टिन दवा कोरोना के इलाज में प्रभावशाली साबित नहीं हुई है, इसके अलावा विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस दवा के इस्तेमाल पर सवाल खड़े किये थे। आईसीएमआर ने कहा कि कोरोना महामारी से गंभीर रूप से संक्रमित मरीजों को रेमडिसिविर और टोसीलिजुमैब दी जा सकेगी।

● अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान एरिजोना क्षेत्र में व्यापक स्तर पर धांधली के आरोप लगाये थे। इस आरोप के बाद क्षेत्र में वोटों की समीक्षा के निर्देश जारी किये गये थे। समीक्षा के दौरान धांधली के कोई भी साक्ष्य नहीं मिले हैं। यह समीक्षा साइबर निंजास कंपनी ने की है। समीक्षा के बाद बाइडेन के 99 वोट बढ़ गये हैं, जबकि ट्रंप के 261 वोट कम हो गये हैं। समीक्षा की रिपोर्ट को रिपब्लिकन सीटेन के अध्यक्ष करेन फैन ने राज्य सीनेट में प्रस्तुत किया है।

26 सितम्बर

एनडीए में लड़कियों को शामिल करने प्रक्रिया आरंभ

● संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) और नौसेना अकादमी परीक्षा में लड़कियों को शामिल करने के लिये प्रक्रिया आरंभ कर दी है। यूपीएससी ने इस परीक्षा में आवेदन के लिये पोर्टल खोल दिया है। यूपीएससी ने यह कदम सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उठाया है। यूपीएससी ने बताया कि एनडीए परीक्षा के लिये केवल अविवाहित महिला अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकेंगी। आवेदन प्रक्रिया आरंभ हो गई है, जो 8 अक्टूबर तक जारी रहेगी। यूपीएससी ने कहा कि आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही करना होगा। महिला अभ्यर्थियों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जायेगा।

● केंद्र सरकार वैक्सीन सर्टिफिकेट में एक बदलाव करने जा रही है। अब वैक्सीन सर्टिफिकेट पर जन्म तिथि भी दर्ज की जायेगी। यह उन लोगों को मिलेगी, जो विदेश यात्रा करना चाहते हैं और उन्होंने वैक्सीन की दोनों डोज लगवा ली हैं। अभी तक वैक्सीन सर्टिफिकेट पर सिर्फ जन्म का वर्ष लिखा रहता था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने बताया कि यह बदलाव अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानकों के अनुरूप होगा। विदेश यात्रा करने वाले व्यक्ति अपने पासपोर्ट के अनुसार अपनी जन्मतिथि दर्ज करके कोविन एप पर अपने प्रमाण-पत्र को अपडेट कर सकते हैं।

27 सितम्बर

अफगानिस्तान का पासपोर्ट और पहचान-पत्र बदलेगा तालिबान

● अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद तालिबान अब अफगानिस्तान का नाम, पासपोर्ट और पहचान-पत्र बदलने जा रहा है। तालिबान ने कहा कि अब प्रत्येक दस्तावेज पर देश का नाम इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान लिखा जायेगा। इसके लिये प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। तालिबान सरकार के सूचना और संस्कृति विभाग के उपमंत्री जबीउल्लाह मुजाहिद ने बताया कि अफगानिस्तान के पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान-पत्रों को बदला जायेगा। मुजाहिद ने बताया कि अभी पुराने दस्तावेज कुछ समय के लिये वैध माने जायेंगे। इसके अलावा पिछली सरकार के समय जो अन्य वैध दस्तावेज जारी किये गये थे, उन्हें भी वैध माना जायेगा।

● कोरोना महामारी के प्रतिबंधों के बाद आर्थिक गतिविधियों में तेज सुधार के लिये

देश की जरूरतें बढ़ी हैं। इन जरूरतों को पूरा करने के लिये देश में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जैसे चार-पांच बड़े बैंकों की जरूरत है। यह जानकारी केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने इंडियन बैंक्स एसोसिएशन की 74वीं वार्षिक आम बैठक में दी। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि उद्योगों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिये बैंकिंग सुविधाओं को तत्काल बढ़ाने की आवश्यकता है।

● आइसलैंड में हुये संसदीय चुनावों में महिलाओं ने अधिकांश सीटें जीतकर इतिहास रच दिया है। आइसलैंड में यह पहली बार हुआ है, जब संसद में महिलाओं का बहुमत हो गया है। संसदीय चुनावों में महिलाओं ने 63 में से 33 सीटों पर जीत दर्ज की। आइसलैंड की प्रधानमंत्री कैटरीन जेकोब्सडोटिर के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 37 सीटें जीतकर सत्ता बरकरार रखी है। इस गठबंधन को पिछले चुनाव की तुलना में दो सीटें ज्यादा मिली हैं।

28 सितम्बर

सरकार ने दिव्यांगों के आश्रितों के लिये पेंशन की आय सीमा बढ़ाई

● केंद्र सरकार ने पारिवारिक पेंशन के नियमों में बदलाव किया है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार मानसिक और शारीरिक रूप से दिव्यांग बच्चों और भाई-बहनों को पारिवारिक पेंशन प्रदान करने के लिये आय मानदंड में वृद्धि करने का फैसला लिया गया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दिव्यांग बच्चा या मृतक पेंशनभोगी का भाई-बहन पारिवारिक पेंशन के लिये पात्र हैं। पारिवारिक पेंशन उन्हें मिलती हैं, जिनकी अन्य स्रोतों से मासिक आय 9 हजार रुपये से अधिक न हो, लेकिन अब पारिवारिक पेंशन पेंशनभोगी को मिले आखिरी वेतन का 30 प्रतिशत और उस पर स्वीकृत महंगाई भत्ते के बराबर होगी।

● भारत ने आकाश मिसाइल के नये वर्जन आकाश प्राइम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। यह परीक्षण उड़ीसा के चांदीपुर स्थित रेंज में किया गया। आकाश प्राइम मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बनाया है। डीआरडीओ ने बताया कि परीक्षण के दौरान मिसाइल ने हवा में लक्ष्य को इंटरसेप्ट किया और मार गिराया। डीआरडीओ के अनुसार आकाश मिसाइल के मुकाबले आकाश प्राइम मिसाइल बेहतरीन उपकरणों से लैस है। यह मिसाइल अधिक ऊंचाई पर कम तापमान में भी कारगर है। आकाश प्राइम मिसाइल में स्वदेशी सीकर सिस्टम लगा है, जो आसानी से टारगेट की पहचान कर सकता है।

● भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने ग्राहकों के लिये आधार प्रमाणीकरण का शुल्क घटा दिया है। अब ग्राहकों को आधार प्रमाणीकरण के लिये 20 रुपये की जगह तीन रुपये चुकाना होगा। यूआईडीएआई के सीईओ सौरभ गर्ग ने बताया कि वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आधार का लाभ बढ़ाने की अपार संभावनायें हैं। उन्होंने कहा कि अब तक आधार प्रणाली के जरिये 99 करोड़ से अधिक ई-केवाईसी किये जा चुके हैं।

29 सितम्बर

सीबीएसई ने बोर्ड परीक्षा के परिणाम सुरक्षित रखने के लिये अपनाई ब्लॉकचेन तकनीक

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), बोर्ड परीक्षा परिणाम संबंधी दस्तावेज हमेशा सुरक्षित रखने के लिये ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करेगी। सीबीएसई ने कहा कि इस तकनीक के लिये सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के विशेषज्ञों की मदद ली है। बोर्ड ने इस संबंध में एक सर्कुलर भी जारी किया है। बोर्ड ने कहा कि इस तकनीक का उपयोग होने के बाद परीक्षा परिणाम संबंधी दस्तावेजों में जहां पारदर्शिता होगी, वहीं परिणाम पूरी तरह टेंपर प्रूफ होंगे। इसमें किसी तरह के कागज का उपयोग नहीं किया जायेगा। बोर्ड ने कहा कि वर्ष 2004 से 2021 तक का परीक्षा परिणाम संबंधी रिकॉर्ड डिजीटल कर दिया गया है। अब विद्यार्थी एक क्लिक पर अपना कक्षा दसवीं तथा बारहवीं का परिणाम देख सकते हैं।

● देश के शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिये स्वच्छता सर्वेक्षण का सातवां संस्करण स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 शुरू किया गया है। केंद्रीय शहरी मामलों के मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 की शुरुआत की। श्री पुरी ने कहा कि इस बार स्वच्छ सर्वेक्षण में पहली बार जिला स्तरीय रैंकिंग की जायेगी और छोटे शहरों और कस्बों को सर्वेक्षण में शामिल किया जायेगा।

● केंद्र सरकार ने टैक्स स्लैब और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से छूट वाली वस्तुओं की समीक्षा करने, कर चोरी के स्रोत पहचानने और आयकर के ढाचे में बदलाव का सुझाव देने के लिये राज्यों के वित्त मंत्रियों की दो समितियां गठित की हैं। पहली समिति का काम टैक्स आधार बढ़ावा और इनपुट टैक्स क्रेडिट तथा जीएसटी से छूट प्राप्त वस्तुओं एवं सेवाओं की समीक्षा करना है। दूसरी समिति का काम कर चोरी के स्रोत का पता लगाना और राजस्व में कमी को रोकने के तरीकों के बारे में सुझाव देना है।

30 सितम्बर

केंद्र सरकार ने पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना को दी मंजूरी

● केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्राथमिक विद्यालय के स्तर पर सरकारी और सरकारी सहायता

प्राप्त स्कूलों में विद्यार्थियों को भोजन उपलब्ध कराने के लिये पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना को मंजूरी प्रदान की है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति की बैठक में इस योजना को मंजूरी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि यह योजना पांच वर्ष (2021-22 से 2025-26) के लिये लागू की गई है। इस योजना पर लगभग 1.31 लाख करोड़ रुपये खर्च आयेगा। इस योजना के दायरे में देश के 11.20 लाख स्कूलों के 11.80 करोड़ विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

● बच्चों और युवाओं में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिये केंद्र सरकार देशभर में विज्ञान संग्रहालय स्थापित करेगी। यह जानकारी केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिये वैज्ञानिक सोच अपनाने की जरूरत है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों और नीति आयोग के अटल टिंकरिंग लैब स्कूलों के साथ करार किया है।

● स्पेन के कैनरी द्वीप समूह में हुआ ज्वालामुखी विस्फोट अब भयावह होता जा रहा है। ज्वालामुखी से निकल रहा लावा अटलांटिक महासागर तक आ गया है। ज्वालामुखी विस्फोट पर लगातार नजर बनाये रखने वाले यूरोपीय संघ के निगरानी समूह ने कहा कि लावा से इस क्षेत्र में लगभग 400 इमारतें नष्ट हो गई हैं। यह लावा 258 हेक्टेयर तक फैल गया है। यह लावा अगर समुद्र में पहुंचा तो समुद्री जीव और विभिन्न प्रजातियों को खतरा होगा।

1 अक्टूबर

बैंकों की भर्ती परीक्षाएं हिंदी सहित 13 क्षेत्रीय भाषाओं में होंगी

● देश के 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिये लिपिकीय और अव से विज्ञापित रिक्तियों के लिये भर्ती परीक्षाएं हिंदी और अंग्रेजी सहित 13 क्षेत्रीय भाषाओं में होंगी। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में सिफारिश की है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह निर्णय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में क्षेत्रीय भाषाओं में लिपिकीय संवर्ग की परीक्षा आयोजित करने के लिये गठित एक समिति की सिफारिश के अनुसार लिया गया है। समिति ने स्थानीय युवाओं को रोज़गार के अवसरों के लिये एक समान अवसर प्रदान करने और क्षेत्रीय भाषाओं के माध्यम से ग्राहकों के साथ आधिकारिक जुड़ने के उद्देश्य से काम किया है। क्षेत्रीय भाषाओं में लिपिकीय परीक्षा आयोजित करने का यह निर्णय आगामी भारतीय स्टेट बैंक की रिक्तियों पर भी लागू होगा।

● सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश पारित करते हुये ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया के विद्यार्थियों को सामान्य वर्ग में नीट-यूजी काउंसलिंग में भाग लेने की अनुमति प्रदान की है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अब्दुल नजीर और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने अपना फैसला सुनाते हुये कहा कि शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिये ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया के विद्यार्थी मेडिकल सीटों के लिये पात्र दावेदार हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को निर्देशित किया कि ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया के विद्यार्थियों के नीट-यूजी परिणाम घोषित किये जाएं और उन्हें सामान्य वर्ग में काउंसलिंग में शामिल होने की अनुमति दी जाये।

● केंद्र सरकार ने अक्टूबर से दिसम्बर तक की तिमाही के लिये छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी एक सर्कुलर के अनुसार सरकार ने सुकन्या समृद्धि योजना पर 7.6 प्रतिशत राष्ट्रीय बचत पत्र पर 6.8 प्रतिशत और पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) पर 7.1 प्रतिशत ब्याज पहले की तरह मिलता रहेगा। उल्लेखनीय है कि छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर हर तिमाही पर बदलती रहती है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

श्रीवास्तव लॉ क्लासेस
ONLINE CLASSES
डॉ आशीष श्रीवास्तव (सिंह विरेमजइंदौर)
Join Now
इंदौर में म.प्र. एवं छ.ग. सहायक जिला अभियोजक परीक्षा 2021,
सिविल जज मुख्य एवं प्री परीक्षा के लिए ऑनलाइन कोचिंग
MP ADPO exam 2021 का पूरा कोर्स (जनरल नॉलेज एवं लॉ)
क्रैश कोर्स, रिवीजन, टेस्ट पेपर एवं टेस्ट सीरीज
उत्तम गुणवत्ता एवं उचित फीस के साथ
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें- 9424443685,
9893427147,
R-46021/2021

वर्ष 38, अंक 40 04.10.2021 से 10.10.2021

रोज़गार और निर्माण

www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार बनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (रु. पाँच सौ) का डी.डी., मनी ऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर, रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें:-

रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011, फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**

रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिये शिक्षा महत्वपूर्ण

मध्यप्रदेश में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता है, जिसे पूरा करने के लिये संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है। स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग जहां योग्य शिक्षकों की नियुक्ति करने और अन्य शिक्षण सुविधाओं को बढ़ाने पर ध्यान दें, वहीं लोक निर्माण विभाग के पीआईयू द्वारा अच्छे भवन निर्मित किये जायें। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है। गुणवत्ता पूर्व शिक्षा और उसके फलस्वरूप विद्यार्थियों को योग्यता के अनुरूप रोज़गार दिलवाने की दिशा में निरंतर कार्य की आवश्यकता है। उपरोक्त बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री भोपाल स्थित मिंटो हॉल सभा कक्ष से प्रदेश में 13 जिलों में स्कूल शिक्षा विभाग के 36 नवीन स्कूल भवन और अन्य सुविधाओं का लोकार्पण कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर जनजातीय कार्य विभाग के 9 जिलों के 58 शैक्षणिक भवनों के लिये भूमि पूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता नहीं करेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरंतर चलेगा। हमने बेटियों की शिक्षा के लिये विशेष ध्यान दिया है। प्रदेश में नये हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों की स्थापना हुई है। यही कारण है कि बच्चे बड़ी संख्या में स्कूल जा रहे हैं। किसी भी कीमत पर शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता नहीं करेंगे। प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल लगातार खोले गये हैं। हजारों की संख्या में गांव स्कूल भवन विहीन थे। शालेय शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग मिलकर ब्रेन स्टार्मिंग करें, योग्य शिक्षकों का भी चयन हो, ताकि हम प्रदेश की शिक्षा का सकारात्मक रूप से परिदृश्य बदल सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रायमरी स्कूलों में बच्चे नियमित स्कूल जा रहे हैं। इसका बड़ा कारण सुविधायुक्त स्कूल भवन का बन जाना है। यूपीएससी में भी प्रदेश के 4 गुना बच्चे चयनित हो रहे हैं। स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा दोनों के क्षेत्र में सुविधाएं बढ़ाई गयी हैं। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों की नियुक्ति के साथ ही विद्यालय भवनों में प्रयोगशाला और पुस्तकालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 9 हजार 200 सुविधायुक्त सीएम राइज स्कूल प्रारंभ होंगे। वित्त वर्ष 2021-22 में प्रदेश में 350 स्कूल सीएम राइज स्कूल के रूप में विकसित होंगे। 18 से 24 करोड़ रुपये लागत के स्कूल भवन बनाये जायेंगे। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में 25-30 किलोमीटर परिधि में इनकी व्यवस्था होगी। अगले 3 साल में इन विद्यालयों में एक भी शिक्षण परिसर में केजी से लेकर बारहवीं तक की कक्षाओं के बच्चे पढ़ेंगे। जनजातीय क्षेत्रों में भी 95 सीएम राइज स्कूल खोले जायेंगे।

मध्यप्रदेश में विद्यालय भवनों का निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण ढंग से हुआ है। काफी समय से इन भवनों की आवश्यकता थी। वित्तीय संसाधन उपलब्ध हो जाने से कार्य संभव हुये। उपरोक्त बातें शिक्षा राज्यमंत्री श्री इंदरसिंह परमार ने कहीं। श्री परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सीएम राइज योजना के लिये 1500 करोड़ रुपये राशि के आवंटन का महत्वपूर्ण कदम उठाया। इसके साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत भी मध्यप्रदेश में अच्छा कार्य हो रहा है।

रक्त संबंधी कैंसर के उपचार में उपयोगी टी-कोशिका

कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जिसका नाम सुनते ही मनुष्य तनाव में आ जाता है। दुनियाभर में कैंसर के उपचार के लिये विभिन्न शोध किये जा रहे हैं। हाल के वर्षों में टी-सेल थैरेपी से इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई से नई उम्मीद जगी है। काइमेटिक एंटीजन रिसेप्टर (सीएआर) टी-सेल कोशिकाएं सीधे रोगी के रक्त से ली जाती है और इनमें अनुवांशिक संशोधन किये जाते हैं, ताकि वह कैंसर कोशिकाओं को मार सके। इसके लिये कस्टमाइज करके टी-कोशिकाओं की क्षमता बढ़ाई जाती है। यूएसी विटरबी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग मोर्क फैमिली डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग एंड मटेरियल साइंस में शोधकर्ताओं की एक टीम ने यह पता लगाया कि कैसे सीएसआर टी-सेल थैरेपी पर एक ऐसे एंजाइम के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सकता है, जो ठोस कैंसर को नष्ट करने के लिये टी-कोशिकाओं की हमला करने की क्षमता को बढ़ा सके। प्रमुख अध्ययनकर्ता जैचेरीडन ने कहा कि ठोस ट्यूमर के लिये सीएसआरटी-सेल एक सक्रिय शोध का एक क्षेत्र है, जहां अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। मगर इस मामले में यह संकेत है कि सीएसआरटी-कोशिकाएं ठोस ट्यूमर का मुकाबला करने में सक्षम हो सकती है। टी-कोशिकायें वे कोशिकाएं हैं, जो रोगजनकों से लड़ने में मानव प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के लिये महत्वपूर्ण है। सीएसआरटी-सेल थैरेपी में रोगी का ही रक्त लिया जाता है। उसमें बदलाव करके टी-कोशिकाओं को एक विशेष जीन दिया जाता है। इस जीन को सीएसआर या एक काइमेटिक एंटीजन रिसेप्टर कहा जाता है। इस जीन को कैंसर कोशिका पर प्रोटीन बांधने के लिये डिजाइन किया गया है। टी-कोशिकाएं प्रतिरक्षा प्रणाली का हिस्सा है और अस्थिमज्जा में स्टेम कोशिकाओं से विकसित होती है। ये शरीर को संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं और कैंसर से लड़ने में मदद करती है। इसमें प्रतिरोधी कोशिकाओं को निकालकर, उनमें थोड़ा बदलाव करके मरीज के खून में वापस डाल दिया जाता है।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस 1 अक्टूबर

वृद्धजन का सम्मान और संरक्षण का संकल्प जरूरी है

वृद्धावस्था एक आयुसूचक स्थिति है और वृद्ध होने से व्यक्ति शारीरिक रूप से कमजोर हो जाता है, मगर अपने संकल्प और निश्चय से वह मानसिक रूप से मजबूत बना रह सकता है। वक्त और नैतिकता के परिप्रेक्ष्य में होना तो यह चाहिए कि प्रत्येक वृद्धजन का सम्मान और उसकी देखभाल का संकल्प हर दिन, हर पल हमारे मन में हो, लेकिन उनके प्रति मन में छुपे इसी सम्मान और संरक्षण के भाव को व्यक्त करने के लिए एवं वृद्धजन के प्रति चिंतन की आवश्यकता के लिए औपचारिक तौर पर भी एक दिन निश्चित हो। संयुक्त राष्ट्र ने 14 दिसम्बर 1990 को यह निर्णय लिया कि हर साल 01 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में मनाया जाए। इससे बुजुर्गों को भी उनकी अहमियत का अहसास होगा और समाज के अलावा परिवार में भी उन्हें उचित स्थान दिलवाया जा सकेगा। इसी निर्णय के बाद विश्व में प्रतिवर्ष एक अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस अथवा अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया जाने लगा। इस आयोजन से विश्व में वृद्धजन के प्रति होने वाले दुर्व्यवहार और अन्याय को रोकने में और जन जागरूकता फैलाने में मदद मिलती है। स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोत्तरी और जिजीविषा के बढ़ते स्तर के कारण विश्व में सामान्य रूप से व्यक्ति की औसत आयु बढ़ी है और उसी अनुपात में वृद्धजन की आबादी भी बढ़ी है और उन वृद्धजन की साज-सम्हाल भी अब हम सब की जिम्मेदारी है और अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर इसी मुद्दे पर मंथन का अवसर देता है।

वृद्धजन के सम्मान के साथ ही उनके साथ होने का अहसास भी जरूरी

वृद्धजन के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए, उनके कल्याण के लिए समय-समय पर व्यापक पहल उन्नीसवीं सदी के आरम्भ से ही की जा रही है, मगर वर्ष 1982 में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा, 'वृद्धावस्था को सुखी बनाइए' का नारा देकर जब 'सबके लिए स्वास्थ्य' अभियान शुरू किया तो उसका काफी असर देखा गया। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1991 में अंतर्राष्ट्रीय दिवस की शुरुआत के बाद 1999 को 'अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग वर्ष' के रूप में मनाया गया था। वस्तुतः इस दिन को पूरी तरह से बुजुर्गों के लिए समर्पित किया जाता है। उनके लिए वृद्धाश्रमों में भी कई तरह के आयोजन किए जाते हैं, और उनकी खुशी व सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाता है। खासतौर से उनकी सुविधाओं और समस्याओं पर विचार किया जाता है, एवं उनके स्वास्थ्य के प्रति गंभीरता से ध्यान दिया जाता है। भारत में तो ऐसी मान्यता है कि बुजुर्ग हमारे लिए ईश्वर के अवतार हैं, जिनके आशीर्वाद से हमारा पालन पोषण होता है, उनके प्रति मन में सम्मान और अटूट प्रेम होना स्वभाविक सी बात है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण होता है, उस अवस्था में उनके साथ होना, जब वे असहाय और अक्षम होते हैं। यही उनके प्रति हमारा सच्चा प्रेम और सच्ची श्रद्धा होती है। भले ही समयाभाव में यह हमेशा सम्भव न हो, लेकिन इस एक दिन हम उनके प्रति जितने समर्पित हो सकते हैं होना चाहिए, क्योंकि उन्हें सिवाए प्रेम के और साथ के कुछ नहीं चाहिए। समाज उनके साथ है इस बात का अहसास ही वृद्धजन का सबसे बड़ा सम्बल, सबसे बड़ा सम्मान है।

कोरोना महामारी के समय दिखी सम्वेदनशीलता

कोरोना वायरस जन्य कोविड-19 महामारी ने वृद्धजन के मन में अभूतपूर्व भय और अनिश्चितता ला दी थी। वृद्धजन सामाजिक रिश्तों पर अधिक से अधिक भरोसा करते हैं और उन्हें उसकी पहले से कहीं ज्यादा जरूरत थी और ऐसे समय में सरकार, समाज और स्वैच्छिक संस्थाओं ने वृद्धजन और सेवानिवृत्त लोगों की काफी

मदद की। वृद्धजन, युवाओं की तुलना में कुछ अधिक असुरक्षित इसलिए भी होते हैं, क्योंकि उन्हें युवा वर्ग की तुलना में अधिक क्रॉनिक बीमारियां होती हैं, उनकी उम्रदराज प्रतिरक्षा प्रणाली बीमारियों, संक्रमण और वायरस से लड़ने की क्षमता कमजोर हो जाती हैं। ऐसे समय में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार काफी सहायक हुआ। इस दौरान युवा पीढ़ी ने वृद्धजन से सतत जुड़ाव बनाये रखा। नियमित रूप से उन्होंने फोन कॉल, व्हाट्स एप अथवा दरवाजे पर छोड़ी गई पर्ची के माध्यम से सम्पर्क बनाये रखा। उन्हें पूर्व सूचना के साथ डिस्पोजेबल पात्र में कीटाणुरोधक से डिसइन्फेट कर ताजा खाना दिया। वृद्धजन के लिए रोजाना आवश्यक चीजें जैसे दूध, ब्रेड, अंडे, सब्जियां, फल, किराना सामान आदि खरीद कर दिए गये। यह सुनिश्चित किया गया कि उनके पास पर्याप्त चिकित्सा सामग्री हो।

इस दौरान वृद्धजन से मिलने वाले व्यक्तियों की संख्या सीमित रखी गई। उन्हें सुरक्षित रखने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का अभ्यास करने की आवश्यकता समझाई गई। उन दिनों वृद्धजन के लिए टेलीमेडिसिन की पेशकश की गई उन्हें अपने डॉक्टर के संपर्क में रहने में मदद की गई जितना संभव हो डॉक्टरों और रोगियों को आमने-सामने के बजाय वीडियो, ईमेल या अन्य माध्यमों पर संवाद की सलाह दी गई।

वृद्धजन के विकास की पहल में प्रभावी साबित हुआ है संयुक्त राष्ट्र

वैश्विक स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर लिए गये संकल्पों के अनुसार प्रत्येक राष्ट्र में वृद्धजन के विकास की प्रभावी पहल तो की ही जाती है मगर संयुक्त राष्ट्र भी वृद्धजन के विकास की पहल के अंतर्गत भी काफी प्रयास करता है। इन प्रयासों में से कुछ प्रमुख प्रयास हैं -

स्वस्थ एजिंग के दशक के रणनीतिक उद्देश्यों के बारे में प्रतिभागियों को सूचित करना जिससे वे इस दिशा में कुछ कार्यकारी योजनाएं बना सकें। वृद्धजन जिस समाज में रहते हैं उस समाज में यह जागरूकता बढ़ाना कि वे वृद्धजन की विशेष स्वास्थ्य आवश्यकताओं और उनके स्वयं के स्वास्थ्य के लिए अपने योगदान को सुनिश्चित कर सकें। नर्सिंग पेशे पर विशेष ध्यान देने के साथ वृद्धजन के स्वास्थ्य को बनाए रखने और सुधारने में स्वास्थ्य देखभाल कार्यबल की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उनकी सराहना करना। विकसित और विकासशील देशों में वृद्धजन के बीच स्वास्थ्य संबंधी असमानताओं को कम करने के लिए पुरअसर प्रस्ताव पेश करना ताकि 'कोई पीछे न छूटे' और सभी राष्ट्रों में वृद्धजन को समान और समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

कठिनतम महामारी कोविड - 19 के वृद्धजन पर पड़ने वाले प्रभाव का सही आकलन किया जाये और स्वास्थ्य देखभाल की नीति, योजना और दृष्टिकोण को सुपरिभाषित किया जाये और उन्हें प्रभावी तरीके से क्रियान्वित किया जाये। संयुक्त राष्ट्र की इस पहल से वृद्धजन के विकास की दिशा में काफी कुछ हुआ ही है और यह विकास क्रम सतत जारी भी है।

भारत में वृद्धजन कल्याण के लिये राष्ट्रीय नीति

भारत में भी वृद्धजन की रक्षा और उन्हें अधिकार दिलवाने के लिए कई कानूनों को लागू किया गया है और शासन-प्रशासन की चेष्टा इसके प्रभावी अमल की है।

केंद्र सरकार ने भारत में वृद्धजन की आरोग्यता और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1999 में वृद्ध सदस्यों के लिए राष्ट्रीय नीति तैयार की है। जिसके तहत व्यक्तियों को स्वयं के लिए तथा उनके पति या पत्नी के बुढ़ापे के लिए व्यवस्था करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और साथ ही परिवार वालों को वृद्ध सदस्यों की देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित करने का भी प्रयास किया जाता है। भारत में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की कुल जनसंख्या में 60 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों का हिस्सा 8.6 प्रतिशत है और वर्ष 2050 तक यह दर 21 प्रतिशत होने का अनुमान है। इन वरिष्ठ नागरिकों और वृद्धजन को वित्तीय सुरक्षा, कल्याण और संरक्षण देने के लिए माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम 2007 को संसद में पारित और लागू किया गया था। इस एक्ट में बच्चों से यह अपेक्षा की गई है कि वे अपने माता-पिता को मेनटेनेंस (भरण-पोषण या गुजारा भत्ता) दें और सरकार से यह अपेक्षा की गई है कि वह ओल्ड एज होम्स बनाएं और वरिष्ठ नागरिकों को मेडिकल सहायता सुनिश्चित करें। एक्ट भरण-पोषण को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक ट्रिब्यूनल और अपीलीय ट्रिब्यूनल का गठन भी करता है। इनके अलावा भी भारत में वृद्धजन के कल्याण की कई योजनाएं बनाई हैं।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की थीम कल्याण की दिशा तय करती है

किसी भी वर्ग के कल्याण के लिए मनाये जाने वाले विशेष दिन की जो थीम प्रतिवर्ष तय की जाती है वो उस वर्ग विशेष के कल्याण की दिशा तय करती है। वर्ष 2020 में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की थीम कोरोना महामारी से वृद्धजन के बचाव पर केन्द्रित थी जबकि वर्ष 2019 में हर आयु वर्ग के स्वास्थ्य की देखभाल के लिये आयु समानता की यात्रा (द जर्नी आप ऐज इक्वेलिटी) थी। वर्ष 2018 की थीम में वृद्ध को मानव अधिकार चैम्पियन करार दिया गया था। समाज में वृद्धजन की प्रतिभा, योगदान और भागीदारी के दोहन की सम्भावना की भविष्य की रणनीति वर्ष 2017 की थीम थी। वर्ष 2016 में आयुवाद (एजिंग) के खिलाफ एक कदम की थीम तय की गई थी तो वर्ष 2015 में शहरी पर्यावरण में स्थिरता और आयु समावेशिता पर विमर्श हुआ था। वृद्धजन को सकल मानव समाज का ही एक हिस्सा मानकर मानव समाज के समग्र विकास में कोई भी पीछे न रहे, इस थीम पर वर्ष 2014 में और हम कैसा भविष्य चाहते हैं इस बारे में वृद्धजन क्या चाहते हैं? इस थीम पर वर्ष 2013 में विमर्श हुआ था। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वर्ष 2012 की थीम- दीर्घायुः भविष्य को आकार देना, वर्ष 2011 की थीम वैश्विक आयुवृद्धि (ग्लोबल एजिंग) के बढ़ते अवसर और चुनौतियां, वर्ष 2010 की थीम वृद्धजन और अंतर्राष्ट्रीय विकास लक्ष्य, वर्ष 2009 की थीम सभी उम्र के लिए एक समग्र समाज की ओर तथा वर्ष 2008 में थीम वृद्ध व्यक्तियों के अधिकार थी। चुनौतियां और उम्र बढ़ने के अवसर को सम्बोधन वर्ष 2007 की, वृद्धजन के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र वैश्विक रणनीतियों को आगे बढ़ाना वर्ष 2006 की और नई सदी में वृद्धजन की समस्या वर्ष 2005 की थीम थी। इन विषयों के तय होने से वृद्धजन के मुद्दों पर विमर्श गहन मंथन सम्भव हुआ।

राजा दुबे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

रेसीडेंसी एरिया - इंदौर

पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ के पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन

विज्ञापन क्रमांक 07/2021/20.09.2021
पशु पालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश शासन

ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 04.11.2021

महत्वपूर्ण

1. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश शासन हेतु पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ के कुल 129 पदों की पूर्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। इन पदों के लिए शैक्षणिक अर्हता निम्नानुसार है :-

शैक्षणिक अर्हता (1) विधि के नियमों के अधीन स्थापित भारत की किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से पशु चिकित्सा विज्ञान में स्नातक।

अन्य अर्हता (1) विधि के नियम के अधीन स्थापित मध्यप्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद के अधीन, पद के विज्ञापन की तारीख के पूर्व पंजीकृत।
(2) पंजीकरण स्थायी होना अनिवार्य है।
(3) रोज़गार पंजीयन - अभ्यर्थियों का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।

2. आवेदन पत्र केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जायेंगे। आवेदन पत्र **दिनांक 05.10.2021 (दोपहर 12:00 बजे) से दिनांक 04.11.2021 (रात्रि 12:00 बजे) तक www.mponline.gov.in, www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** पर भरे जा सकते हैं।
आवेदक ऑनलाइन आवेदन पत्र की सावधानीपूर्वक जांच कर लें। ऑनलाइन आवेदन पत्रों में दिनांक 10.10.2021 से दिनांक 06.11.2021 तक त्रुटिसुधार किया जा सकेगा। इस हेतु प्रति सुधार सत्र रु. 50/- त्रुटिसुधार शुल्क देय होगा। आवेदक त्रुटिसुधार हेतु एम.पी. ऑनलाइन के अधिकृत कियोस्क की सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। त्रुटिसुधार अवधि समाप्त होने के बाद किसी भी प्रकार का परिवर्तन मान्य नहीं होगा तथा श्रेणी/वर्ग परिवर्तन विषयक समस्त आवेदन सरसरी तौर पर अमान्य किए जायेंगे तथा आयोग द्वारा इस सन्दर्भ में आवेदक से कोई पत्र व्यवहार नहीं किया जाएगा।
3. इस विज्ञापन के अंतर्गत विज्ञापित पदों हेतु OMR आधारित वस्तुनिष्ठ परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न श्रेणियों हेतु विज्ञापित पदों के तीन गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा। अंतिम चयन परिणाम, परीक्षा तथा साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर किया जाएगा। परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम, परीक्षा तिथि एवं प्रवेश-पत्र उपलब्धता तिथि यथासमय आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** एवं **www.mppsc.com** पर प्रकाशित किया जाएगा।
4. विज्ञापन के सन्दर्भ में आवश्यक सूचनायें, परीक्षा का परिणाम केवल आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** एवं रोज़गार और निर्माण समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाएगा साथ ही अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय दिए गए **e-mail Address** तथा मोबाइल नंबर पर आवश्यक होने पर **e-mail** तथा **SMSAlert** भी प्रेषित किए जाएंगे। अतः अभ्यर्थी आवश्यक सूचनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र पर विहित स्थान पर अपने ई-मेल पते तथा मोबाइल नंबर का अवश्य उल्लेख करें तथा इसे अंतिम चयन परिणाम आने तक अपरिवर्तित रखें एवं आयोग की वेबसाइट का निरन्तर अवलोकन करते रहें।
5. आयोग की परीक्षा और चयन प्रणाली निष्पक्ष एवं पारदर्शी है। किसी एक व्यक्ति द्वारा इस प्रणाली को विफल कर किसी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने की संभावना नहीं है। अतः किसी व्यक्ति द्वारा सीधे या किसी अन्य के माध्यम से लाभ पहुंचाने का दावा किया जाता है तो ऐसा व्यवहारिक रूप से असंभव है। अतः ऐसे व्यक्ति के बहकावे में न आएं और उस व्यक्ति की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सूचना अविलंब आयोग को दें ताकि ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध समुचित कार्यवाही की जा सके। सूचना देने वाले का नाम पता गोपनीय रखा जाएगा।
6. उक्त विज्ञापन का अंतिम चयन परिणाम याचिका क्रमांक 25181/2019 के अंतिम न्यायालयीन निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

एक भारत के नागरिकों तथा भारत के संविधान के तहत मान्य अन्य श्रेणियों के आवेदकों से **पशु पालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश शासन** के अंतर्गत निम्न पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं :-

पद का नाम :- पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ
(Veterinary Assistant Surgeon)
रिक्ति विवरण

रिक्तियों की वर्गवार संख्या					रिक्तियों में मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिलाओं हेतु आरक्षित पद					
UR	SC	ST	OBC	EWS	UR	SC	ST	OBC	EWS	कुल पद
25	12	63	21	8	8	4	21	7	3	129

टीप:- रिक्तियों की उक्त संख्या विभाग द्वारा विभाग में संधारित रोस्टर में उपलब्ध रिक्तियों के अनुसार प्रेषित मांगपत्र के अनुसार है जिसमें बैकलाग के पद भी सम्मिलित हैं।

Abbrivations **UR** - अनारक्षित **SC** - अनुसूचित जाति **ST** - अनुसूचित जनजाति **OBC** - अन्य पिछड़ा वर्ग **EWS** - आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग

दो **पद का विवरण**

(A) विभाग का नाम : **मध्यप्रदेश शासन, पशु पालन एवं डेयरी विभाग**
(B) श्रेणी : राजपत्रित द्वितीय श्रेणी
(C) पद स्थिति : अस्थायी
(D) वेतनमान : रुपये 15600-39100+5400 ग्रेड पे तथा राज्य शासन द्वारा समय-समय पर प्रसारित आदेशों के अनुसार मंहगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते देय होंगे।
नोट- उपरोक्त वेतनमान छठे वेतन आयोग अनुसार है।
सातवें वेतनमान में तत्स्थानी वेतनमान देय होगा।
(E) कर्तव्य : पशु चिकित्सा एवं पशुपालन
(F) पद का नाम : पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ
VeterinaryAssistant Surgeon
(G) अर्हता :
अनिवार्य शैक्षणिक अर्हता (1) विधि के नियमों के अधीन स्थापित भारत की किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से पशु चिकित्सा विज्ञान में स्नातक।
अन्य अर्हता (1) विधि के नियम के अधीन स्थापित मध्यप्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद के अधीन, पद के विज्ञापन की तारीख के पूर्व पंजीकृत।
(2) पंजीकरण स्थायी होना अनिवार्य है।
(3) रोज़गार पंजीयन - अभ्यर्थियों का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
(H) आयु सीमा : 21 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो किन्तु 40 वर्ष की आयु पूर्ण न की हो।
(I) आयु संगणना तिथि : 01.01.2022

तीन (i) अभ्यर्थी के पास शैक्षणिक अर्हतायें ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि तक होना चाहिये। आवेदन करने की अंतिम तिथि के बाद किसी भी तिथि को अर्हतायें अर्जित करने वाले अभ्यर्थी विज्ञापित पदों हेतु विचारित होने की पात्रता नहीं रखेंगे। मध्यप्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद के अधीन, पद के विज्ञापन की तारीख के पूर्व पंजीकृत होना अनिवार्य है।
(ii) शासन द्वारा पदों की संख्या का पुनरीक्षण करने पर इस पद संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।
(iii) चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति दो वर्ष की परिवीक्षा पर की जायेगी।
(iv) किसी भी प्रवर्ग में मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिलाओं के लिये आरक्षित पद उपयुक्त महिला अभ्यर्थी के अभाव में उसी प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों के चयन द्वारा भरे जा सकेंगे।
(v) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु आरक्षित पद केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु आरक्षित है।
(vi) मध्यप्रदेश के बाहर के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी अपना वर्ग अनारक्षित लिखें।
(vii) **पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ** के पद के कार्यस्वरूप को देखते हुये ये पद दिव्यांगजन अभ्यर्थियों हेतु चिन्हांकित नहीं है दिव्यांगजन अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आवेदन के पात्र नहीं होंगे।
आयु सीमा में दी गयी अन्य छूटों के लिए **परिशिष्ट-1** देखें।

चार मध्यप्रदेश सिविल सेवायें (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के अंतर्गत अनर्हता :-
अ. कोई भी उम्मीदवार जिसे महिलाओं के विरुद्ध किसी अपराध का सिद्ध-दोष ठहराया गया हो, किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।
परंतु जहां किसी भी उम्मीदवार के विरुद्ध न्यायालय में ऐसे मामले लंवित हों तो उनकी नियुक्ति का मामला आपराधिक मामले का अंतिम विनिश्चय होने तक लंबित रखा जायेगा।
ब. कोई भी उम्मीदवार जिसकी दो से अधिक जीवित संतान है, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हो, किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।
परंतु कोई भी उम्मीदवार जिसकी पहले से एक जीवित संतान है तथा आगामी प्रसव 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हो, जिसमें दो या दो से अधिक संतान का जन्म होता है, किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिये निरर्हित नहीं होगा।

पांच **महत्वपूर्ण :- यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी कि वे अपने आवेदित पद के लिये निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को पूरा करते हैं। अतः आवेदन करने के पहले अभ्यर्थी अपनी अर्हता की जांच स्वयं कर लें और अर्हता की समस्त शर्तों को पूरा करने पर ही आवेदन पत्र भरें। लिखित परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र जारी करने अथवा साक्षात्कार के लिये आमंत्रित करने का अर्थ यह कदापि नहीं होगा कि अभ्यर्थी को अर्ह मान लिया गया है। चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी के अनर्ह पाये जाने पर उसका आवेदन पत्र निरस्त कर उसकी अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी।**

छः अधिवार्षिकी आयु : **62 वर्ष**

सात **चयन प्रक्रिया** :- इस विज्ञापन के अंतर्गत विज्ञापित पदों हेतु वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की OMR आधारित परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में प्राप्त अंकों के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न श्रेणियों हेतु विज्ञापित पदों के तीन गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा। अंतिम चयन परिणाम, परीक्षा तथा साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर किया जाएगा। परीक्षा आयोजन से संबन्धित समस्त जानकारियां, परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम, परीक्षा तिथि एवं प्रवेश-पत्र उपलब्धता तिथि आदि यथासमय आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** एवं **www.mppsc.com** पर प्रकाशित किया जाएगा।

दस **आवेदन प्रक्रिया** :- उक्त पद हेतु आवेदन पत्र इन्टरनेट के माध्यम से ऑनलाइन जमा किये जा सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी हेतु **परिशिष्ट-2** का अवलोकन करें।

ग्यारह विज्ञापन के सन्दर्भ में आवश्यक सूचनाएं, ऑनलाइन परीक्षा का परिणाम केवल आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** एवं रोज़गार और निर्माण समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाएगा साथ ही अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय दिए गए e-mail Address तथा मोबाइल नंबर पर आवश्यक होने पर e-mail तथा SMS Alert भी प्रेषित किए जाएंगे। अतः अभ्यर्थी आवश्यक सूचनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र पर विहित स्थान पर अपने ई-मेल पते तथा मोबाइल नंबर का अवश्य उल्लेख करें तथा उसे अंतिम चयन परिणाम तक अपरिवर्तित रखें एवं आयोग की वेबसाइट का निरन्तर अवलोकन करते रहें।

बारह अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी हेतु निम्न परिशिष्ट देखें :-
(i) आयु सीमा की छूट **परिशिष्ट-1**
(ii) आवेदन पत्र भरने के तथा अन्य निर्देश एवं जानकारियां **परिशिष्ट-2**
(iii) आप्टिकल स्कैनर द्वारा पढ़ी जाने वाली ओ.एम.आर. शीट के उपयोग संबंधी निर्देश तथा अन्य अनुदेश **परिशिष्ट-3**

उप सचिव

परिशिष्ट-1

(एक) **उच्चतर आयु सीमा में वर्ग विशेष को देय छूटें**
(1) मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी. 3-8/2016/1/3, दिनांक 04 जुलाई 2019 अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/शासकीय/निगम/

मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) आदि के लिए अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी तथा उक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष रहेगी।

(2) ऐसा अभ्यर्थी जो भूतपूर्व सैनिक हो, उसे अपनी आयु में से उसके द्वारा पहले की गयी सम्पूर्ण प्रतिरक्षा सेवा की अवधि कम करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, किन्तु उसके परिणामस्वरूप जो आयु निकले वह अधिकतम आयु सीमा से तीन वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

स्पष्टीकरण :-

भूतपूर्व सैनिकों से अभिप्रेत है मध्यप्रदेश के भूतपूर्व सैनिक (राज्य की सिविल सेवाओं तथा पदों, तृतीय श्रेणी तथा चतुर्थ श्रेणी में रिक्तियों का आरक्षण) नियम 1985 के नियम 2 (ग) में यथा प्रावधानित भूतपूर्व सैनिक।

(दो) प्रोत्साहन स्वरूप दी गयी छूट

(1) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पुरस्कृत दंपतियों के सवर्ण सहभागी को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक सी-3/10/85/3/1, दिनांक 29.06.1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जाएगी।

(2) विक्रम पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक सी-3/18/85/3/1 दिनांक 03.09.1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जाएगी।

टीप :- (1) परिशिष्ट-1 (दो) के अंतर्गत प्रोत्साहन स्वरूप अधिकतम आयु सीमा में विभिन्न कार्यों/योजनाओं के अंतर्गत दी गयी छूटों में से यदि कोई अभ्यर्थी एक से अधिक छूट का आधार रखता है तो उसे आयु सीमा में किसी एक आधार (प्रोत्साहन वाले) के लिए देय छूट मिलेगी।

(2) समस्त आरक्षण तथा उससे जुड़ी आयु सीमा की छूट मध्यप्रदेश राज्य के संदर्भ में है, अतः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, भूतपूर्व सैनिक तथा महिला अभ्यर्थियों को देय आरक्षण अथवा आयु सीमा में छूट केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों को ही देय होगी। अन्य प्रदेशों के उक्त श्रेणी के अभ्यर्थी अनारक्षित मान्य होंगे।
(सामान्य प्रशासन विभाग, मध्यप्रदेश शासन के पत्र क्रमांक 969/1197/2012/आ.प्र./एक, दिनांक 06.08.2012 में निहित व्यवस्था के अनुसार)

नोट :- (01) उपरोक्त परिशिष्ट-1 (एक) (1 से 2) (दो) (1 से 2) में उल्लेखित आयु सीमा की छूट की पात्रता सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर ही देय होगी।

(02) अभ्यर्थियों को उपरोक्त सभी छूट देय होंगी किन्तु समस्त छूट को शामिल करते हुए भी किसी भी स्थिति में किसी भी प्रवर्ग हेतु अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अर्थात जिन अभ्यर्थियों की आयु 45 वर्ष से अधिक है वे आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे।

परिशिष्ट-2

ऑनलाइन आवेदन करने के संदर्भ में निर्देश एवं अन्य जानकारी

1. पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ के पद हेतु ऑनलाइन आवेदन करने के संदर्भ में आवश्यक अनुदेश निम्नानुसार हैं :-
   1. उपरोक्त पदों हेतु आवेदन पत्र **www.mponline.gov.in, www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** वेबसाइट पर भरे जा सकेंगे।
   2. अभ्यर्थी अपने घर पर या इंटरनेट कैफे के माध्यम से भी ऑनलाइन फार्म भरकर आवेदन/परीक्षा शुल्क का भुगतान क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड के माध्यम से कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नेट बैंकिंग सुविधा धारक अभ्यर्थी नेट बैंकिंग द्वारा भी शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।
   3. अभ्यर्थी फार्म भरने के पूर्व अपने नवीनतम फोटोग्राफ की पासपोर्ट साइज की तथा हस्ताक्षर की स्केन फाइलें तैयार रखें जिन्हें उन्हें ऑनलाइन फार्म भरते समय संलग्न करना होगा। अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि आवेदन पत्र में उनके फोटो एवं हस्ताक्षर स्पष्ट हैं।
   4. ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय ध्यान रखना चाहिए कि वह उक्त वेबसाइट पर दिए गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की प्रत्येक जानकारी अच्छी तरह समझकर सावधानीपूर्वक सही रूप में जिस प्रकार चाहा गया है उसी प्रकार जानकारी भरें।
   5. आयोग द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरने की प्रक्रिया में यह समझ लिया गया है कि अभ्यर्थी द्वारा जो जानकारी ऑनलाइन फार्म में अंकित की जा रही है वही प्रामाणिक जानकारी है अतः ऑनलाइन आवेदन पत्र submit करने के पूर्व अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र सावधानीपूर्वक भली-भांति पढ़-समझकर तथा भरी गयी जानकारी से स्वयं को संतुष्ट करने के पश्चात ही आवेदन submit करें।
   6. आवेदन पत्र submit करने के बाद खुलने वाले pop-up window में आवेदक को उसके द्वारा आवेदन पत्र में उल्लिखित आधारभूत सूचनाएं अर्थात उसका नाम, माता, पिता का नाम, जन्म तिथि, श्रेणी, लिंग आदि की जानकारी दी जाएगी जिसमें त्रुटि परिलक्षित होने पर अभ्यर्थी Cancel बटन दबाकर पुनः फार्म में वापस जाकर अपेक्षित सुधार कर सकेंगे। Pop-up window में OK बटन दबाकर फार्म सबमिट करने पर आवेदन पत्र के सफलतापूर्वक जमा होने की सूचना मिलेगी जिसमें उसके आवेदन पत्र क्रमांक का उल्लेख होगा किन्तु यह Unpaid होगा।

   अभ्यर्थी कृपया ध्यान रखें कि आवेदन पत्र submit होने के बाद "proceed for payment" बटन दबाकर भुगतान की कार्यवाही पूर्ण होने के पश्चात अभ्यर्थी को उसका आवेदन पत्र प्राप्त होगा, जिसमें भुगतान का विवरण भी होगा जिसमें भुगतान राशि तथा "Payment Done" स्पष्टतः उल्लेखित होगा। आवेदक उक्त सूचना को प्रिंट करके अपने पास रखें तथा भविष्य में आयोग से किए जाने वाले पत्र व्यवहार में आवेदन पत्र क्रमांक का उल्लेख करें।

   7. **त्रुटिसुधार सुविधा** :- अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र सावधानीपूर्वक भरें। आवेदन पत्र में कोई त्रुटि होने पर दिनांक 10.10.2021 से 06.11.2021 तक प्रति त्रुटिसुधार सत्र रु. 50/- त्रुटिसुधार शुल्क का भुगतान कर ऑनलाइन आवेदन पत्र में अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन ही त्रुटिसुधार किया जा सकेगा। नियत अवधि में त्रुटिसुधार नहीं करने पर कोई पश्चातवर्ती अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए नस्तीबद्ध किया जाएगा। **अनारक्षित श्रेणी हेतु शुल्क रु. 500 तथा आरक्षित श्रेणी हेतु रु. 250 निर्धारित है। अतः आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी के रूप में भरे गए आवेदन को त्रुटिसुधार द्वारा अनारक्षित श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि रु. 250 त्रुटिसुधार शुल्क के अतिरिक्त देय होगा, किन्तु अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी के रूप में भरे गए आवेदन को त्रुटिसुधार द्वारा आरक्षित श्रेणी का करने की स्थिति में शुल्क अंतर की राशि वापस नहीं की जाएगी।**

   ऑनलाइन आवेदन पत्रों में भरी गयी श्रेणी/वर्ग (अनारक्षित/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग)/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/लिंग (महिला/पुरुष)/शासकीय सेवक) आदि के आधार पर ही परिणाम घोषित किया जाता है। अतः त्रुटिसुधार अवधि समाप्त होने के बाद श्रेणी/वर्ग परिवर्तन विषयक कोई पश्चातवर्ती अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए नस्तीबद्ध किया जाएगा।

9. अभ्यर्थी यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा आवेदन पत्र में दर्ज किए हस्ताक्षर ही, साक्षात्कार की उपस्थिति सूची, तथा आयोग के समस्त पत्र व्यवहार में करें। **विभिन्न अभिलेखों के हस्ताक्षरों में समानता न होने पर अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता निरस्त की जा सकेगी।**

2. परीक्षा तथा आवेदन शुल्क

मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु	शेष सभी श्रेणी तथा मध्यप्रदेश के बाहर के निवासी अभ्यर्थियों हेतु
रु. 250/-	रु. 500/-

सभी श्रेणी के आवेदकों को उपरोक्त शुल्क के अतिरिक्त पोर्टल शुल्क रु. 40/- (सेवाकर सहित) अतिरिक्त देय होगा।

आवेदन एवं परीक्षा शुल्क एवं पोर्टल के शुल्क के अतिरिक्त किसी भी रूप में अन्य कोई राशि का भुगतान नहीं करना है। यदि कियोस्क धारक द्वारा अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है तो एम.पी. ऑनलाइन के निम्न दूरभाष नंबर पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

हेल्पलाइन :- 0755-6720200

केवल विज्ञापन निरस्त होने की स्थिति में अभ्यर्थियों को आवेदन एवं परीक्षा शुल्क ऑनलाइन पद्धति से वापस किया जाएगा, किन्तु पोर्टल शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा।

3. ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि

   (अ) ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 04.11.2021 है। अंतिम तिथि को रात्रि 12:00 बजे के बाद आवेदन पत्र जमा करने की सुविधा बंद कर दी जाएगी।

4. **अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन पत्र के साथ कोई अभिलेख अपलोड नहीं करने हैं किन्तु साक्षात्कार के पूर्व आयोग को प्रेषित किए जाने वाले अनुप्रमाणन फार्म, उपस्थिति पत्रक, व्यक्तिगत विवरण पत्रक तथा आवेदन पत्र की स्वप्रमाणित प्रति के साथ निम्नांकित प्रमाण पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियां आवश्यक रूप से संलग्न करें :-**

आयु संबंधी प्रमाण के लिए :- केवल हाईस्कूल/हायर सेकेन्डरी अथवा मेट्रीक्यूलेशन की अंकसूची/प्रमाण-पत्र जिसमें जन्म तिथि का स्पष्ट उल्लेख हो।

शैक्षणिक अर्हताओं के प्रमाण पत्र :- हाईस्कूल/हायर सेकेन्डरी तथा उसके बाद की अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता सहित उन समस्त परीक्षाओं की जिन्हें अभ्यर्थी ने उत्तीर्ण किया है के समस्त वर्षों/सेमेस्टर्स की अंक सूचियां।

शासकीय सेवक होने का प्रमाण-पत्र :- यह प्रमाण-पत्र नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा जारी किया होना चाहिए। इस प्रमाण-पत्र में धारित पद तथा विभाग का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए।

जाति के प्रमाण-पत्र :- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग का स्थायी जाति प्रमाण-पत्र अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जो की मध्यप्रदेश शासन द्वारा जाति प्रमाण-पत्र देने के अधिकृत हैं द्वारा जारी किया गया हो आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें। साक्षात्कार के समय स्थायी जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। यदि अभ्यर्थी साक्षात्कार के समय स्थायी जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करता है तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी जिसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होगा। इस संदर्भ में अभ्यर्थी का कोई वचन-पत्र अथवा अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए उसे नस्तीबद्ध किया जाएगा एवं आयोग इस संदर्भ में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा। विवाहित महिलाओं का उनके नाम के साथ पिता का नाम उल्लेखित जाति प्रमाण-पत्र ही मान्य किया जाएगा। विवाहित महिलाएं विवाहोपरांत नाम/उपनाम परिवर्तन का शपथ पत्र संलग्न करें।अन्य किसी राज्य में जारी किया गया प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होगा।

अन्य पिछड़ा वर्ग में क्रीमीलेयर में न आने का प्रमाणन भी आवश्यक है। अर्थात् अन्य पिछड़ा वर्ग के जिन प्रमाण-पत्रों में क्रीमीलेयर में न आने संबंधी कंडिका कटी होगी या नहीं होगी वे मान्य नहीं होंगे। इस संदर्भ में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को निम्नानुसार घोषणा-पत्र प्रस्तुत करना होगा :-

घोषणा-पत्र (Declaration) का प्रारूप

मैं ..... के विज्ञापन क्रमांक 06/2021, दिनांक 20.09.2021 के अंतर्गत आवेदन पत्र आयोग को प्रस्तुत कर रहा/रही हूँ। मैं निम्नानुसार घोषणा करता/करती हूँ।

1. मैं ..... पिता श्री ..... निवासी ग्राम/कस्बा/शहर/ ..... जिला ....., मध्यप्रदेश का/की मूल निवासी हूं। मैं ..... जाति का/की सदस्य हूं जो शासन द्वारा मध्यप्रदेश हेतु अन्य पिछड़ा वर्ग के रूप में मान्य है।
2. मैं यह भी घोषित करता/करती हूँ कि मैं शासन के नवीनतम परिपत्रों द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार क्रीमीलेयर में नहीं आता/आती हूँ।

हस्ताक्षर .....
नाम .....
रोल नंबर .....

(उक्त घोषणा-पत्र तथा जाति प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित प्रति केवल साक्षात्कार के पूर्व प्रस्तुत किए जाने वाले अनुप्रमाणन-पत्र के साथ संलग्न करें)

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु :- सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र।

शासकीय सेवकों हेतु :- नियोक्ता अधिकारी/सक्षम अधिकारी का प्रमाण-पत्र।

परिशिष्ट -1 की कंडिका-(दो-1) के अधीन उच्चतम आयु सीमा में छूट हेतु शासन द्वारा प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाण-पत्र।

परिशिष्ट -1 की कंडिका-(दो-2) के अंतर्गत उच्चतम आयु सीमा में छूट हेतु विक्रम पुरस्कार प्राप्त होने का प्रमाण-पत्र।

5. जो अभ्यर्थी पहले से सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहा हो या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हो, जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त कर्मचारी अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन कार्यरत हों, उनको यह अभिवचन (Undertaking) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस विज्ञापन के संदर्भ में आवेदन किया है। अभ्यर्थियों को यह ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने अथवा परीक्षा/साक्षात्कार में शामिल होने के संदर्भ में अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत कर उनकी अभ्यर्थिता रद्द कर दी जाएगी।

6. **अनुशासनिक निर्देश :-**

यदि आयोग का यह समाधान हो जाता है कि कोई अभ्यर्थी निम्नलिखित में से किसी के लिए दोषी है :-

01 जिसने अपनी उम्मीदवारी के लिए साक्षात्कार में किसी भी तरीके से समर्थन अभिप्राप्त किया हो; या
02 प्रतिरूपण किया हो; या
03 किसी व्यक्ति से प्रतिरूपण कराया हो; या
04 कूटरचित अभिलेख या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किए हों जिनमें फेरबदल किया गया हो; या
05 ऐसे कथन दिए हों जो गलत और झूठे हों या जिसने चयन के किसी भी प्रक्रम पर सारभूत

जानकारी छुपाई हो; या

06 परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए कोई अन्य अनियमित या अनुचित साधन अपनाया हो; या

07 परीक्षा कक्ष में अनुचित साधनों का उपयोग किया हो या करने का प्रयास किया हो; या

08 परीक्षा संचालन में लगे कर्मचारियों को परेशान किया हो या धमकाया हों या शारीरिक छति पहुंचाई हो; या

09 उनके द्वारा प्रवेश पत्र में अभ्यर्थियों के लिए दिए गए किसी भी अनुदेशों या निर्देशों जिसमे परीक्षा संचालन में लगे केंद्र पर्यवेक्षक या अन्य कर्मचारी द्वारा मौखिक रूप से दिए गए अनुदेश सम्मिलित है, अतिक्रमण किया हो; या

10 परीक्षा कक्ष में या साक्षात्कार में किसी अन्य तरीके से किया गया दुर्व्यवहार,

तब आयोग द्वारा :-

(क) उसे उस परीक्षा के लिए जिसके लिए वह उम्मीदवार है, निरर्ह ठहरा सकेगा
और/या
उसे या तो स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी परीक्षा से या उनके द्वारा किए जाने वाले किसी चयन से विवर्जित कर सकेगा।

(ख) यदि वह शासन के अधीन पहले से ही सेवा में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसपर अनुशासनिक कार्यवाही हेतु पैतृक विभाग को अनुशंसा की जाएगी।

(ग) इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी के विरुद्ध आपराधिक अभियोजन भी दर्ज किया जा सकेगा।

एवं तब शासन द्वारा :-

उसे या तो स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए उसके अधीन नियोजन से विवर्जित किया जा सकेगा।

7. **अनर्हताएं :-** ऐसे अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी निरस्त की जाएगी जिन्हें किसी परीक्षा अथवा चयन से उपरोक्त दर्शित प्रावधानों के तहत विवर्जित किया गया है।

8. **परीक्षा की पश्चातवर्ती प्रक्रिया के संदर्भ में आवश्यक निर्देश :-**

01 परीक्षा का परिणाम केवल आयोग की वेवसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** पर प्रकाशित किया जाएगा। अभ्यर्थियों को उनके परिणाम की सूचना अन्य किसी भी रीति से नहीं दी जाएगी तथा न ही इस संदर्भ में कोई अभ्यावेदन मान्य किया जाएगा।

02 परीक्षा परिणाम के साथ ही साक्षात्कार के संदर्भ में समस्त आवश्यक सूचनाएं प्रकाशित की जाएंगी। अतः सफल अभ्यर्थी उनके परीक्षा परिणाम के साथ ही साक्षात्कार से संबन्धित समस्त सूचनाओं का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर उसमें प्रदत्त अनुदेशों के अनुरूप आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.nic.in** तथा **www.mppsc.com** पर उपलब्ध कराए गए अनुप्रमाणन फार्म, व्यक्तिगत विवरण पत्रक तथा उपस्थिति पत्रक डाउनलोड करके आवश्यक पूर्तियों के पश्चात एवं सभी आवश्यक अभिलेख संलग्न कर, परीक्षा परिणाम में उल्लेखित साक्षात्कार हेतु अभिलेख जमा करने हेतु निर्धारित अंतिम तिथि तक जमा करें। अपने ऑनलाइन आवेदन की स्वप्रमाणित प्रति भी उक्त अभिलेखों के साथ अवश्य संलग्न करें।

03 साक्षात्कार हेतु अभिलेख जमा करने की अंतिम तिथि तक अभिलेख जमा न करने पर अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता स्वयंमेव समाप्त हो जाएगी तथा आयोग द्वारा इस संदर्भ में अभ्यर्थी को पृथक् से कोई सूचना नहीं दी जाएगी तथा इस संदर्भ में प्राप्त अभ्यावेदनों को बिना विचार किए नस्तीबद्ध किया जाएगा।

9. **यात्रा व्यय का भुगतान :-**

(अ) मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (नान क्रीमी लेयर) श्रेणी के ऐसे अभ्यर्थी जो कहीं सेवारत न हों को ऑनलाइन परीक्षा तथा साक्षात्कार हेतु मध्यप्रदेश शासन के प्रचलित नियमों के अधीन यात्रा व्यय की पात्रता होगी।

(ब) उक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों को उनके द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लिखित वर्तमान निवास के पते के शहर/ग्राम से उन्हें आवंटित परीक्षा शहर तक आने तथा जाने के यात्रा व्यय का भुगतान किया जाएगा।

(स) उक्त श्रेणी के अभ्यर्थियों को इसके लिए केंद्राध्यक्ष द्वारा आयोग द्वारा निर्धारित घोषणा-पत्र प्रदान किया जाएगा जिसे भरकर अभ्यर्थियों को यात्रा व्यय की पात्रता से संबन्धित निम्नांकित अभिलेखों के साथ केंद्राध्यक्ष को प्रस्तुत करना होगा :-

1. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (नान क्रीमीलेयर) के प्रमाणन हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित प्रति।
2. यात्रा का टिकट जिसमें यात्रा की तिथि, कहां से कहां तक यात्रा की गयी तथा किराये की राशि का स्पष्टतः उल्लेख हो।

(द) अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत अभिलेखों के परीक्षण के बाद यात्रा व्यय का भुगतान ऑनलाइन पद्धति से अभ्यर्थी के खाते में किया जाएगा। इस हेतु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (नान क्रीमीलेयर) श्रेणी के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र में विहित स्थान पर अपने बैंक का नाम, खाता क्रमांक तथा बैंक के IFSCCode का उल्लेख करना एवं साथ ही अपने बैंक पासबुक के प्रथम पृष्ठ की पठनीय स्केन प्रति आवेदन पत्र के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक विवरण में कोई त्रुटि/विसंगति होने के कारण भुगतान निरस्त होने की दशा में आयोग उत्तरदायी नहीं होगा तथा इस संबंध मे प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

(इ) साक्षात्कार हेतु उपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को यात्रा व्यय उपरोक्त नियमानुसार आयोग कार्यालय द्वारा किया जाएगा।

परिशिष्ट-तीन

आप्टिकल स्कैनर द्वारा पढ़ी जाने वाली ओ.एम.आर. शीट के उपयोग संबंधी निर्देश तथा अन्य अनुदेश

टीप - ओ.एम.आर. शीट का मूल्यांकन आप्टिकल स्कैनर/कम्प्यूटर द्वारा किया जावेगा अतः ओ.एम.आर. शीट का उपयोग नीचे बताई गई बातों पर आवश्यक ध्यान रखते हुए अत्यन्त सावधानी पूर्वक करें।

1. आप अपने साथ परीक्षा कक्ष में कम से कम दो काले बाल पाईन्ट पेन अवश्य लाएं।
2. गोले भरने के लिए केवल काला बाल पाईन्ट पेन का ही उपयोग करें। गोलों को पूरी तरह गहरा काला करें, अधूरा अस्पष्ट या हल्का काला करने पर ओ.एम.आर. शीट स्कैनर द्वारा नहीं जांची जा सकेगी।
3. ओ.एम.आर. शीट पर किसी प्रकार का रफकार्य न किया जाए। इस कार्य के लिए प्रश्नपत्र पर अलग से स्थान निर्धारित है, उस स्थान का ही उपयोग करें।
4. ओ.एम.आर. शीट अत्यन्त सावधानीपूर्वक रखें। उसे किसी तरह से मोड़ा या काटा न जाए और किसी प्रकार से गंदी न की जाए अन्यथा कम्प्यूटर/आप्टिकल स्कैनर उसे रद्द कर देगा।
5. उत्तर देना प्रारंभ करने के पहले सुनिश्चित कर लें कि ओ.एम.आर. शीट पर सभी प्रविष्टियाँ सही रूप से की गई हैं। अभ्यर्थी द्वारा उसे प्रदत्त प्रश्नपत्र सेट ए.बी.सी.डी. अंकन न करने पर OMR का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
6. आपको प्रत्येक प्रश्न क्रमांक के सामने का केवल एक ही गोला काला करना है। एक से अधिक गोले को काला करने पर या गोलों को हल्का, अस्पष्ट या अधूरा काला करने पर या किसी अन्य पेन्सिल या स्याही से काला करने पर किसी अन्य तरीके से कोई निशान जैसे (✓) या (×) लगाने पर ओ.एम.आर. शीट कम्प्यूटर/आप्टिकल स्कैनर द्वारा नहीं पढ़ी जायेगी।

7. **ओ.एम.आर. शीट पर उत्तर अंकन के लिये - सामान्य निर्देश -**

(अ) प्रश्नों के उत्तर ओ.एम.आर. शीट पर यथास्थान उत्तर अंकित करने के अनुदेश दिए हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें। प्रश्नों के उत्तर देने के लिए ओ.एम.आर. शीट पर आवश्यक संख्या लिखी है। प्रत्येक प्रश्न क्रमांक के नीचे/सामने क्रमशः 4 गोले ए.बी.सी.डी. बने हैं। प्रश्नपत्र में प्रत्येक प्रश्न के 4 वैकल्पिक उत्तर ए.बी.सी.डी. दिए हैं। इनमें से, सही उत्तर चुनकर संबंधित प्रश्न क्रमांक के नीचे/सामने बने गोलों में से केवल एक गोला काले बाल पाईन्ट पेन से गहरा काला करें।
OMR Sheet में उत्तर अंकित कर उसे काटने/मिटाने/वाईटनर लगाने से उक्त/प्रश्न का मूल्यांकन नहीं किया जा सकेगा।

(ब) ओ.एम.आर. शीट के सामने के पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक, परीक्षा तिथि, प्रश्नपत्र कोड आदि भरने के लिये बने खानों में प्रविष्टि के लिये काले बाल पेन का उपयोग करें। प्रश्न पत्र A, B, C, D set में से कोई एक ही सेट दिया जायेगा। अपने सेट का कोड क्रमांक सावधानी से नियत स्थान पर भरें एवं सेट के गोले को काले पेन से काला करें।

(स) हस्ताक्षर - ओ.एम.आर. शीट पर निर्धारित स्थान पर बाल पेन से हस्ताक्षर करें।

(द) ओ.एम.आर. शीट के पीछे के पृष्ठ पर अनुक्रमांक, प्रश्नपत्र कोड के कॉलम के गोलों में प्रविष्टि करने के लिये काला बाल पाईन्ट पेन का उपयोग कर संबंधित क्रमांक के गोले को काला करें। अभ्यर्थी उसे आवंटित प्रश्न पत्र के सेट कोड ध्यान से देखें तथा सेट की जानकारी सुनिश्चित होने के पश्चात ही प्रश्न पत्र के सेट कोड के गोले को अत्यंत सावधानी से काला करें। इसी काले किए गए कोड (ABCD के गोले) के आधार पर ही उत्तरशीट का मूल्यांकन किया जायेगा। सेट कोड गलत भरने पर त्रुटिसुधार नहीं होगा। मूल्यांकन अभ्यर्थी द्वारा भरे गये सेट कोड की उत्तर कुंजी के आधार पर होगा जिसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होगा।

8. **रोल नम्बर की प्रविष्टि (चित्र एक)**

रोल नम्बर के खाने में बायें से दायें 1 से 6 तक स्तम्भ है। पहला स्तम्भ का लाख का, दूसरा स्तम्भ दस हजार का, तीसरा स्तम्भ हजार का, चौथा स्तम्भ सैकड़े का, पांचवा स्तम्भ दहाई का एवं छटा स्तम्भ इकाई का है। इनके नीचे 0 से 9 अंक लिखे हुए गोले हैं। इन्हीं में आपको अपने रोल नम्बर भरना है। उदाहरणार्थ यदि आपका रोल नं. 684021 है तो आप पहले ऊपर की लाईन में चौकोर खानों में दर्शाये अनुसार रोल नम्बर काला बाल पाईन्ट पेन से लिखें तत्पश्चात पहले स्तम्भ के गोले क्रमांक 6, दूसरे स्तम्भ के गोले क्रमांक 8, तीसरे स्तम्भ के गोले क्रमांक 4, चौथे स्तम्भ के गोले क्रमांक 0, पांचवे स्तम्भ के गोले क्रमांक 2 तथा छठे स्तम्भ के गोले क्रमांक 1 को काला बाल पाईन्ट से गहरा काला करें।

चित्र 1 रोल नं.

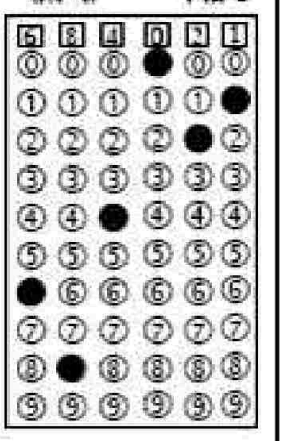

अनुक्रमांक के गोले न भरने पर या गलत भरने पर OMR का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। अंकों में तथा गोले भरने में भिन्नता होने पर भी ओ.एम.आर शीट का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षार्थियों हेतु निर्देश एवं अनुदेश

निम्नलिखित निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ने के उपरांत ही परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हों। निर्देशों एवं अनुदेशों का पालन न करने पर परीक्षार्थी आयोग द्वारा निर्धारित दंड का भागी होगा।

एक - प्रवेश

01 परीक्षा में परीक्षार्थी को दिया गया प्रवेश नितांत प्रावधिक है।

02 परीक्षा नियत समय पर प्रारंभ होगी। केन्द्राध्यक्ष की घड़ी का समय ही प्रामाणिक मानकर परीक्षा संचालन किया जायेगा। परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् आने पर परीक्षार्थी को परीक्षा कक्ष में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

03 परीक्षार्थी परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश-पत्र तथा मान्य फोटो युक्त परिचय-पत्र आवश्यपक रूप से अपने साथ रखें।

04 परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थी की जांच की जाएगी। परीक्षार्थी अपने साथ केवल दो काले बाल पाईन्ट पेन, प्रवेश पत्र एवं मान्य फोटो युक्त पहचान पत्र अनिवार्य रूप से साथ लेकर आयें। इसके अतिरिक्त मोबाइल, केलक्युलेटर, पेजर एवं किसी भी प्रकार का कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि परीक्षा कक्ष में ले जाने की अनुमति नहीं है।

दो - निर्गमन

01 सामान्यतः परीक्षार्थी को परीक्षा की अवधि में परीक्षा कक्ष से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जावेगी। वीक्षक से विशेष अनुमति लेकर उनकी निगरानी में ही बाहर जाया जा सकेगा।

02 किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् एक घंटे तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं दी जायेगी। भले ही उसने प्रश्नपत्र हल कर लिया हो।

03 प्रश्नपत्र हल करने के पश्चात् केन्द्राध्यक्ष/वीक्षक द्वारा ओ.एम.आर. शीट एकत्रित किये जाने के उपरांत वीक्षक की अनुमति से ही परीक्षार्थी परीक्षा भवन छोड़ेगा। ओ.एम.आर. शीट सहित कक्ष से बाहर जाने पर अभ्यर्थी के विरुद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज कराया जाएगा।

04 निर्धारित समय समाप्त होने के उपरांत किसी भी परीक्षार्थी को अतिरिक्त समय प्रदान नहीं किया जायेगा(केवल दृष्टिबाधित तथा ऐसे अस्थिबाधित जो दोनों ही हाथों से लिखने में असमर्थ हैं तथा जिन्होंने सहलेखक की सुविधा ली है, ऐसे आवेदकों को प्रारम्भिक तथा मुख्य परीक्षा में 20 मिनिट प्रति घण्टा अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
निर्धारित समय के उपरांत कोई भी परीक्षार्थी न तो लिखे उत्तरों में कोई संशोधन करेगा और न ही शेष रहे प्रश्नों के उत्तर लिखने का प्रयास करेगा।

तीन - नाम और अनुक्रमांक

ओ.एम.आर. शीट पर परीक्षार्थी केवल निर्धारित स्थान पर ही अपना नाम और अनुक्रमांक लिखें। ओ.एम.आर. शीट के अन्य किसी भी भाग पर न तो अनुक्रमांक, न अपना नाम और ना ही पता अंकित करें। ओ.एम.आर. शीट के साथ अन्य कोई सामग्री संलग्न करना वर्जित है। ओ.एम.आर. शीट में (आपको दिये गये A, B, C, D प्रश्न पत्र सेट में से कोई एक सेट मिलेगा) प्रश्नपत्र का सेट अवश्य लिखें एवं सेट के गोले को काले पेन से काला करें। आपके द्वारा प्रश्नपत्र सेट के गोले को काला करने पर ही उक्त सेट की उत्तर कुंजी से ही ओ.एम.आर. शीट मूल्यांकन होगा। जैसा चित्र में सेट- B को काला किया है।

चित्र- चार

A	○
B	●
C	○
D	○

(शेष अगले पृष्ठ पर)

प्री. एग्रीकल्चर टेस्ट (PAT) – 2021 के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं:

आवेदन पत्र भरने की तिथि
12 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2021 तक

आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि
12 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2021 तक

ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी

परीक्षा दिनांक एवं दिन	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिये रिपोर्टिंग समय	महत्वपूर्ण निर्देश पढ़ने का समय	उत्तर अंकित का समय
05 से 07 दिसम्बर 2021 रविवार, सोमवार, मंगलवार	प्रथम	प्रातः 7:00 से 08:00 बजे तक	प्रातः 08:00 से 08:30 बजे तक (10 मिनिट)	प्रातः 09:00 से 12:00 बजे तक (03 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 12:00 से 1:00 बजे तक	दोपहर 01:00 से 02:00 बजे तक (10 मिनिट)	दोपहर 02:00 से 05:00 बजे तक (03 घंटे)

परीक्षा शहर : भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सतना, सागर, खंडवा, मंदसौर,

आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश:

1. वेबसाइट www.peb.mponline.gov.in के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है
2. परीक्षा शुल्क

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रु. 500/-
अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग /ति.जा.जन.जा. अभ्यर्थियों के लिए (केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिए)	रु. 250/-
ऑनलाइन आवेदन -कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रु. 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड मिडिएटर शुल्क के माध्यम से नागरिक कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रु. 20/-

विशेष निर्देश :

1. विस्तृत आरक्षण नियम, सीटों का विस्तृत विवरण, आयु संबंधी प्रावधान, शैक्षणिक अर्हता, पाठ्यक्रम तथा परीक्षाओं से सम्बंधित समस्त विवरण परीक्षा की नियम पुस्तिका में बोर्ड की वेबसाइट www.peb.mp.gov.in पर दिनांक 29 सितम्बर 2021 से उपलब्ध रहेंगे।
2. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (verify) होने पर ही ई-आधार पहचान पत्र के रूप में मान्य होगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में निर्धारित मूल परिचय पत्र के साथ साथ अपना आधार कार्ड (ई –आधार / आधार नंबर की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान आधार इनेबल्ड बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है अतः जिन अभ्यर्थियों ने अपना आधार नंबर लॉक करवाया है, कृपया वे अभ्यर्थी परीक्षा के पूर्व दिवस आधार नंबर को अन-लॉक करवाना सुनिश्चित कर लें।
5. परीक्षार्थी को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थी को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जैसा मोबाइल फोन, केलकुलेटर, वॉच टेबलस एवं नकल सम्बंधी अन्य उपकरण वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन–पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश–पत्र प्राप्त कर सकते है अतः आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हाल में प्रवेश हेतु मंडल की वेबसाइट से डाउनलोड किए प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण पी.ई.बी. द्वारा नहीं किया जाता है। अतः कंप्यूटर आधारित Online परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibity) पूर्णतः प्रावधिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट : बोर्ड अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली /शहरों /केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

विज्ञापन क्र. 09 / 2021
Madhyam/102103/2021

संचालक

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड

"व्यापम भवन" मेन रोड नं 1 निशात पार्क (ईस्ट) भोपाल 462011 फोन नं:- +91-755-2578801-02,Fax:- +91-755-2550498

R-46015/2021

पशुपालन डिप्लोमा प्रवेश परीक्षा (DAHET) – 2021 के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं:

आवेदन भरने की तिथि
03 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2021 तक

आवेदन संशोधन करने की तिथि
06 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2021 तक

ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी

परीक्षा दिनांक एवं दिन	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिये रिपोर्टिंग समय	महत्वपूर्ण निर्देश पढ़ने का समय	उत्तर अंकित का समय
28 नवम्बर 2021 रविवार	प्रथम	प्रातः 7:00 से 08:00 बजे तक	प्रातः 08:00 से 08:30 बजे तक (10 मिनिट)	प्रातः 09:00 से 11:00 बजे तक (02 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 1:00 से 2:00 बजे तक	दोपहर 02:00 से 02:30 बजे तक (10 मिनिट)	दोपहर 03:00 से 05:00 बजे तक (02 घंटे)

परीक्षा शहर : भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर

आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश:

1. वेबसाईट www.peb.mponline.gov.in के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है
2. परीक्षा शुल्क

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रु 400/-
अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग /ति.जा.जन.जा. अभ्यर्थियों के लिए (केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिए)	रु 200/-
ऑनलाइन आवेदन -कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रु 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड मिडिएटर शुल्क के माध्यम से नागरिक कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रु 20/-

विशेष निर्देश :

1. विस्तृत आरक्षण नियम, सीटों का विस्तृत विवरण, आयु संबंधी प्रावधान, शैक्षणिक अर्हता, पाठ्यक्रम तथा परीक्षाओं से सम्बंधित समस्त विवरण परीक्षा की नियम पुस्तिका में बोर्ड की वेबसाइट www.peb.mp.gov.in पर दिनांक 28 सितम्बर 2021 से उपलब्ध रहेंगे।
2. अभ्यर्थी को मध्य प्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है।
3. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है। यू.आई.डी.ए.आई (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (verify) होने पर ही ई-आधार पहचान पत्र के रूप में मान्य होगा।
4. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में निर्धारित मूल परिचय पत्र के साथ साथ अपना आधार कार्ड (ई –आधार / आधार नंबर की जानकारी लाना अनिवार्य है।
5. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान आधार इनेबल्ड बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है अतः जिन अभ्यर्थियों ने अपना आधार नंबर लॉक करवाया है, कृपया वे अभ्यर्थी परीक्षा के पूर्व दिवस आधार नंबर को अन-लॉक करवाना सुनिश्चित कर लें।
6. परीक्षार्थी को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थी को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
7. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जैसा मोबाईल फोन, केलकुलेटर, वॉच टेबलस एवं नकल सम्बंधी अन्य उपकरण वर्जित है।
8. ऑन लाइन आवेदन –पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश –पत्र प्राप्त कर सकते है अतः आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी ।
9. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हाल में प्रवेश हेतु मंडल की वेबसाइट से डाउनलोड किए प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
10. आवेदन –पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण पी.ई.बी. द्वारा नहीं किया जाता है। अतः कंप्यूटर आधारित Online परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibity) पूर्णतः प्रावधिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट : बोर्ड अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली /शहरों /केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

एड. व्यापम/102089/2021

विज्ञापन क्र. 08 / 2021

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड

"व्यापम भवन" मेन रोड नं 1 निशात पार्क (ईस्ट) भोपाल 462011 फोन नं:- +91-755-2578801-02,Fax:- +91-755-2550498

R-46013/2021

(पिछले पृष्ठ का शेष)

चार - अनुचित साधन

परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व सुनिश्चित करें कि उनकी सीट के निकट, उनके पास कम्पास, स्केल या पॉकेट में कोई अवांछित सामग्री, कोई पुस्तक या अनावश्यक कागज Electronic Gadget इत्यादि जो परीक्षा में प्रश्नपत्र हल करने में सहायक हो, न हों। परीक्षार्थी अनुचित साधन के प्रयोग से बचें। परीक्षा कक्ष में अनुचित साधनों का प्रयोग सर्वथा वर्जित व दण्डनीय है। परीक्षा भवन में अपने साथ कोई भी लिखित या कोरा कागज, पुस्तक, वस्तु, टीप विशेषकर मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा अन्य वर्जित वस्तुएं आदि लाना अनुचित साधनों के प्रयोग में सम्मिलित माना जायेगा। इसी प्रकार परीक्षा कक्ष में अन्य परीक्षार्थी से चर्चा करना, उसकी ओ.एम.आर. शीट से नकल करना अथवा अपनी शीट से अन्य परीक्षार्थी को नकल करवाना, किसी अन्य परीक्षार्थी से ओ.एम.आर. शीट बदलना, परीक्षा भवन में जोर-जोर से बोलना, किसी भी प्रकार की सांकेतिक भाषा अथवा किसी प्रकार से अन्य परीक्षार्थी को किसी प्रश्न का उत्तर बताना अथवा किसी अन्य परीक्षार्थी से किसी प्रश्न का उत्तर प्राप्त करने का कोई प्रयास करना या किसी कागज पर प्रश्न पत्र की नकल करना भी अनुचित साधनों के प्रयोग के अन्तर्गत माना जायेगा। परीक्षा भवन में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर परीक्षार्थी द्वारा दी गई परीक्षा को निरस्त किया जा सकेगा, उसे परीक्षा से निष्कासित किया जा सकेगा तथा साथ ही उसे आगामी ऐसी अवधि के लिये जो आयोग उचित समझे आयोग की सभी परीक्षाओं, अन्य आयोगों की परीक्षा एवं साक्षात्कारों से वंचित किये जाने का दण्ड भी दिया जा सकेगा।

परीक्षा की गोपनीयता :- परीक्षा पूर्व /दौरान /पश्चात प्रश्न-पत्र की गोपनीयता के भंग होने की किसी भी गतिविधि में लिप्त पाये जाने वाले अभ्यर्थियों/व्यक्तियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया जा कर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

पांच - प्रश्न संबंधी शिकायत

प्रश्न से संबंधित किसी प्रकार की शिकायत होने पर परीक्षार्थी परीक्षा के प्रावधिक उत्तर कुंजी प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर निर्धारित शुल्क (100 रुपये प्रति प्रश्न तथा रुपये 40 प्रति त्रुटिसुधार सत्र पोर्टल चार्ज) जमा कर ऑनलाइन पद्धति से आपत्ति दर्ज करायें। परीक्षा के प्रावधिक उत्तर कुंजी प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर ऑनलाइन पद्धति से दर्ज शिकायतों पर ही विचार किया जायेगा। इसके पश्चात एवं अन्य किसी पद्धति से प्रस्तुत आवेदनों को नस्तीबद्ध किया जाएगा। जिन प्रश्नों पर अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत आपत्ति, विषय विशेषज्ञ समिति द्वारा सही पायी जाएगी उस प्रश्न हेतु दिया गया आपत्ति शुल्क आपत्तिकर्ता अभ्यर्थियों को ऑनलाइन पद्धति से वापस किया जाएगा। इस हेतु आपत्तिकर्ता अभ्यर्थियों को आपत्ति मॉड्यूल में उसके बैंक खाते की जानकारी प्रविष्ट करना अनिवार्य होगा।

छः - ओ.एम.आर. शीट का लौटाना -

परीक्षार्थी परीक्षा के उपरान्त ओ.एम.आर. शीट कक्ष के वीक्षक को ही सौपेंगे। परीक्षार्थी द्वारा किसी भी स्थिति में ओ.एम.आर. शीट परीक्षा कक्ष से बाहर ले जाना अथवा परीक्षा के उपरांत उसे वापस न दिया जाना गम्भीर अपराध माना जायेगा और इस हेतु उसके विरुद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही भी की जाएगी।

सात - ओ.एम.आर. शीट पर अनुक्रमांक अंकन व अन्य पूर्तियाँ

1. ओ.एम.आर. शीट पर नियत स्थान पर परीक्षार्थी अपना सही नाम और अनुक्रमांक शब्दों एवं अंकों में अंकित करें तथा परीक्षा का विषय कोड के सही गोले भरें। साथ ही प्रश्न पत्र सेट और भी अत्यंत सावधानी से भरें एवं सेट के गोले को काला करें।
2. ओ.एम.आर. शीट पर कोई दाग/चिन्ह न लगने पाए, इस बात की सतर्कता बरतें।

आठ - प्रश्नपत्र पर अंकन

परीक्षार्थी प्रश्नपत्र पर भी अनुक्रमांक लिखे तथा रफ कार्य प्रश्नपत्र में दिये गये पृष्ठ पर ही करें इसके अतिरिक्त प्रश्नपत्र पर कुछ भी लिखना, प्रश्नपत्र की नकल करना या उसकी प्रति बनाना निषिद्ध होकर अनुचित साधन प्रयोग के समान दण्डनीय है।

नौ - उपस्थिति पत्रक

प्रत्येक प्रश्नपत्र के समय परीक्षा कक्ष में वीक्षक के समक्ष परीक्षार्थी तिथि सहित अपने हस्ताक्षर करें। यह हस्ताक्षर नमूने के हस्ताक्षर के अनुरूप हों। हस्ताक्षर के नीचे अपना नाम भी लिखें।

दस - विविध

1. परीक्षार्थियों को किसी भी प्रश्नपत्र में ग्राफ पेपर या नक्शा/स्टेंन्सिल उपलब्ध नहीं कराया जायेगा और परीक्षार्थी स्वयं भी ग्राफ पेपर या नक्शा/स्टेंन्सिल परीक्षा भवन में नहीं लायेंगे।
2. परीक्षार्थियों को अपने साथ डिजीटल डायरी, वॉच, केल्क्यूलेटर, सेल्युलर फोन, पेजर तथा अन्य electronic gadgets लाना वर्जित है।

ग्यारह - परीक्षार्थी ओ.एम.आर. शीट एवं प्रश्नपत्रों पर दी गई समस्त सूचनाएं/निर्देश एवं अनुदेश ध्यानपूर्वक पढ़े व अनिवार्यता से उनका पालन करें।

बारह - अनुशासन व शालीनता

1. परीक्षा कक्ष में धूम्रपान करना /अशिष्ट, अनर्गल वार्तालाप करना पूर्णतः निषिद्ध व दण्डनीय है।
2. परीक्षा परिसर में एवं भवन के अन्दर वीक्षक व केन्द्राध्यक्ष द्वारा दिये जाने वाले निर्देशों का पालन अनिवार्य है।
3. परीक्षा भवन के फर्नीचर अथवा केन्द्र पर की गई अन्य व्यवस्था को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचाई जाना चाहिए। यह दण्डनीय है।
4. यदि परीक्षार्थी केन्द्राध्यक्ष द्वारा निर्देशों का पालन नहीं करता है अथवा अशिष्ट आचरण करता है अथवा अनुचित या अशोभनीय या अशालीन व्यवहार करता है तो वह परीक्षा से निष्कासित किया जा सकेगा। उसकी परीक्षा निरस्त की जा सकेगी तथा वह ऐसे अन्य दण्ड का भी भागी होगा, जो आयोग उचित समझे। केन्द्राध्यक्षों को निर्देश दिये गये हैं कि ऐसे परिक्षार्थियों के नाम गोपनीय ढंग से आयोग को सूचित किये जाएं। परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थी केन्द्राध्यक्ष के पूर्ण प्रशासकीय नियंत्रण में होगा।

जी-17356/46007/2021

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति
आयुक्त, तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास क्रमांक-टी2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

लेटरल एण्ट्री के माध्यम से बी.टेक./बी.फार्मेसी पाठ्यक्रमों के द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में अर्हकारी परीक्षा के आधार पर प्रवेश हेतु

(मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय एवं निजी संस्थान में संचालित)

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2021-22

प्रथम चरण
अर्हकारी परीक्षा के आधार पर

गतिविधियां	दिनांक/समय
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	28.09.2021 से 04.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration) ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के उपरान्त, ऑनलाइन सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, जो केवल एक बार के लिये ही रहेगी।	05.10.2021 से 06.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी	28.09.2021 से 07.10.2021 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता	08.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश।	11.10.2021 से 15.10.2021 सायं 5:00 बजे तक

द्वितीय चरण
अर्हकारी परीक्षा के आधार पर

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	12.10.2021 से 17.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration) ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के उपरान्त, ऑनलाइन सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, जो केवल एक बार के लिये ही रहेगी।	18.10.2021 से 19.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी	16.10.2021 से 21.10.2021 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता	22.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश।	24.10.2021 से 27.10.2021 सायं 5:00 बजे तक

संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये उपस्थित होना।
27.10.2021 से 30.10.2021 रात्रि 11:30 बजे तक	28.10.2021 से 30.10.2021 प्रातः 10:30 बजे से प्रति दिन, अंतिम दिन रात्रि 11:45 तक।

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी मार्गदर्शिका/काउंसलिंग प्रक्रिया, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- संस्था स्तर की काउंसलिंग के लिये निर्धारित तिथि पर संस्था में प्रातः 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक उपस्थित हुए अभ्यर्थियों की मेरिट तैयार कर, तद्उपरान्त मेरिट के अनुसार प्रवेश किये जायेंगे।
- काउंसलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक प्रवेश निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।

(कोविड-19 के कारण, सोशल डिस्टेंसिंग रखने के लिये, सहायता केन्द्रों पर किसी भी अभ्यर्थी को नहीं जाना है)

संपर्क : 0755-6720205, 2660441, ईमेल : dte.helpcenter@mp.gov.in

अध्यक्ष काउंसलिंग समिति एवं
आयुक्त, तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. माध्यम/102079/46012/2021

पन्ना को पर्यटन और रोज़गार से जोड़ा जायेगा

पन्ना, पन्ना जिला पवित्र और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण तथा अद्भुत है। इसे पर्यटन और रोज़गार से जोड़कर प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल किया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पन्ना के शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज के प्रांगण में जन-कल्याण और सुराज अभियान में जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सागर संभाग के जिलों को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में 119 करोड़ 83 लाख 66 हजार रुपये के 38 कार्यों की सौगात दी। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों के उन्नयन और विकास कार्यों का शिलान्यास, भूमि-पूजन और लोकार्पण किया।

श्री चौहान ने कहा कि पन्ना के लिए पूर्व में स्वीकृत कृषि महाविद्यालय प्रारंभ किया जायेगा। पन्ना टाइगर रिजर्व उद्यान के माध्यम से जिले के लोगों को रोज़गार के अवसर सुलभ कराये जायेंगे। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि पन्ना जिला अस्पताल के लिए सिटी स्केन मशीन का लोकार्पण हो रहा है। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में कोई कमी नहीं रहने दी जायेगी। जिला अस्पताल की क्षमता को 200 बिस्तर से बढ़ाकर 300 बिस्तर किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पन्ना में मंदिरों के गौरवशाली इतिहास को देखते हुए यहां 'टेम्पल वॉक' बनेगा, ताकि जो पर्यटक खजुराहो आयें वे पन्ना भी आकर मंदिरों के दर्शन कर सकें। इससे क्षेत्र में रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे। श्री चौहान ने कहा कि पन्ना जिले में हवाई पट्टी बनेगी। जिले के गांवों को होम-स्टे योजना में शामिल करने की भी मुख्यमंत्री ने घोषणा की। उन्होंने बताया कि हीरा के लिये प्रसिद्ध पन्ना जिले में डायमंड पार्क स्थापित करने की प्रक्रिया भी प्रारम्भ हो गयी है। श्री चौहान ने शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में व्यवसाय से जुड़े नये ट्रेड और इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि एक जिला-एक उत्पाद के तहत आंवला के लिये चयनित पन्ना में आंवला आधारित प्रसंस्करण केन्द्र स्थापित किया जायेगा। हनुमान भाटा-पवई रोड का कार्य भी शीघ्र होगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टर को निर्देश दिये कि जिले में जो 2 हजार व्यक्ति कोरोना वैक्सीनेशन से शेष रह गये हैं, उनको शीघ्र वैक्सीन लगायी जाए। यह भी निर्देश दिये कि कोई भी पात्र व्यक्ति आयुष्मान कार्ड से वंचित नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने संभागीय कमिश्नर और कलेक्टर से मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि की जानकारी लेकर सभी पात्र हितग्राहियों को इसमें शामिल करने को कहा। उन्होंने कहा कि गरीबों का राशन खाने वालों के हाथों में हथकड़ी पहनाई जायेगी। श्री चौहान ने जिले के आवासीय भूमि विहीन बंगाली समाज के 150 परिवारों को तत्काल भूमि के पट्टे दिलाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि किसी भी गरीब को आवासीय भूमि विहीन नहीं रहने दिया जायेगा। प्रत्येक गरीबों को रहने के लिये जमीन का पट्टा दिया जायेगा। जिनके पास पट्टे नहीं हैं उन्हें भूखण्ड दिये जायेंगे। ऐसे गरीब जिनके पास पट्टे हैं, उनके लिये चरणबद्ध तरीके से मकान बना कर दिये जायेंगे। प्रदेश में विभिन्न चरणों में सीएम राइज स्कूल खोले जायेंगे। पन्ना जिले में 3 चरण में 159 सीएम राइज स्कूल खुलेंगे। उन्होंने कहा कि पोषण आहार बनाने का काम ठेकेदारों से लेकर महिलाओं के स्व-सहायता समूहों को दिया जायेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि महिलाओं के स्व-सहायता समूहों को विद्यार्थियों के गणवेश सिलने का काम भी सौंपा जाए।

श्री चौहान ने कहा कि जिले में सिंचाई और पेयजल की योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करवाया जायेगा। अगले तीन साल में पाइप लाइन बिछा कर घर-घर पानी पहुंचाया जायेगा। यह सुनिश्चित किया जायेगा कि प्रतिदिन पेयजल प्रदाय हो।

मेयो ग्रुप ऑफ कॉलेज

सुल्तानिया रोड, स्टेट बैंक चौराहे के पास, भोपाल-462001
इन्द्र विहार कालोनी, एयरपोर्ट रोड, भोपाल-462032
Tel. No. 9425010770, 9425605962

म.प्र. पैरामेडिकल काउंसिल, म.प्र. मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, जबलपुर, इंडियन नर्सिंग काउंसिल, नई दिल्ली, म.प्र. नर्सिंग काउंसिल एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग म.प्र. से मान्यता प्राप्त

प्रवेश सत्र 2021-22

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि
1.	मास्टर ऑफ नर्सिंग (एम.एस.सी नर्सिंग)– योग्यता बी.एस.सी. नर्सिंग	2 वर्ष
2.	मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी (एम.पी.टी.) योग्यता बी.पी.टी.	2 वर्ष
3.	मास्टर ऑफ मेडिकल लेब टेक्निशियन (एम.एम.एल.टी.) योग्यता बी.एम.एल.टी.	2 वर्ष
4.	बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बी.पी.टी.) 6 माह इंटर्नशिप	4 वर्ष
5.	पोस्ट बेसिक बी.एस.सी नर्सिंग–योग्यता जी.एन.एम.	2 वर्ष
6.	डिप्लोमा इन मेडिकल लेब टेक्निशियन (डी.एम.एल.टी.)	2 वर्ष
7.	सर्टिफिकेट इन एक्स–रे रेडियोग्राफर टेक्निशियन	1 वर्ष
8.	ओ.टी. टेक्निशियन (ऑपरेशन थीएटर)	1 वर्ष
9.	एम.बी.ए.	2 वर्ष

क्रमांक 4 एवं 5 से लेकर क्रमांक 8 तक के लिए योग्यता 12वीं जीव विज्ञान विषय से। तथा क्र. 9 के लिए स्नातक किसी भी विषय से। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिये शासन अनुसार छात्रवृत्ति की सुविधा। छात्राओं के लिए उत्तम भोजन युक्त छात्रावास की विशेष सुविधा उपलब्ध है।

संचालक

R-46020/2021

CRISP ISO 9001:2015 दिशा बेरोज़गार युवाओं हेतु रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण

अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग की महिलाओं एवं आर्थिक रूप से कमजोर बेरोजगार युवाओं हेतु (दमोह, गुना, राजगढ़, खण्डवा, बड़वानी, सिंगरौली, छतरपुर के युवाओं को प्राथमिकता दी जायेगी)

- दो पहिया वाहनों की मरम्मत एवं रखरखाव (इं–स्कूटर)
- चार पहिया वाहनों की मरम्मत एवं रखरखाव (इं–व्हीकल)
- ट्रैक्टर की मरम्मत एवं रखरखाव
- मशीनिस्ट (सीएनसी ऑपरेटर)
- डाटा एन्ट्री ऑपरेटर
- इलेक्ट्रीशियन

उपरोक्त कार्यक्रमों हेतु न्यूनतम योग्यता 8वीं पास

सम्पर्क : 9425672561, 9893404034, 9425015218

प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 माह का है एवं भोपाल में आयोजित किया जायेगा। रहने एवं खाने की व्यवस्था संस्था द्वारा निःशुल्क की जायेगी। प्रशिक्षण उपरांत रोजगार प्राप्त करने में सहायता प्रदान की जायेगी। केवल वही प्रशिक्षणार्थी आवेदन करें जो रोजगार हेतु भारतवर्ष में कहीं भी जाने हेतु तैयार हों।

लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार हेतु दिनांक 4 से 7 अक्टूबर, 2021 के मध्य प्रातः 10 बजे से 3 बजे तक नीचे दिए गए पते पर उपस्थित हों।

सेन्टर फॉर रिसर्च एण्ड इण्डस्ट्रीयल स्टाफ परफॉरमेंस
श्यामला हिल्स,चनल भवन के सामने,भोपाल - 462002, फोन नं. 0755 - 2661677

अधिक जानकारी के लिये www.crispindia.com देखें एवं https://forms.gle/LBUrc5UrKy5mMHzc7 लिंक पर क्लिक कर रजिस्ट्रेशन करें।

R-46018/2021

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-03 भोपाल
Mobile : 9425601545, ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/574/पयं/तशा/2020 भोपाल, दिनांक : 01.10.2021

निविदा आमंत्रण सूचना

(24+72) बहुमंजिला आवास गृह गोल लाइन जहांगीराबाद भोपाल में 01 नग डीजल जनरेटर साईलेन्ट टाइप प्रदाय एवं स्थापित कार्य जिसकी अनुमानित लागत रु. 8.60 लाख के लिए निविदा क्रमांक-04/2021-22 (टेण्डर क्र.-162388) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 08.10.2021 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/102137/46017/2021 **परियोजना यंत्री**

CENTRE FOR AGRIBUSINESS INCUBATION AND ENTREPRENEURSHIP
Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya
Gwalior (M.P.) - 474002

No./IPRO/DES/CAIE/2020-21/1309 Dated : 24/09/2021

EMPLOYMENT NOTICE

RVSKVV invites applications to fill up the project based position of **Chief Executive Officer, Customer Care Manager/Accounts Officer/C.A., Mentors & Laboratory Technician** for Centre for Agribusiness Incubation and Entrepreneurship, RVSKVV, Gwalior (M.P.) on contract basis. Last date of receipt of application forms is **October 21, 2021.** For other details, please visit Website **www.rvskvv.net**

Director Extension Services

R-46019/2021

अफवाहों पर न दें ध्यान, कोरोना से बचने का टीका ही समाधान

पीथमपुर में डाबर इंडिया करेगा 570 करोड़ रुपये का निवेश

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से डाबर इंडिया के प्रतिनिधियों ने भेंट कर प्रदेश की देवारण्य योजना की सराहना की है। डाबर इंडिया के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर श्री मोहित मल्होत्रा ने कहा कि देवारण्य योजना आयुर्वेदिक और पर्सनल केयर प्रोडक्ट बनाने वाली इकाइयों के लिए उपयोगी है और स्थानीय स्तर पर आय संवर्धन के लिए सार्थक है। औद्योगिक निवेश के लिए सकारात्मक वातावरण और सुविधाओं को देखते हुए डाबर अन्य राज्यों की अपेक्षा मध्यप्रदेश में निवेश का इच्छुक है। धार के पीथमपुर में 19.62 हेक्टेयर में 570 करोड़ रुपये के निवेश की योजना है, जिससे लगभग 1200 से अधिक व्यक्तियों के लिए रोज़गार उपलब्ध हो सकेगा।

स्थापित होने वाली इकाई में खाद्य सामग्री, च्यवनप्राश सहित अन्य आयुर्वेदिक उत्पाद, पर्सनल केयर संबंधी प्रोडक्ट बनाए जायेंगे। इकाई की कुल उत्पादन क्षमता लगभग 75 हजार मीट्रिक टन प्रतिवर्ष होगी। डाबर इंडिया विश्व की सबसे बड़ी आयुर्वेदिक एवं प्राकृतिक स्वास्थ्य देखभाल वाली 136 वर्ष पुरानी कंपनी है। इसका टर्न ओवर लगभग 8 हजार 700 करोड़ रुपये है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदेश के जनजातीय लोगों के आयुष से संबंधित ज्ञान के आधार पर ग्रामीण क्षेत्र में औषधीय पौधों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए देवारण्य योजना क्रियान्वित की गई है।

इथेनॉल उत्पादन संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत

मुख्यमंत्री से वेकमेट इंडिया लिमिटेड के डायरेक्टर श्री मयंक अग्रवाल और राहुल अग्रवाल ने भी भेंट की। उन्होंने बीओपीटी/बीओपीपी फिल्म निर्माण की 900 करोड़ रुपये निवेश की योजना पर चर्चा की। इससे लगभग 800 व्यक्तियों के लिए रोज़गार उपलब्ध होगा। इसी क्रम में महाकौशल डिस्टलरी प्राइवेट लिमिटेड के श्री प्रदीप अग्रवाल और विकास मित्तल ने इथेनॉल उत्पादन संबंधी प्रस्ताव रखे।

जल जीवन मिशन

मध्यप्रदेश में 34 हजार ग्रामों में जल्द मिलेगा नल से जल

भोपाल, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत प्रदेश में जून 2020 से जल-प्रदाय योजनाओं के कार्य प्रारम्भ किए गये थे और अब तक 3349 ग्रामों के शत-प्रतिशत घरों में नल से जल पहुंचाया जा चुका है। समूची ग्रामीण आवादी को शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था किए जाने के लिए जल जीवन मिशन में राज्य सरकार के प्रयास तेजी से जारी हैं। मिशन में हो रहे कार्यों की प्रगति के अनुसार ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन से जल पहुंचाने के लिए 1896 ग्रामों की जल-प्रदाय योजनाओं में 90 से 100 प्रतिशत, 1695 ग्रामों में 80 से 90 प्रतिशत, 1482 ग्रामों में 70 से 80 प्रतिशत और 29019 ग्रामों की जल-प्रदाय योजनाओं में 70 प्रतिशत तक कार्य पूर्णता की ओर हैं। इस तरह समग्र रूप से प्रदेश के 34 हजार 092 ग्रामों में जल्द नल कनेक्शन से पेयजल उपलब्ध करवाया जा सकेगा।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा सागर संभाग में 754 जल प्रदाय योजनाओं का कार्य जारी है। प्रगतिरत इन जल प्रदाय योजनाओं की लागत 686 करोड़ 58 लाख 33 हजार रुपये है। सागर संभाग के अन्तर्गत सागर जिले में 396, टीकमगढ़ 135, छतरपुर 98, पन्ना 74 और दमोह में 51 जलसंरचनाओं में कार्य हो रहा है। इन जिलों के विभिन्न ग्रामों में पूर्व से निर्मित पेयजल अधोसंरचनाओं को नये सिरे से तैयार कर रेट्रोफिटिंग के अन्तर्गत भी कार्य किये जा रहे हैं। सागर संभाग के 209 ग्रामों के शत-प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन से जलापूर्ति की जा चुकी है। सागर संभाग के 3857 ग्रामों की जल प्रदाय योजनाओं के कार्य 70 से 90 प्रतिशत पूर्ण किए जा चुके हैं।

मध्यप्रदेश के नक्सल प्रभावित जिलों में 12 लाख श्रमिकों को रोज़गार

श्रमिकों को 802 करोड़ रुपये के पारिश्रमिक का भुगतान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में नक्सल प्रभावित राज्यों की बैठक में सम्मिलित हुये।

नई दिल्ली, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली में वामपंथी उग्रवाद पर समीक्षा बैठक में नक्सलवाद प्रभावित सभी राज्यों ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नियंत्रण और विकास के लिये किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2020-21 में नक्सल प्रभावित जिलों में 12 लाख श्रमिकों को रोज़गार प्रदान कर 802 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विगत 5 वर्ष में 375 करोड़ रुपये के अधोसंरचनात्मक निर्माण कार्य कराये गये हैं।

प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को निरंतरता

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बैठक में अवगत कराया कि प्रदेश के नक्सल प्रभावित जिलों में नक्सलवाद को नियंत्रित करने के लिये सशस्त्र कार्यवाही करने के साथ ही निरंतर विकासात्मक कार्य कराये जा रहे हैं। प्रभावित क्षेत्र में लोगों को वृहद स्तर पर मनरेगा अंतर्गत रोज़गार उपलब्ध कराया जा रहा है। मनरेगा के 12 लाख श्रमिकों को रोज़गार प्रदान करते हुए 2020-21 की एक वर्ष की अवधि में ही 802 करोड़ 57 लाख रुपये का भुगतान किया गया है। विगत 5 वर्ष की अवधि में राज्य ने अपने स्रोतों से 375 करोड़ रुपये व्यय कर 430 किलोमीटर सड़कें एवं 14 पुल निर्मित किये हैं। इसके अतिरिक्त मध्यप्रदेश रूरल कनेक्टिविटी योजना एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 72 करोड़ के व्यय से 1405 किलोमीटर की सड़कें नक्सल प्रभावित जिलों में बनाई गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में पूर्व में निरस्त वन अधिकार दावों पर पुनर्विचार करते हुए 34 हजार पट्टे जनजाति भाई-बहनों को दिए गए हैं।

जनजातियों के आर्थिक सशक्तिकरण के कार्य निरंतर

मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में जनजातियों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। अनुसूचित जनजाति ऋण विमुक्ति अधिनियम-2020 पारित किया है, जिससे अनुसूचित क्षेत्र में रहने वाले आदिवासियों को नियम विरुद्ध दिए गए ऋण अपने आप माफ हो गए हैं। राज्य में पेसा कानून को चरणबद्ध रूप से लागू करने का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। 'ग्राम न्यायालयों' को सशक्त करने की दिशा में राज्य के नियमों में संशोधन किया जाएगा। देवारण्य योजना के तहत अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में औषधियों के उत्पादन की तकनीक और उनके लिए बाजार लिंकेज उपलब्ध कराई जा रही है। वन विभाग के माध्यम से संचालित गतिविधियों से बालाघाट, मण्डला एवं डिंडोरी जिले में रोज़गार सृजित हुआ है।

प्रभावित क्षेत्रों में रोज़गार की उपलब्धता पर फोकस

श्री चौहान ने बताया कि बालाघाट, मण्डला, डिंडोरी जिलों में 23 हजार 113 महिला स्व-सहायता समूह बनाकर समूहों से 2 लाख 74 हजार परिवारों को जोड़ा गया है। ये समूह उन्नत खेती, पशुपालन उत्पादों के विपणन के साथ गैर कृषि क्षेत्र में भी कार्य कर रहे हैं। प्रदेश की उद्योग मित्र नीति के फलस्वरूप बालाघाट, मण्डला और डिंडोरी में रोज़गार मेलों तथा स्व-रोज़गार योजनाओं से एक अप्रैल, 2020 से अब तक 10 हजार 341 व्यक्तियों को रोज़गार मिला है। बालाघाट में 18 अगस्त, 2021 को आयोजित इन्वेस्टर मीट में 16 उद्योगपतियों ने 2800 करोड़ रुपये के निवेश पर सहमति जताई है। इससे क्षेत्र के चार हजार व्यक्तियों को रोज़गार उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही 54 एमएसएमई इकाइयों में लगभग 300 करोड़ रुपये के निवेश पर भी सहमति व्यक्त की गई।

मंडी कर्मचारियों के हित में उठायेंगे सभी आवश्यक कदम - कृषि मंत्री

भोपाल, मध्यप्रदेश की सभी मंडियों में कार्यरत कर्मचारियों के हित में फैसले लेने में कोई कमी नहीं रखेंगे। आवश्यकता हुई तो मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से भी अनुरोध कर कर्मचारी हितैषी निर्णय लिये जायेंगे। यह बात किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री-सह-अध्यक्ष मंडी बोर्ड श्री कमल पटेल ने मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के संचालक मंडल की 137वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने मंडी बोर्ड कर्मचारियों के आमेलन के लिये आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये।

श्री पटेल ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश की मंडियों में कार्यरत सभी कर्मचारियों को मंडी के कर्मचारी बनाने के लिये शीघ्र आमेलन करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हित में आमेलन के प्रस्ताव को वरिष्ठतम स्तर से भी पारित कराया जायेगा। श्री पटेल ने इसके लिये आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा है कि कृषि विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को नियमानुसार लाभान्वित करने के सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित किये जायें। श्री पटेल ने कहा कि मंडियों के कार्यों में गुणवत्ता और मंडी की आय वृद्धि के लिए मंडी एक्ट में संशोधन

किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के संचालक मंडल की बैठक को संबोधित करते हुये।

करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

हर जिले में एक मंडी होगी हाइटेक

श्री पटेल ने निर्देशित किया कि प्रदेश के सभी जिलों की एक-एक मंडी को हाइटेक मंडी बनाने की कार्यवाही तत्काल शुरू करें। बैठक में सर्वप्रथम पूर्व निर्धारित 30 जिलों की एक-एक मंडी को हाइटेक बनाने की सहमति व्यक्त की गई। इसके साथ ही अन्य मंडियों में भी आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिये गये।

बोर्ड की स्थानांतरण नीति अनुमोदित

श्री पटेल की अगुवाई में संचालक मंडल ने राज्य मंडी बोर्ड सेवा एवं अन्य विभागों से मंडी बोर्ड मुख्यालय, आंचलित कार्यालय या मंडी समितियों में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों की प्रस्तावित स्थानांतरण नीति का अनुमोदन कर दिया। संचालक मंडल ने तय किया कि प्रतिवर्ष एक जनवरी से 31 जनवरी और एक जुलाई से 31 जुलाई तक स्थानांतरण किये जा सकेंगे। वर्तमान वर्ष में जुलाई के स्थान पर 31 अक्टूबर तक स्थानांतरण किये जाने पर सहमति व्यक्त की गई।

श्री पटेल ने मंडी बोर्ड में कार्यरत तिलहन संघ के कर्मचारियों के संविलियन की नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये। उन्होंने कहा है कि कर्मचारियों के हित में सभी आवश्यक कार्यवाही नियमानुसार की जाये। कर्मचारियों को आवश्यक समझाइश भी दी जाये जिससे कि उनके संविलियन का मार्ग प्रशस्त हो सके।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय

राज्य सरकार की कोविड-19 संक्रमण नियंत्रण रणनीति की सराहना

भोपाल, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के कोराना वायरस से निपटने की रणनीति और श्रृंखलाबद्ध सुनियोजित प्रयासों, तैयारियों और सभी जिला सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों, सीटी स्कैन मशीनों, ऑक्सीजन/आईसीयू/एचडीयू/आईपीसीयू बेड उपलब्ध कराने के काम की सराहना की है। उच्च न्यायालय ने प्रदेश की बड़ी आबादी के टीकाकरण के लिये राज्य के अधिकारियों द्वारा किए गए प्रयासों और उनके कर्तव्य प्रदर्शन की भी सराहना की है।

उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत 12वें अंतरिम कार्रवाई प्रतिवेदन में राज्य सरकार की कार्रवाई को देखते हुए कहा कि पूरा विश्वास है कि वर्ष 2021 के अंत तक मध्यप्रदेश सरकार 18 साल से अधिक आयु की पूरी आबादी का पहले और दूसरे डोज के साथ टीकाकरण पूरा कर लेगी।

राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के आदेश के परिपालन में 12वां अंतरिम कार्रवाई प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोर्ट ने अपने छह विभिन्न विषयों पर एक विस्तृत आदेश जारी किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दिन-रात के अथक परिश्रम से कोविड 19 से निपटने की जन-भागीदारी आधारित रणनीति तैयार की थी। यह रणनीति कोरोना संक्रमण को रोकने में अत्यंत प्रभावी साबित हुई और कई राज्यों ने इसे अपनाया।

राज्य सरकार ने कोविड-19 को नियंत्रित करने के लिये अपनाई गई रणनीतियों और तैयारियों से अदालत को अवगत कराया।

राज्य सरकार ने 12वीं अंतरिम कार्रवाई रिपोर्ट में बताया कि जिन 190 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों को स्थापित किया जाना था उनमें से 108 संयंत्र पहले ही क्रियाशील हो चुके हैं और 36 संयंत्र संबंधित एजेंसी से वितरित किए जा चुके हैं और स्थापना की प्रक्रिया में हैं। शेष संयंत्रों की स्थापना के लिए सीएमएचओ के स्तर पर प्रारंभिक तैयारी चल रही है।

रिपोर्ट में दूसरी बात सीटी स्कैन मशीनों की स्थिति को लेकर थी जिन्हें सभी जिलों में स्थापित किया जाना था। सभी जिलों में सीटी स्कैन मशीनें स्थापित कर दी जायेंगी। सीटी स्कैन मशीन स्थापना की प्रक्रिया का काम तेज गति से पर चल रहा है। तीसरा मुद्दा सभी जिलों में वेंटिलेटर की स्थिति से संबंधित था।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

अब किस बात का इंतजार, टीके से करो कोरोना पर वार

गरीबों को आवास उपलब्ध कराने का कार्य द्रुत गति से जारी

कोरोनाकाल में तीन लाख से अधिक आवास किये गये निर्मित

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना-(ग्रामीण) में वर्तमान में 26 लाख 28 हजार के लक्ष्य के विरुद्ध 20 लाख 65 हजार आवास निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। प्रदेश में कोरोनाकाल में भी चुनौतियों से निपटते हुए 3 लाख से अधिक आवास निर्मित किये गये हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने एक माह की अल्पावधि में लगभग एक लाख आवास बनाकर तैयार कर दिये, वह भी निर्माण कार्यों के लिये विपरीत मौसम में। आमतौर पर एक आवास के निर्माण का औसत समय लगभग 120 दिन माना जाता है। विभाग द्वारा तत्परता से इतनी बड़ी संख्या में किये गये आवासों के निर्माण से उन गरीबों का सपना शीघ्र साकार होने वाला है जो पीढ़ियों से पक्के मकान के लिये तरस रहे थे। प्रदेश में विभाग ने कोरोना-काल में भी चुनौतियों से निपटते हुए 3 लाख से अधिक आवास निर्मित कर उल्लेखनीय कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में वर्षाकाल में प्रदेश के अधिकांश जिले बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित होने के बाद भी एक जुलाई 2021 से 22 सितम्बर 2021 तक सर्वाधिक एक लाख 60 हजार आवास पूर्ण कराये गये हैं। वर्षाकाल, जो सामान्यतः निर्माण कार्यों के लिये विपरीत मौसम माना जाता है, के बावजूद भी विशेष प्रयासों से लगातार राज्य स्तर से पर्यवेक्षण से 15 अगस्त से 15 सितम्बर 2021 तक मात्र एक माह की अवधि में एक लाख 6 हजार आवास बनाने का कमाल कर दिखाया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आगामी दो वर्ष के भीतर सन् 2022 तक देश के सभी आवासहीन परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सबको आवास 2022 का लक्ष्य हासिल करने के लिये मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) लागू की गई है। आवासों के साथ कन्वर्जेंस के माध्यम से उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन तथा मनरेगा की मजदूरी और अन्य योजनाओं का भी लाभ दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश की 3 पिछड़ी जनजातियां सहरिया, बैगा और भारिया को भी विशेष परियोजना के तहत आवास प्रदाय किए गए हैं।

इस महत्वाकांक्षी योजना में अब तक मध्यप्रदेश के लगभग 20 लाख 65 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को अपना घर मिल गया है। यह सभी ऐसे परिवार थे जिनके पास घर नहीं थे अथवा वे कच्चे जीर्ण-शीर्ण घरों में रहते थे। योजना में हितग्राही को मकान की इकाई लागत मैदानी जिलों में एक लाख 20 हजार तथा दूरस्थ पहुंचविहीन दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में एक लाख 30 हजार रुपये शत-प्रतिशत अनुदान के रूप में आवास निर्माण कार्य की प्रगति के आधार पर किस्तों के रूप में दिए जाते हैं। चार किस्तों में आवास सॉफ्ट एप के माध्यम से जियो टैग, फोटो अपलोड होने पर स्वमेव राशि हितग्राही के खाते में अंतरित हो जाती है।

वैक्सीनेशन जिंदगी बचाने का है अभियान - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश में टीकाकरण महाअभियान के संबंध में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा है कि वैक्सीनेशन जिंदगी बचाने का अभियान है। अभियान में सभी सहयोग दें और हमारा यह शत-प्रतिशत प्रयास हो कि 'अब कोई न छूटे'। मुख्यमंत्री ने टीकाकरण महाअभियान-4 के लिए गुफा मंदिर स्थित मानस उद्यान के टीकाकरण केंद्र का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक प्रदेश की 86 प्रतिशत पात्र जनसंख्या को वैक्सीन का प्रथम डोज लग चुका है। मध्यप्रदेश पहला डोज लगाने में देश में पहले नंबर पर है। यह जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अमले, जनता के सहयोग के परिणामस्वरूप संभव हुआ है। प्रदेश में 26 सितम्बर तक 6 करोड़ 11 लाख 23 हजार 864 कोरोना वैक्सीन के टीके लग चुके हैं। श्री चौहान ने कहा कि दिसम्बर अंत तक प्रदेश के सभी पात्र व्यक्तियों को वैक्सीन की दूसरी डोज लगाकर उनका जीवन सुरक्षित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल में सबको वैक्सीन का पहला डोज लगाया जा चुका है। भोपाल में जो भी पात्र व्यक्ति उपलब्ध रहे उन सबका टीकाकरण हो चुका है। जो व्यक्ति किन्ही कारणों से भोपाल से बाहर थे, उनका टीकाकरण छूटा है। ऐसे शेष रहे पात्र व्यक्तियों का भी टीकाकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

श्री चौहान ने कहा कि वैक्सीनेशन के इस अभियान में दिव्यांग, वरिष्ठजन और महिलाओं का ध्यान रखा जा रहा है। प्रदेश में अब तक 2 लाख 57 हजार 506 गर्भवती महिलाओं को वैक्सीन लगाई गई है। इसी प्रकार तीसरे जेंडर को भी 12 हजार 509 डोज वैक्सीन लगाई जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार मानते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश में वैक्सीनेशन महाअभियान के लिए वैक्सीन की कमी नहीं होने दी। इसके लिए प्रदेश उनका आभारी है। प्रधानमंत्री द्वारा उपलब्ध कराई गई मुफ्त वैक्सीन के परिणामस्वरूप ही सभी गरीबों का वैक्सीनेशन सुनिश्चित हो सका और उनकी जिंदगी बचाने की प्रतिबद्धता को पूरा किया जा सका।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

मध्यप्रदेश में महिला स्व-सहायता समूहों को पोषण आहार का दायित्व

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल मंत्रालय में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के सात पोषण आहार संयंत्रों का प्रबंधकीय कार्य मध्यप्रदेश एग्रो इण्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड से वापस लिया जाकर मध्यप्रदेश राज्य आजीविका फोरम अंतर्गत गठित महिला स्व-सहायता समूहों के परिसंघों को सौंपे जाने के संबंध में निर्णय लिया। मंत्रिपरिषद में पारित निर्णय संबंधी आदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी किया जाएगा। मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए अन्य निर्णय इस प्रकार हैं -

- मार्च 2018 में मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेश की आंगनवाड़ियों में गर्भवती/धात्री माताओं, 6 माह से 3 वर्ष के बच्चों तथा किशोरी बालिकाओं के लिए टीएचआर प्रदायगी का कार्य स्व-सहायता समूहों के परिसंघों द्वारा किये जाने के लिए सात टीएचआर संयंत्रों की स्थापना का निर्णय लिया गया था।
- उक्त निर्णय के परिप्रेक्ष्य में देवास, धार, होशंगाबाद, मण्डला, सागर, शिवपुरी एवं रीवा में संयंत्र स्थापित किए गए। इन सभी संयंत्रों से (भोपाल संभाग के जिले छोड़कर) प्रदेश के अन्य सभी जिलों में रेडी टू ईट टेकहोम राशन (टीएचआर) दिया जा रहा है।
- टीएचआर उत्पादन एवं प्रदायगी कार्य राज्य आजीविका फोरम द्वारा गठित महिला स्व-सहायता समूहों के परिसंघों को सौंपा गया था। संयंत्रों से प्रदेश के बहुतायत महिला स्व-सहायता समूह एवं उनके परिसंघ जुड़े हैं।
- संयंत्रों के यथा आवश्यक कार्यों में प्रत्यक्ष रूप से रोज़गार उपलब्ध कराने के साथ संयंत्रों के लाभांश में भी उनकी भागीदारी सुनिश्चित की गई है।
- मध्यप्रदेश शासन के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के आदेश 16 जनवरी 2020 द्वारा उक्तानुसार सात संयंत्रों का प्रबंधकीय कार्य मध्यप्रदेश एग्रो इण्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड को सौंपा जाकर टीएचआर की प्रदायगी मध्यप्रदेश एग्रो द्वारा की जा रही थी।
- मंत्रिपरिषद ने खरीफ विपणन वर्ष 2019-20 में उपार्जित धान की मिलिंग के लिए शेष मात्रा 3.82 लाख मीट्रिक टन एवं खरीफ विपणन वर्ष 2017-18 की 1250 मीट्रिक टन धान को भारत शासन द्वारा केन्द्रीय पूल में मान्य नहीं करने के कारण मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन एवं मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ को मिलिंग के लिए उनके पास शेष रही मात्रा ई-ऑक्शन के माध्यम से पारदर्शी प्रक्रिया अपनाते हुये विक्रय करने की अनुमति दी।
- मंत्रिपरिषद ने उक्त धान के विक्रय के लिए रिजर्व प्राईस/ऑफसेट मूल्य के निर्धारण, निविदा प्रक्रिया के निर्धारण एवं नीलामी में प्राप्त दरों के अनुमोदन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति का गठन करने का निर्णय लिया।
- मंत्रिपरिषद ने मध्यप्रदेश सीमा अंतर्गत निर्वर्तित की जाने वाली लोक परिसम्पत्तियों के रिजर्व मूल्य निर्धारण के लिए निर्णित नीति का अनुमोदन किया। मंत्रिपरिषद द्वारा निर्णय लिया गया कि सामान्य नीति में भू-उपयोग यथा व्यावसायिक/आवासीय होने पर परिसम्पत्ति के रिजर्व मूल्य की गणना कलेक्टर द्वारा निर्धारित चालू वर्ष की गाइडलाइन (उपबंध को पृथक रखते हुए) अनुसार व्यावसायिक/आवासीय विकसित प्लॉट की प्रति वर्गमीटर की दर के आधार पर की जायेगी।
- मिश्रित भू-उपयोग भूमि की परिसम्पत्तियों के रिजर्व मूल्य की गणना व्यावसायिक विकसित प्लॉट की प्रति वर्गमीटर की दर के आधार पर की जायेगी। सार्वजनिक एवं अर्द्ध-सार्वजनिक भू-उपयोग की परिसम्पत्तियों के रिजर्व मूल्य की गणना आवासीय विकसित प्लॉट की प्रति वर्गमीटर की दर के आधार पर की जायेगी।
- ऐसी परिसम्पत्तियां जो नगर तथा ग्राम निवेश लेआउट के भीतर प्लॉट के रूप में स्वीकृत हैं, उनमें क्षेत्रफल बंधनकारी नहीं होगा। ऐसी परिसम्पत्तियों के रिजर्व मूल्य की गणना भू-उपयोग अनुसार व्यावसायिक/ आवासीय विकसित प्लॉट के लिए प्रति वर्गमीटर की दर अनुसार मूल्यांकन का 100 प्रतिशत रखी जायेगी।
- सार्वजनिक एवं अर्द्धसार्वजनिक भू-उपयोग वाली परिसम्पत्तियों का निर्वर्तन यथा संभव वाणिज्यिक/मिश्रित भू-उपयोग में उपांतरण कर किया जायेगा। ऐसी भूमियां जो निवेश क्षेत्र के बाहर/अधिसूचित/ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हैं तथा किसी मास्टर प्लान का हिस्सा नहीं हैं, के रिजर्व मूल्य की गणना करने में कलेक्टर द्वारा स्थल निरीक्षण के बाद परिसम्पत्ति के आसपास के क्षेत्र के व्यवहारिक भू-उपयोग के आधार पर परिसम्पत्ति का भू-उपयोग निर्धारित किया जावेगा। यह निर्धारण केवल रिजर्व मूल्य को निर्धारित करने के प्रयोजन से किया जावेगा। ऐसी भूमि जोकि मास्टर प्लान का हिस्सा है वहां का भू-उपयोग नगर तथा ग्राम निवेश द्वारा निर्धारित किया जायेगा।
- भू-उपयोग, परिसम्पत्ति के रिजर्व मूल्य के निर्धारण में महत्वपूर्ण घटक है। सफल निविदाकार को प्रचलित नियमों के अंतर्गत निर्वर्तित परिसम्पत्ति के भू-उपयोग में परिवर्तित करने की स्वतंत्रता होगी। इसके लिए निर्धारित शुल्क पृथक से देय होगा।
- मंत्रिपरिषद ने सहकारिता विभाग की जिला भोपाल स्थित मंत्रालय गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित भोपाल की ग्राम सनखेड़ी, कोलार रोड परिसम्पत्ति (खसरा क्र. 56 रकबा 1326 वर्ग मीटर) के निर्वर्तन के लिए एच-1 निविदाकार उच्चतम निविदा राशि दो करोड़ छः लाख रुपये का अनुमोदन करते हुए निविदाकार द्वारा उल्लेखित निविदा मूल्य राशि का 100 प्रतिशत जमा करने के बाद मध्यप्रदेश राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक मर्यादित के परिसमापक संयुक्त आयुक्त, सहकारिता द्वारा उक्त परिसम्पत्ति के विक्रय पंजीकृत अनुबंध/रजिस्ट्री का संपादन तथा एच-1 निविदाकार के पक्ष में नामांतरण किये जाने का निर्णय लिया गया।
- मंत्रिपरिषद ने मध्यप्रदेश रेत (खनन, परिवहन, भण्डारण एवं व्यापार) नियम 2019 में संशोधन का अनुमोदन किया। निर्णय अनुसार बड़े जिले (रेत की अधिक मात्रा) में एक से अधिक समूह बनाकर निविदा जारी की जाएगी। रुपये 250 एवं निविदाकृत रेत मात्रा का गुणनफल प्रारंभिक आधार मूल्य (अपसेट प्राइज) निर्धारित किए जाएंगे।
- रेत समूह की निविदा का प्रकाशन राज्य स्तर से करने के बाद निविदा (ई-टेण्डर) की सभी प्रक्रियायें विकेन्द्रीकरण कर जिले स्तर से करने एवं रेत ठेकेदार से अनुबंध जिला स्तर पर किए जाएंगे। रेत समूह के ठेके की अवधि जून 2023 नियत की जाएगी। इसके अतिरिक्त अन्य तकनीकी सुधार मध्यप्रदेश रेत (खनन, परिवहन, भण्डारण एवं व्यापार) नियम 2019 में किये गये हैं।
- मंत्रिपरिषद ने ग्राम सतगढ़ी भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सर्व सुविधा युक्त 'खेल ग्राम' का जन निजी भागीदारी के माध्यम से निर्माण का निर्णय लिया। ग्राम सतगढ़ी जिला भोपाल की कुल भूमि 69.91 हेक्टेयर (172 एकड़) के 50 एकड़ भूमि पर कंसेशनेयर मेसर्स एस्सेल इन्फ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड मुम्बई द्वारा 200 करोड़ रुपये की लागत से स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा शेष 122 एकड़ भूमि पर रीयल स्टेट विकास के लिये जन निजी भागीदारी योजनांतर्गत 10 सितम्बर 2008 को कन्सेशन एग्रीमेंट एवं 4 दिसम्बर 2008 को लीजडीड का निष्पादन किया गया।
- मंत्रिपरिषद द्वारा लिये गये निर्णय से लगभग 13 वर्ष से मध्यप्रदेश शासन की भोपाल में स्थित न्यायालयीन जटिलताओं के कारण पड़ी बहुमूल्य अनुपयोगी 172 एकड़ भूमि का उपयोग नवीन अधोसंरचना विकास के लिये राज्य शासन द्वारा जन साधारण के लाभ के लिये किया जा सकेगा।
- मंत्रिपरिषद ने मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम अंतर्गत पूर्व निर्मित 12 मार्गों पर यूजर फी कलेक्शन एजेंसी के माध्यम से उपभोक्ता शुल्क वसूलने की स्वीकृति दी है। साथ ही 10 श्रेणियों को टोल मे छूट भी प्रदान की है।
- भोपाल-बैरसिया-सिरोंज मार्ग, सिवनी-कटंगी मार्ग, नागदा-धार मार्ग, जबलपुर-पाटन-शाहपुरा मार्ग, नीमच-मनासा मार्ग, शुजालपुर-अकोदिया मार्ग, गंजबसौदा-सिरोंज मार्ग, बालाघाट-वैहर मार्ग, खण्डवा-मूंदी मार्ग, इंदौर-देपालपुर मार्ग, बुढ़ार-अमरकंटक मार्ग और आगर-जावरा मार्ग पर अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से उपभोक्ता शुल्क संग्रहण प्रथमतः पांच वर्ष तक, जिसे आगामी पांच वर्षों तक बढ़ाया जा सकेगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रधानमंत्री का संयुक्त राष्ट्र में दिया गया भाषण ऐतिहासिक - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भाषण को ऐतिहासिक बताया है। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह भाषण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा-स्रोत बनेगा। उन्होंने कहा कि यह भाषण विश्व के नव निर्माण को नये आयाम देने के साथ शांति, सौहार्द्र एवं मंगलकारी विश्व के निर्माण का स्वप्न साकार करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा विश्व भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में दुनिया को एक नई दिशा दिखाने का काम किया है। प्रधानमंत्री जी ने विश्व को सचेत किया है कि आतंकवाद सभी के लिए खतरा है, उनके लिए भी जो इसका राजनैतिक इस्तेमाल कर रहे हैं।

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने महत्वपूर्ण विश्व फोरम पर अपने भाषण में नागरिकों को पीने का स्वच्छ पानी सुलभ कराने की आवश्यकता भी प्रतिपादित की, जो उनकी कल्याणकारी सोच को बताता है। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत में पीने के स्वच्छ पानी की उपलब्धता के साथ हमारी नदियों के पुनर्जीवन के लिए जल शक्ति अभियान संचालित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वव्यापी कोविड-19 संक्रमण के दौर में कोविड नियंत्रण और फिर वैक्सीनेशन के क्षेत्र में भारत विश्व गुरू बनकर सामने आया है। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विश्व में भारत का मान बढ़ा है।

विष अधिनियम का पालन नहीं करने पर कड़ी सजा का प्रावधान

विषैले पदार्थों के विक्रय के लिये कलेक्टर से अनुज्ञप्ति लेना बंधनकारी

भोपाल, अवैध और विषैली शराब निर्माण तथा अन्य प्रयोजनों में मेथानॉल और अन्य विषैले रसायन के उपयोग पर प्रभावी रोक लगाने के लिये राज्य शासन द्वारा अनेक ठोस एवं सख्त कदम उठाए गए हैं। गृह विभाग ने विष अधिनियम-1919 (केंद्रीय कानून) और मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अधिसूचित विष नियम-2014 का सख्ती से पालन कराने के निर्देश सभी कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षक को जारी किए हैं। अब नियमों में अधिसूचित सभी प्रकार के विष पदार्थों के विक्रय के लिये जिला कलेक्टर से अनुज्ञप्ति प्राप्त करना बंधनकारी होगा। नियमों के उल्लंघन पर एक वर्ष की सजा होगी।

अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा ने बताया कि जिला कलेक्टर द्वारा जारी अनुज्ञप्ति में विषैले पदार्थों के विक्रय स्थल, उनके भण्डारण की अधिकतम मात्रा, सुरक्षा उपाय, किनको विक्रय किया जा रहा है, विषैले पदार्थों के भण्डारण करने की विधि, स्टॉक पंजी, विक्रय पंजी के संधारण की अनिवार्यता, विष को लेबल करने और परिवहन के समय किए जाने वाले उपाय का उल्लेख होगा। अनुज्ञप्ति की शर्तों का पालन करना वैधानिक रूप से अनिवार्य रहेगा।

अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजौरा ने बताया कि जिला कलेक्टर परिसरों की जाँच के लिए सर्च वारन्ट जारी कर सकेंगे। ए.एस.आई. और नायब तहसीलदार स्तर के अधिकारी स्टॉक और विक्रय पंजी की जांच कर सकेंगे। विष अधिनियम या विष नियम का पालन नहीं करने पर एक वर्ष की सजा का प्रावधान है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में विगत दिनों अवैध शराब निर्माण में औद्योगिक और अन्य प्रयोजनों में इस्तेमाल होने वाले मेथानॉल और अन्य विषैले रसायन आदि का उपयोग होने से शराब विषैली हो गयी थी और जन हानि हुई थी।

मुरैना, उज्जैन और मंदसौर में जहरीली शराब में मेथानॉल की मात्रा पायी गयी थी। इन घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए राज्य शासन द्वारा अनेक ठोस कदम उठाये गये हैं।

प्रगति ऑनलाइन

सीवरेज कार्य में देरी के लिए दोषी एजेंसी को करें टर्मिनेट - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान प्रगति ऑनलाइन कार्यक्रम में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट फ्रेम वर्क के तहत परियोजनाओं की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में निर्माण परियोजनाओं का कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने पर पूरा ध्यान दें। अमृत योजना के अंतर्गत रीवा की सीवरेज स्कीम में विलंब के लिए दोषी एजेंसी को टर्मिनेट किया जाये। ये निर्देश मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में प्रगति ऑनलाइन-13 में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट फ्रेम वर्क के अंतर्गत परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान दिये।

जनता से जुड़े कार्यों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जन-कल्याण से जुड़े सार्वजनिक कार्यों में विलम्ब नहीं होना चाहिए। रीवा में सीवरेज स्कीम में मार्च 2017 में भूमि उपलब्ध करवा दी गई थी। कुल 199 करोड़ 73 लाख रुपये लागत की योजना में सिर्फ एक चौथाई निर्माण हुआ है। कार्य 2019 के अंत तक पूरा होना था। निर्माण एजेंसी ने पर्याप्त मात्रा में मैन पावर और मशीनरी का डिप्लायमेंट नहीं किया जिसकी वजह से आमजन को समय पर सेवाएं नहीं मिल पाईं। निर्माण एजेंसी को टर्मिनेशन के लिए पूर्व में शोकाज नोटिस भी दिया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता से जुड़े ऐसे कार्यों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एनएचएआई के कार्य की प्रशंसा

श्री चौहान ने रीवा-सीधी, चुरहट बायपास ट्विन रोड टनल कार्य में कार्य की रफ्तार अच्छी होने पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की प्रशंसा की। कुल 13.06 किलोमीटर के इस मार्ग में 2.29 किलोमीटर टनल का निर्माण भी किया जा रहा है। कार्य की लागत 703 करोड़ रुपये है। यह कार्य जुलाई 2022 में निर्धारित समय-सीमा से आठ माह पूर्व ही पूरा कर लिया जाएगा।

फ्लाय-ओवर के निर्माण की बाधाएं दूर कर समय पर पूरा करें कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि जबलपुर के फ्लाय-ओवर के निर्माण की बाधाएं दूर कर समय पर कार्य पूरा करें। फ्लाय-ओवर के निर्माण के लिए 105 अतिक्रमण भी हटाए जाने हैं। श्री चौहान ने कलेक्टर जबलपुर को फ्लाय-ओवर के निर्माण के समय रेलवे सहित अन्य सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों से सम्पर्क कर आवश्यक समन्वय करने के बाद मई 2023 तक कार्य की पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वर्तमान में दमोह नाका से रानीताल, मदन महल तक 5.905 किलोमीटर लम्बाई के फ्लाय-ओवर के कार्यों पर 102 करोड़ रुपये की राशि व्यय की जा चुकी है। कार्य की कुल लागत 767 करोड़ 99 लाख रुपये है। फ्लाय-ओवर का निर्माण हो जाने से जबलपुर शहरी क्षेत्र में, जहां सघन बसाहट है, बड़ी आबादी को यातायात में काफी सुविधा हो जाएगी।

खण्डवा, धार और झाबुआ की परियोजना की समीक्षा

श्री चौहान ने प्रगति ऑनलाइन 13 में खण्डवा जिले की छैगांवमाखन सिंचाई परियोजना, धार और झाबुआ जिले में पेटलावद-थांदला-सरदारपुर माइक्रो इरीगेशन परियोजना के कार्यों को भी बिना विलंब पूर्ण करने के निर्देश दिए। खण्डवा की परियोजना के लिए नर्मदा घाटी विकास विभाग द्वारा 536 करोड़ 99 लाख रुपये की लागत से 35 हजार हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा विकसित की जा रही है। कुल 73 गांव लाभान्वित होंगे। यह कार्य मई 2022 में पूरा होगा। धार और झाबुआ जिलों में 57 हजार 422 हेक्टेयर में 1699 करोड़ 83 लाख रुपये की लागत से माइक्रो इरीगेशन परियोजना के माध्यम से धार जिले के 66 और झाबुआ जिले के 153 गांव में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा।

अग्रणी महाविद्यालयों को आदर्श महाविद्यालय के रूप में करेंगे विकसित

भोपाल, मध्यप्रदेश के सभी शासकीय अग्रणी महाविद्यालयों को आदर्श महाविद्यालय के रूप में विकसित किया जायेगा। जिला स्तर पर स्थित 52 अग्रणी महाविद्यालयों को आदर्श महाविद्यालय बनाया जायेगा। यह बात उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभागीय समीक्षा के दौरान कही। डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में बहु-विषयक एवं व्यावसायिक शिक्षा, इंटर्नशिप एवं शोध आदि के व्यापक दृष्टिकोण के साथ विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिये यह निर्णय लिया गया है।

आदर्श महाविद्यालय का स्वरूप मल्टी डिस्प्लीनरी महाविद्यालय होगा

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि आदर्श महाविद्यालय का स्वरूप मल्टी डिस्प्लीनरी महाविद्यालय के रूप में विकसित होगा। इसमें व्यावसायिक शिक्षा के लिये स्किल लैब, वर्चुअल कक्षाओं का सीधा प्रसारण जिले के अन्य महाविद्यालयों से संबद्ध हो, ऐसी व्यवस्था होगी। आदर्श विद्यालय में स्मार्ट क्लास-रूम के माध्यम से अध्यापन व्यवस्था, ई-लाइब्रेरी, 100 प्रतिशत वाई-फाई कैम्पस, सोलर संयंत्र युक्त ग्रीन कैम्पस, सी.सी.टी.व्ही. युक्त परिसर आदि की भी व्यवस्था होगी। डॉ. यादव ने कहा कि आदर्श महाविद्यालयों की स्थापना का मुख्य उद्देश्य जिले वार विशेषताओं के आधार पर व्यावसायिक शिक्षा के लिये प्रशिक्षण केंद्र विकसित करना और शिक्षक और विद्यार्थी

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव विभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये।

के बहुआयामी व्यक्ति के निर्माण के लिये व्यापक तौर पर कार्य-योजना तैयार करना है।

डॉ. यादव ने आदर्श महाविद्यालय के लिए वार्षिक कैलेण्डर तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कैलेण्डर में विशेषज्ञों से संवाद, प्रतिष्ठित हस्तियों से वर्चुअल माध्यम से रूबरू होने का समावेश हो। डॉ. यादव ने कहा कि इससे विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ेगा।

बैतूल में तीन शासकीय महाविद्यालयों का वर्चुअल लोकार्पण

उच्च शिक्षा मंत्री ने बैतूल जिले के तीन शासकीय महाविद्यालयों बैतूल, मुलताई और भैंसदेही में 17 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नवीन भवन और अतिरिक्त कक्षों का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत योग, जैविक खेती और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को विद्यार्थियों का अद्भुत रिस्पांस मिला है। शासकीय महाविद्यालयों में सीटें बढ़ाकर अधिकतम विद्यार्थियों को शिक्षा का अवसर प्रदान किया जायेगा।

अकादमिक गतिविधियों के साथ हो रहे हैं अधोसंरचना के कार्य

डॉ. यादव ने कहा कि कोरोना के कठिन काल के बावजूद प्रदेश में उच्च शिक्षा विभाग का शैक्षणिक सत्र प्रभावित नहीं हुआ है। विभाग अकादमिक गतिविधियों के साथ अधोसंरचना के कार्य भी लगातार कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए स्कूल शिक्षा तथा बैतूल जिले के प्रभारी मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि नये भारत के निर्माण में स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और चिकित्सा शिक्षा विभाग अहम भूमिका निभा रहा है।

बेटियों की आत्मनिर्भरता की ओर सशक्त कदम है लाड़ली लक्ष्मी योजना

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बेटियों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना को नए स्वरूप 'लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 -आत्मनिर्भर लाड़ली' के रूप में लागू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे इस बात की खुशी और गर्व है कि बेटियों के प्रति समाज की मानसिकता में बदलाव लाने के लिए वर्ष 2007 में लागू की गई लाड़ली लक्ष्मी योजना में वर्तमान में 39.81 लाख से अधिक बेटियां जुड़ी हुई हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि योजना की लोकप्रियता को देखते हुए अन्य राज्यों ने भी इसे अपनाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य में बेटियों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाए जाने की जरूरत है। 'लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 आत्मनिर्भर लाड़ली' में हमने लाड़ली बालिकाओं के कौशल प्रशिक्षण एवं विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में रोज़गार की उपलब्धता, उच्च शिक्षा तथा जीवन के अन्य क्षेत्रों में उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया है। इससे वे अपने पैरों पर खड़ी हो सकेंगी तथा सामाजिक और आर्थिक रूप से अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कर सकेंगी।

श्री चौहान ने प्रदेश की लाड़ली बेटियों से आग्रह किया है कि वे शाला में प्रवेश से लेकर निरंतर आगे की कक्षाओं में अग्रसर होते हुए इसी लगन, उत्साह और परिश्रम से 12वीं कक्षा तथा उसके बाद भी अपने रुचि अनुसार लक्ष्य निर्धारित करते हुए उच्च शिक्षा एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करें। इससे अन्य बालिकाओं को भी प्रेरणा मिल सके।

कोविड टीकाकरण में दूसरे डोज का आंकडा डेढ़ करोड़ पार

भोपाल, कोविड टीकाकरण महा-अभियान में प्रदेश में कोरोना वैक्सीन की डेढ़ करोड़ से अधिक दूसरी डोज नागरिकों को लगाई जा चुकी है। सभी नागरिकों को वैक्सीन की दोनों डोज लगाने के लिये प्रयासों को गति दी गयी है। प्रदेश में अब तक वैक्सीन की 4 करोड़ 82 लाख 2 हजार 646 प्रथम डोज लगायी गयी हैं।

संचालक एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में 6 करोड़ 32 लाख 51 हजार 229 कोरोना के टीके लगाये जा चुके हैं। इनमें 4 करोड़ 82 लाख 2 हजार 646 प्रथम डोज और एक करोड़ 50 लाख 48 हजार 583 को दूसरी डोज लगाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि कुल 5 करोड़ 49 लाख अनुमानित लक्ष्य के विरुद्ध दूसरी डोज 37 प्रतिशत को लागाई गई है। 30 सितंबर की दोपहर तक 2 लाख 57 हजार 512 व्यक्तियों को कोरोना टीके लगाये गये।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एयर मार्शल वी.आर. चौधरी

वायुसेना के नये प्रमुख होंगे

एयर मार्शल वी.आर. चौधरी देश के नये वायुसेना

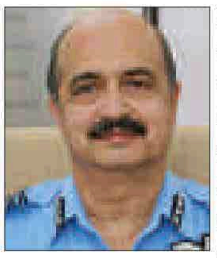

प्रमुख होंगे। वर्तमान में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर.के.एस. भदौरिया 30 सितम्बर को सेवानिवृत्त होंगे। चौधरी को इस साल जून में एयर मार्शल हरजीत सिंह अरोड़ा की जगह वायुसेना का उप प्रमुख बनाया गया था।

उमेनो और कोऊमे

सबसे उम्रदराज जुड़वां बहनें

जापान की उमेनो सुमियामा और कोऊमे कोदामा दुनिया

की सबसे उम्रदराज जुड़वां बहनें बन गई हैं। 107 साल की बहनों के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की घोषणा जापान के 'रिसपेक्ट फॉर द एजेड डे' पर की गई। उमेनो और काऊमे का जन्म 5 नवंबर, 1913 को हुआ था। ये दोनों 11 भाई-बहनों में तीसरे और चौथे नंबर पर हैं। इनका रिकॉर्ड 1 सितम्बर को बना, जब इनकी उम्र 107 साल 300 दिन थी।

रोबोटिक रोवर

चंद्रमा पर पानी खोजेगा, मिट्टी निकालेगा

नासा चांद के दक्षिण ध्रुव पर रोबोटिक रोवर भेजने जा

रहा है। इसके जरिये वह चांद की सतह के नीचे जमे पानी की बर्फ और अन्य संसाधनों का पता लगाएगा। मोबाइल रोबोट वाइपर रोवर 2023 में चंद्रमा पर जाएगा और 100 दिनों तक चंद्रमा की सतह को खंगालेगा। नासा आर्टिमिस प्रोग्राम के तहत 2024 में पहली महिला और पुरुष को चंद्रमा पर भेजा जायेगा। 5 फीट लंबा और 8 फीट ऊंचा यह रोवर 3189 करोड़ रुपये में बनकर तैयार हुआ है। ड्रिल मशीन के जरिये वह चांद की मिट्टी भी निकालेगा।

सफेद पेंट

गिनीज बुक में दर्ज घर को ठंडा रखने में होगा मददगार

दुनिया का सबसे सफेद पेंट गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड

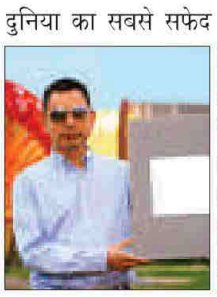

रिकॉर्ड में शामिल हो गया है। इसे अमेरिका की यूनिवर्सिटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर जिऊलिन रुआन और उनकी टीम ने तैयार किया है। प्रोफेसर जिऊलिन रुआन ने बताया कि यह पेंट बिना एसी के किसी भी घर को एकदम ठंडा रख सकता है।

जेयर बोलसोनारो

ब्राजील के राष्ट्रपति को नहीं मिला रेस्त्रां में प्रवेश

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के सम्मेलन में शामिल होने अमेरिका के न्यूयॉर्क आये ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो को सड़क किनारे पिज्जा खाकर काम चलाना पड़ा। ऐसा इसलिए हुआ

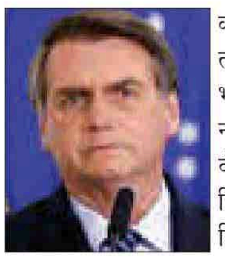

क्योंकि बोलसोनारो ने अभी तक कोरोना टीके के एक भी खुराक नहीं लगवाई है। न्यूयॉर्क के रेस्त्रां में बिना वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट दिखाये प्रवेश निषेध है, जिसके चलते ब्राजील के राष्ट्रपति को प्रवेश नहीं दिया गया।

शेफाली जुनेजा

विमानन सुरक्षा समिति की अध्यक्ष बनीं

शेफाली जुनेजा को अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन

संगठन (आईसीएओ) विमानन सुरक्षा समिति का अध्यक्ष चुना गया है। वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला हैं। भारत ने 12 साल के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। आईसीएओ अंतर्राष्ट्रीय उड़ान नियमों का पालन करवाने का काम करता है।

अंक बिजलेवल्ड

अफगानिस्तान से हड़बड़ी में निकासी को लेकर डच रक्षा मंत्री का इस्तीफा

अफगानिस्तान से लोगों को निकालने के मामले में

हड़बड़ी में निपटने के लिये डच रक्षा मंत्री अंक बिजलेवल्ड के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाये जाने के बाद उनको इस्तीफा देना पड़ा। इस मुद्दे पर विदेश मंत्री सिग्रिड काग के पद छोड़ने के एक दिन बाद बिजलेवल्ड का इस्तीफा आया। तालिबान द्वारा सत्ता पर कब्जा करने के बाद अफगानिस्तान से नीदरलैंड दूतावास के कर्मचारियों की निकासी को लेकर संसद में बहस के बाद निंदा प्रस्ताव लाया गया।

हेथ विला

टैगोर ने जहां गीतांजलि का अनुवाद किया, होगा नीलाम

नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्र नाथ टैगोर ने 1912

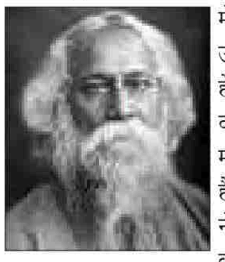

में ब्रिटेन की यात्रा के दौरान उत्तरी लंदन के हेम्पसटेड हेथ के हेथ विला में कुछ वक्त गुजारा था। अब उस मकान की बिक्री होने वाली है। प्रवास के दौरान टैगोर ने यहीं रहकर अपनी कविताओं के संग्रह 'गीतांजलि' का अनुवाद किया था। मकान की बिक्री का ब्यौरा ऑनलाइन दिया गया है।

राजीव अग्रवाल

एफबी इंडिया के नीति निदेशक बने

फेसबुक इंडिया ने पूर्व आईएएस अफसर राजीव

अग्रवाल को लोक नीति निदेशक बनाया है। फेसबुक के अनुसार भारत में कंपनी की लोक नीति में यूजर की सुरक्षा, डाटा संरक्षण और गोपनीयता, समावेश व इंटरनेट एडमिनिस्ट्रेशन शामिल है। अग्रवाल इस नई भूमिका में फेसबुक के प्रबंध निदेशक अजीत मोहन को रिपोर्ट करेंगे।

सीनेटर मैनी पाकियो

फिलीपींस के राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार होंगे

फिलीपींस के बॉक्सर और सीनेटर मैनी पाकियो ने कहा

है कि वह 2022 में राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ेंगे। पाकियो को उनकी पार्टी पीडीपी-लबान की ओर से उम्मीदवार घोषित किया गया था, जिसे उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में स्वीकार किया। पाकियो पीडीपी-लबान पार्टी के उस गुट के अध्यक्ष हैं, जिसका नेतृत्व उनके अलावा सीनेटर अकिलीनो कोको पिमेंटल कर रहे हैं।

अमेरिकी संविधान की प्रति

जल्द होगी नीलाम

अमेरिका के संविधान की सबसे पहले मुद्रित हुई दुर्लभ

प्रति की 11 प्रतियां ही मौजूद हैं। इनमें से निजी हाथों में पहुंची एक मुद्रित प्रति सूदबे नीलामी घर में बिकने जा रही है। इसकी अनुमानित कीमत 147 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा आंकी गई है। इसे 1787 में छापा गया था। नीलामी घर के अनुसार एक ग्राहक इसे बेचने का उत्सुक है और जल्द की इसकी नीलामी की तारीख भी घोषित की जायेगी।

कंबोडिया

छात्रों के समूह ने बनाई ड्रोन टैक्सी

कंबोडिया के छात्रों ने मिलकर एक ड्रोन टैक्सी बनाई है,

जो 60 किलो वजन लेकर 10 मिनट तक उड़ सकती है। 21 वर्षीय छात्र लोन्ह वन्नसिंथ ने बताया कि 3 साल तक शोध कर इसे बनाया गया है। इसमें 20 हजार डॉलर (करीब 14.77 लाख रुपये) खर्च हुये हैं। टैक्सी के इस प्रोटोटाइप मॉडल का ट्रायल भी किया गया। इसका इस्तेमाल सामान की डिलीवरी और आग बुझाने में किया जा सकेगा।

शरद सागर

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के छात्र संघ अध्यक्ष चुने गये

अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय में भारतीय छात्र शरद

सागर को हार्वर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एजुकेशन का छात्र संघ अध्यक्ष चुना गया है। 50 देशों के 1,200 से अधिक छात्रों ने शरद को चुना है। बिहार के रहने वाले सागर ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में हार्वर्ड के छात्रों के लिये नेतृत्व की नींव रखेंगे ताकि छात्रों के जीवन में वास्तविक बदलाव आ सके। चुनाव में 9 प्रत्याशी थे, लेकिन शरद को छात्रों का अधिकतम सपोर्ट मिला।

लाउ डॉग

सबसे लंबे कान का बनाया विश्व रिकॉर्ड

शारीरिक बनावट की विशेषता भी दुनिया में अलग

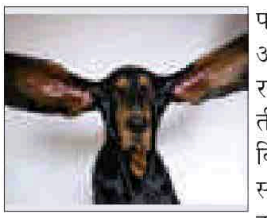

पहचान दिलाती है। अमेरिका के ओरेगान में रहने वाली महिला के तीन साल के कुत्ते की विशेषता इसी बात को साबित करती है। कूनहाउंड नस्ल की लाउ नाम के कुत्ते की कानों की लंबाई 13.38 इंच होने के चलते दुनिया में जीवित सबसे बड़े कान वाले कुत्ते के रूप में गिनीज बुक में नाम दर्ज किया गया। लाउ की मालकिन ने कहा, उसकी उपलब्धि पर हम बहुत खुश हैं। वह शुरुआत से ही सबसे अलग दिखता था। लॉकडाउन के समय उसके कान की लंबाई नापने पर इस विशेषता का पता चला था।

न्यू मैक्सिको

23 हजार साल पुराने इंसानों के पैरों के निशान मिले

अमेरिका में 21 लाख की आबादी वाले न्यू मैक्सिको

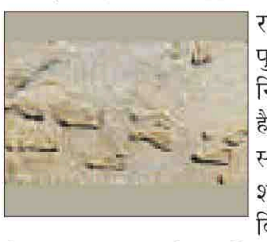

राज्य में 23 हजार साल पुराने इंसानों के पैरों के निशान मिले हैं। दावा है कि ये दुनिया में सबसे पुराने हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि ये निशान व्हाइट सैंड्स नेशनल पार्क में स्थित अलकाली नाम की सूखी झील में मिले। इन्हें सबसे पहले 2009 में देखा गया था। इनकी उम्र 21,130 से 22,800 साल हो सकती है।

डगलस स्मिथ

एक तने में उगाए 839 छोटे टमाटर

ब्रिटेन में एक आईटी मैनेजर ने अपने शौक के चलते

कुछ ऐसा कर दिखाया है, जिसके बारे में सुनकर ही आश्चर्य होता है। 43 साल के डगलस स्मिथ ने अपनी मेहनत से एक ही तने में 839 छोटे टमाटर उगाने का कमाल कर दिया है। इससे पहले 2010 में ग्राहम ट्रैंटर ने एक तने में 448 टमाटर उगाकर गिनीज बुक में नाम दर्ज कराया था। स्मिथ उनसे काफी आगे निकल गए हैं। उन्होंने अपनी कामयाबी को अधिकारिक रूप से दर्ज कराने के लिए गिनीज बुक को डाटा भेजा है। इससे पहले स्मिथ ने पिछले साल ब्रिटेन में सबसे लंबा टमाटर का पौधा उगाने का भी रिकॉर्ड बनाया था।

उत्तर कोरिया

समुद्र में दागी कम दूरी की मिसाइल

अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर दबाव बनाने के

लिए उत्तर कोरिया लगातार मिसाइल परीक्षण कर रहा है। उसने कम दूरी तक मार करने वाली एक मिसाइल समुद्र में दागी। पड़ोसी देश दक्षिण कोरिया और जापान ने यह संदेह जताया है कि उत्तर कोरिया ने किसी नई मिसाइल का परीक्षण किया है। जबकि अमेरिका के विदेश विभाग ने उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण की निंदा की और कहा कि दोनों कोरियाई देश बातचीत की प्रक्रिया को बहाल करें। दक्षिण कोरियाई सरकार ने कहा कि उत्तर कोरिया ने कम दूरी तक मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण किया है। इसकी निंदा की जाती है।

स्मृति शेष

ओडिया साहित्यकार मनोरमा महापात्र का निधन

प्रख्यात ओडिया साहित्यकार एवं पत्रकार

मनोरमा महापात्र का 87 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्हें 1984 में साहित्य अकादमी, 1988 में सोवियत, 1990 में क्रिटिक सर्किल ऑफ इंडिया, 1991 में ईश्वर चंद विद्यासागर और 1994 में रूपमबारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

बंगाल के पूर्व स्पिनर और कोच मुर्तजा का निधन

बंगाल के बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर तथा वर्तमान

में मिजोरम की अंडर-19 टीम के कोच मुर्तजा लोधगर का 45 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष सहित टीम सदस्यों ने उनके आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया।

आविष्कारक सिनक्लेयर का निधन

ब्रिटिश आविष्कारक और उद्यमी क्लाइव

सिनक्लेयर का 81 वर्ष की उम्र में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। बच्चों को कम्प्यूटर गेमिंग का दीवाना बनाने वाले सिनक्लेयर ने 1980 के दशक में सस्ते घरेलू कम्प्यूटर बनाकर शोहरत हासिल की थी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कोरोना से बचने की तीन बातें बहुत जरूरी, टीका लगवाना, मास्क पहनना और अपनाना दो गज दूरी।

इवेंट मैनेजमेंट

कॅरियर विकास का नया उभरता क्षेत्र

इवेंट मैनेजमेंट धीरे-धीरे कॅरियर डेवलपमेंट के नए क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। यह मध्यप्रदेश में भी अधिकांश छात्रों के लिए अध्ययन का एक नया क्षेत्र है, इसमें रोज़गार सृजन की महत्वपूर्ण संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश में ज्यादातर छात्रों को इवेंट मैनेजमेंट के इस नए क्षेत्र के बारे में पता नहीं है। हर इवेंट लोगों को एक साथ लाता है, जिसके माध्यम से वे उस अनुभव को यादगार बनाते हैं और उसमें भाग लेते हैं। इस उद्योग को 'अनुभवों का व्यवसाय' भी कहा जाता है। एक तेजी से उभरते पेशे के रूप में इवेंट मैनेजमेंट रचनात्मकता, ज्ञान और अनुभव को जोड़ता है। आम तौर पर जीवन में विभिन्न घटनाओं को लंबे समय से हम देखते आ रहे हैं। उदाहरण के लिए सामुदायिक समारोह, त्योहार, मेले और परेड आदि। प्रौद्योगिकी ने इन पारंपरिक घटनाओं के रूपों और परिमाण को काफी बदल दिया है। आज कई प्रकार के कार्यक्रमों को आमतौर पर हम देखते हैं, जिनमें व्यावसायिक घटनाएं जैसे- सम्मेलन, प्रदर्शनियां, ब्रांड प्रचार, विभिन्न प्रकार के इवेंट, खेल, मनोरंजन, फंड जुटाने की प्रक्रिया आदि महत्वपूर्ण हैं। इस तरह के आयोजन कई कंपनियों, शहरों, क्षेत्रों और देशों का एक महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक आधार बनाते हैं। इन्होंने वैश्विक स्तर पर नए प्रकार की मांगों और अवसरों को जन्म दिया है। इसमें एक खासा कारोबार है जिसने उद्यमियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। अब यह एक करोड़ों डॉलर का उद्योग है, जो न केवल रोज़गार की कई संभावनाएं प्रदान करता है, बल्कि स्वरोज़गार के अवसर भी प्रदान करता है। अब यह एक सुसंबद्ध उद्योग है, जो सुनियोजित प्रक्रियाओं के माध्यम से बड़े पैमाने पर संचालित होता है, संबंध बनाता है और आगे विस्तार के लिए संभावनायें और लाभ के अवसर उत्पन्न करता है।

कुशल पेशेवरों की मांग और प्रशिक्षण की आवश्यकता

इस आकर्षक पेशे की पेचीदगियों को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण की आवश्यकता है। यह प्रशिक्षण इवेंट मैनेजमेंट उद्योग को मजबूत और आगे बढ़ाने में मदद करेगा। ऐसे कुशल पेशेवरों की आवश्यकता के कारण, यह उद्योग जनशक्ति की कमी का सामना कर रहा है। इसलिये आज ऐसे शैक्षिक कार्यक्रमों की आवश्यकता है, जो पेशेवरों की बढ़ती मांगों और उनकी उपलब्धता के बीच की खाई को पाट सकें। हम देखते हैं कि अधिकांश शिक्षण संस्थानों ने अध्ययन के इस नए क्षेत्र में अकादमिक कार्यक्रम विकसित नहीं किए हैं। इग्नू ऐसी ही एक संस्था है जिसने न केवल इस क्षेत्र में एक अकादमिक कार्यक्रम विकसित किया है, बल्कि इस क्षेत्र को लोकप्रिय भी बनाया है। यह कार्यक्रम भारत और दुनियाभर में सबसे रोमांचक और तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक में शिक्षार्थियों को आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है। यह कार्यक्रम उन लोगों के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करता है जो एक पेशे के रूप में इवेंट मैनेजमेंट को अपनाना चाहते हैं या एक पेशेवर के रूप में इस विशेषज्ञता के क्षेत्र में सर्टिफिकेशन की तैयारी कर रहे हैं। यह उन युवाओं के लिए भी उपयोगी है जो इस क्षेत्र में अपने कौशल का निर्माण करना चाहते हैं और उसका उपयोग इस क्षेत्र में रचनात्मकता के लिए करना चाहते हैं। यह उन सभी शिक्षार्थियों के लिए भी है जो अपना उद्यम शुरू करने के लिए इस पेशे में प्रवेश करने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे सभी इच्छुक लोगों के लिए यह डिप्लोमा कार्यक्रम एक पेशेवर इवेंट मैनेजर, इवेंट कोऑर्डिनेटर या इवेंट प्लानर के लिए आवश्यक दक्षताओं का व्यापक ज्ञान प्रदान करेगा।

इवेंट मैनेजमेंट पाठ्यक्रम का विवरण

इग्नू के स्कूल ऑफ कंट्अज्डिंग एजुकेशन ने करीब 2 साल पहले इस कार्यक्रम को विकसित किया था और इस छोटे से समय के दौरान यह भारत के सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम में से एक बन गया है। इवेंट मैनेजमेंट में इग्नू का डिप्लोमा एक साल का प्रोग्राम है, जो उन सभी लोगों के लिए खुला है, जिन्होंने अपना 10+2 प्रोग्राम पूरा कर लिया है। यह कार्यक्रम मूल रूप से 32 क्रेडिट कार्यक्रम है।

क्या है क्रेडिट का अर्थ?

तकनीकी भाषा में क्रेडिट का अर्थ है शैक्षणिक कार्यक्रम का कार्यभार। एक क्रेडिट का अर्थ है 30 घंटे का अध्ययन समय। इग्नू में क्रेडिट सिस्टम आपको अपनी पढ़ाई की योजना बनाने में मदद करता है। यह प्रणाली आपको यह समझने में मदद करती है कि पाठ्यक्रम के अध्ययन में कितना समय लगेगा, ताकि आप तदनुसार अपने अध्ययन की योजना बना सकें।

इवेंट मैनेजमेंट पाठ्यक्रम की योग्यता एवं विस्तृत विवरण

कोई भी व्यक्ति जिसने 10+2 स्तर की योग्यता पूरी कर ली है, इस कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकता है। प्रवेश के लिए कोई कटऑफ अंक नहीं हैं। आपको बस अपनी 10+2 स्तर की योग्यता प्राप्त करने की आवश्यकता है। कोई अधिकतम आयु सीमा नहीं है। यदि आप एक कामकाजी व्यक्ति हैं, तो भी प्रवेश ले सकते हैं। इसमें आप संकोच न करें। इग्नू के शैक्षणिक कार्यक्रम आपकी उम्र या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना हर व्यक्ति के लिए है। हम आपको विभिन्न तरीकों से सिखाएंगे जो आपको अपना काम करते हुए अध्ययन करने में मदद करेंगे और आप अपनी नौकरी की प्रतिबद्धताओं पर बिना किसी प्रतिकूल प्रभाव के आसानी से अध्ययन कर सकते हैं।

शिक्षा का माध्यम- यह कार्यक्रम मुख्य रूप से अंग्रेजी माध्यम में पेश किया जाता है। हालांकि आप चाहें तो अपनी परीक्षाएं हिंदी में भी लिख सकते हैं। लेकिन अध्ययन सामग्री केवल अंग्रेजी माध्यम में दी जाती है।

अवधि- इस कार्यक्रम की अवधि एक वर्ष है। हालांकि यदि आप कार्यक्रम को अधिक समय में धीरे-धीरे करना चाहते हैं तो आप इसे अधिकतम तीन वर्षों के समय में पूरा कर सकते हैं। आपके पंजीकरण की वैधता की अवधि के दौरान इग्नू आपसे कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेगा। इसमें प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों चक्रों में लिया जा सकता है।

शुल्क- इस पूरे अध्ययन कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क 7100/- रुपये है। हालांकि वर्तमान प्रवेश चक्र के दौरान यह कार्यक्रम अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों के छात्रों के लिए निःशुल्क प्रदान किया जाता है। एससी/एसटी पृष्ठभूमि के हमारे छात्रों के लिए यह एक अनूठा अवसर है। इस कार्यक्रम के नियमों और शर्तों के लिए इग्नू की विवरणिका देख सकते हैं, जो इग्नू की वेबसाइट पर निःशुल्क उपलब्ध है। आपको सलाह दी जाती है कि आप प्रवेश लेने से पहले पात्रता और अन्य सामान्य दिशा-निर्देशों के लिए सटीक और अद्यतन जानकारी देखने के लिए हमारी वेबसाइट या विवरणिका देखें।

कैसे लें निर्णय

इस कार्यक्रम के बारे में निर्णय लेने के लिए हमारा सुझाव है कि आप इग्नू के किसी भी क्षेत्रीय केंद्र या राज्य में फैले अध्ययन केंद्र से संपर्क करें। हमारे क्षेत्रीय केंद्र 12, अरेरा हिल्स भोपाल और आरडीवीवी जबलपुर में हैं। हालांकि हमारे पास राज्य के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में उपलब्ध अध्ययन केंद्रों का एक मजबूत राज्यव्यापी नेटवर्क है। अध्ययन केंद्र अंशकालिक कार्यकर्ताओं द्वारा चलाए जाते हैं इसलिए आप उन्हें उनके कामकाज के समय के अनुसार, जो इग्नू की वेबसाइट पर प्रदर्शित होते हैं, मिलें। हम यह भी सुझाव देना चाहेंगे कि इग्नू के ई-ज्ञान कोष पर अध्ययन सामग्री जैसे- स्वयं शिक्षण सामग्री, ऑडियो/वीडियो कार्यक्रम, रिकॉर्ड किए गए व्याख्यान, पुराने प्रश्न पत्र आदि उपलब्ध हैं। कृपया उन्हें देखें। आप इसे निःशुल्क देख सकते हैं, जब आप हमारी वेबसाइट पर जाते हैं तो आपको होम पेज पर ई-ज्ञान कोष के लिए एक लिंक मिलेगा। कृपया सभी अध्ययन सामग्री देखें और फिर निर्णय लें। अधिक जानकारी और पूर्व प्रवेश परामर्श के लिए आप कार्यालय के सामान्य कामकाजी घंटों के दौरान किसी भी समय हमसे संपर्क कर सकते हैं। हमारे सभी संपर्क विवरण हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय
(लेखक - इग्नू, भोपाल में क्षेत्रीय निदेशक, हैं।)

प्रदेश के दो इंजीनियरिंग महाविद्यालयों को मिला एनबीए एक्रिडेशन

भोपाल, मध्यप्रदेश के दो इंजीनियरिंग महाविद्यालयों को नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडेशन, नई दिल्ली से चार पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष 2022-23 तक एक्रिडेशन मिला है। रीवा एवं उज्जैन के शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में प्रदेश के छात्र-छात्राओं को उच्च कोटि की तकनीकी शिक्षा मिलने की प्रामाणिकता प्राप्त हो गई है।

उल्लेखनीय है कि नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडेशन से हाल ही में उज्जैन इंजीनियरिंग महाविद्यालय के मैकेनिकल पाठ्यक्रम और रीवा इंजीनियरिंग महाविद्यालय के तीन सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम को एक्रिडेशन प्राप्त हुआ है।

तकनीकी शिक्षा मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने जानकारी दी कि रीवा एवं उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेजों के इन पाठ्यक्रमों की शिक्षा को अब राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों जैसे आईआईटी/एनआईटी के समकक्ष माना जायेगा। उन्होंने बताया कि नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडेशन की आठ सदस्यीय टीम द्वारा इन महाविद्यालयों की ऑफलाइन एवं ऑनलाइन विजिट कर संस्था के सम्पूर्ण संसाधनों, प्रयोगशालाओं, प्राध्यापकों की गुणवत्ता, पूर्व और वर्तमान छात्रों की शैक्षणिक गुणवत्ता तथा फीडबैक की गहन जाँच करते हुए इन संस्थानों को प्रामाणिकता प्रदान की गई है।

श्रीमती सिंधिया ने कहा कि इससे इन पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को देश के प्रतिष्ठित कम्पनियों में प्लेसमेंट मिलने की संभावना प्रबल हो गई है। इस एक्रिडेशन से दोनों महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद नई दिल्ली से प्राप्त होने वाले अनुदानों और सुविधाओं में वृद्धि होगी।

श्रीमती सिंधिया ने रीवा एवं उज्जैन इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के प्राचार्यों, अध्यापकों एवं समस्त स्पोर्ट स्टॉफ को उनके अथक परिश्रम, कर्तव्य परायणता एवं लगन के कारण प्राप्त इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

प्री. वेटरनरी एंड फिशरी टेस्ट (PV&FT) – 2021 के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं:

आवेदन भरने की तिथि
06 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2021 तक

आवेदन संशोधन करने की तिथि
06 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2021 तक

ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी

परीक्षा दिनाँक एवं दिन	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिये रिर्पोटिंग समय	महत्वपूर्ण निर्देश पढ़ने का समय	उत्तर अंकित का समय
27 व 28 नवम्बर 2021 शनिवार, रविवार	प्रथम	प्रातः 7:00 से 08:00 बजे तक	प्रातः 08:50 से 09:00 बजे तक (10 मिनिट)	प्रातः 09:00 से 11:00 बजे तक (02 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 1:00 से 2:00 बजे तक	दोपहर 02:50 से 03:00 बजे तक (10 मिनिट)	दोपहर 03:00 से 05:00 बजे तक (02 घंटे)

परीक्षा शहर : भोपाल, इदौर, ग्वालियर, जबलपुर

आवेदन पत्र भरने की प्रकिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश:

1. वेबसाईट www.peb.mponline.gov.in के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है
2. परीक्षा शुल्क

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रू 400/-
अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग /निःशक्तजन अभ्यर्थियों के लिए (केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिए)	रू 200/-
ऑनलाइन आवेदन -कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रू 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटिजन यूजर के माध्यम से लागिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रू 20/-

विशेष निर्देश :

1. विस्तृत आरक्षण नियम, सीटों का विस्तृत विवरण, आयु संबंधी प्रावधान, शैक्षणिक अर्हता, पाठ्यक्रम तथा परीक्षाओं से सम्बंधित समस्त विवरण परीक्षा की नियम पुस्तिका में बोर्ड की वेबसाइट www.peb.mp.gov.in पर दिनांक 28 सितम्बर 2021 से उपलब्ध रहेंगे |
2. अभ्यर्थी को मध्य प्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है |
3. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है | यू.आई.डी.ए.आई (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (verify) होने पर ही ई-आधार पहचान पत्र के रूप में मान्य होगा|
4. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के साथ साथ अपना आधार कार्ड /ई –आधार / आधार नंबर की जानकारी लाना अनिवार्य है |
5. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान आधार इन्बेल्ड बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है
   अतः जिन अभ्यर्थियों ने अपना आधार नंबर लॉक करवाया है, कृपया वे अभ्यर्थी परीक्षा के पूर्ण दिवस आधार नंबर को अन- लॉक करवाना सुनिश्चित कर लें |
6. परीक्षार्थी को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी | इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थी को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी |
7. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाईल फोन, केलकुलेटर, लॉग टेबल्स एवं नक़ल पर्चा आदि का उपयोग वर्जित है |
8. ऑन लाइन आवेदन –पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश –पत्र प्राप्त कर सकते है अतः आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी |
9. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हाल में प्रवेश हेतु मंडल की वेबसाइट से डाउनलोड किए प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है |
10. आवेदन –पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण पी.ई.बी. द्वारा नही किया जाता है | अतः कंप्यूटर आधारित Online परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibilty) पूर्णतः प्रावधिक (Provisional) होगी|

विशेष नोट : बोर्ड अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली /शहरो /केन्द्रों एवं अन्य विन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है|

म.प्र. माध्यम / 102084 / 2021 विज्ञापन क्र. 07 / 2021

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड

" चयन भवन" ,(ईस्ट) चिनार पार्क ,1 .मेन रोड नं भोपाल 462011 फोन नं-: +91-755-2578801-02.Fax:- +91-755-2550498.

R-46014/2021

कार्यालय प्राचार्य, चन्द्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय सीहोर (म.प्र.)

Ph. : 07562-224156, 224240, Fax : 07562-224240
E-mail : hecsaglcseh@mp.gov.in
Website : www.mp.gov.in/highereducation/sehore

क्र. /21 सीहोर, दिनांक : 17.09.2021

प्रेस विज्ञप्ति

महाविद्यालय में सत्र 2021-22 हेतु अतिथि विद्वान एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर/प्रयोगशाला तकनीशियन कार्य हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाने हैं अतः नीचे दिये गये विवरण अनुसार प्रस्तावित है।

क्र.	विषय	संख्या	अर्हतायें	मानदेय	चयन प्रक्रिया
1.	समाजशास्त्र	01	M.A. Sociology Ph.D./NET/SLET/ M.Phil	125/- रु. प्रति कालखंड	यू.जी.सी. मापदण्डों के आधार पर एवं पूर्णतया मेरिट के आधार पर।
2.	वनस्पतिशास्त्र	01	M.Sc. Botany Ph.D./NET/SLET/ M.Phil	125/- रु. प्रति कालखंड	यू.जी.सी. मापदंडों के आधार पर एवं पूर्णतया मेरिट के आधार पर।
3.	प्राणीशास्त्र	01	M.Sc. Zoology/Aquaculture बी.एससी. एक्वाकल्चर विषय अनिवार्य Ph.D./NET/SLET/M.Phil	125/- रु. प्रति कालखंड	यू.जी.सी. मापदंडों के आधार पर एवं पूर्णतया मेरिट के आधार पर।
4.	कॉमर्स	01	M.Com. Ph.D./NET/SLET/ M.Phil	125/- रु. प्रति कालखंड	यू.जी.सी. मापदंडों के आधार पर एवं पूर्णतया मेरिट के आधार पर।
5.	आधार पाठ्यक्रम (पर्यावरण)	01	M.Sc. Enviromental Science/Botany/Zoology Ph.D./NET/SLET/M.Phil	15000/- रु. प्रति माह	यू.जी.सी. मापदंडों के आधार पर एवं पूर्णतया मेरिट के आधार पर।
6.	आधार पाठ्यक्रम (योग व ध्यान)	01	M.A. Yoga/M.Sc. Yoga/ PG Diploma in Yoga Science/PG Diploma in Yoga Therapy Ph. D./ NET/SLET/M.Phil	15000/- रु. प्रति माह	यू.जी.सी. मापदंडों के आधार पर एवं पूर्णतया मेरिट के आधार पर।

कम्प्यूटर ऑपरेटर/लैब तकनीशियन

	विषय	संख्या	अर्हतायें	मानदेय	चयन प्रक्रिया
7.	प्रयोगशाला तकनीशियन, बायोटेक्नोलॉजी	01	स्नातक बायोटेक्नोलॉजी (हिन्दी व अंग्रेजी कम्प्यूटर टाइपिंग योग्यताधारी को प्राथमिकता)।	तकनीशियन को मानदेय जनभागीदारी समिति द्वारा निर्धारित (कलेक्टर रेट) एवं योग्यता अनुसार दिया जाएगा।	सहचयन परीक्षा के द्वारा
8.	कम्प्यूटर प्रयोगशाला तकनीशियन	01	स्नातक (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी./ कम्प्यूटर एप्लीकेशन/पी.जी.डी.सी.ए. हार्डवेयर डिप्लोमाधारी को प्राथमिकता (हिन्दी व अंग्रेजी टाइपिंग सर्टिफिकेट अनिवार्य है)		सहचयन परीक्षा के द्वारा
9.	प्रयोगशाला तकनीशियन भूगोल	01	स्नातक भूगोल (हिन्दी व अंग्रेजी कम्प्यूटर टाइपिंग योग्यताधारी को प्राथमिकता)।		सहचयन परीक्षा के द्वारा

1. उपरोक्त सरल क्र. 1, 2, 3, 4 अतिथि विद्वान अस्थाई शैक्षणिक व्यवस्था के लिये है।
2. सरल क्रमांक 7, 8 लैब तकनीशियन स्ववित्तीय योजनान्तर्गत 31 मार्च 2022 तक के लिये व्यवस्था रहेंगी।
3. उपरोक्त सरल क्र. 9 लैब तकनीशियन रिक्त पद विरुद्ध अस्थाई शैक्षणिक व्यवस्था के लिये है।
4. चयन प्रक्रिया यू.जी.सी. मापदण्ड के आधार पर पूर्णतः मेरिट पर आधारित होगी। मेरिट अंकों का निर्धारण म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश क्र. 969/एफ-1-9/2016/38-1 भोपाल दिनांक 21.04.2016 के अनुसार होगा।
5. अतिथि विद्वानों के लिये स्नातकोत्तर/एम.फिल/नेट/स्लेट/पी.एचडी. संबंधित विषय में होना अनिवार्य है।
6. महाविद्यालय में पदों की संख्या में परिवर्तन करने एवं कार्य संतोषजनक नहीं पाये जाने पर किसी भी समय अतिथि विद्वान को कार्यमुक्त करने का पूर्ण अधिकार प्राचार्य/सचिव, जनभागीदारी समिति को है।
7. अतिथि विद्वानों को कम से कम 06 घंटे महाविद्यालय में उपस्थित रहना होगा। तथा शैक्षणिक कार्य के अलावा शैक्षणोत्तर कार्यों में भी सहयोग देना होगा।
8. लैब तकनीशियन एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर को महाविद्यालय में कम से कम 07 घंटे रुकना अनिवार्य है।
9. जनभागीदारी मद से अतिथि विद्वानों का मानदेय (समाजशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, प्राणीशास्त्र, कॉमर्स) रु. 125.00 प्रति कालखण्ड रहेगा।
10. जनभागीदारी मद से आमंत्रित आधार पाठ्यक्रम के अतिथि विद्वानों का मानदेय रु. 15000/- प्रतिमाह रहेगा। समय सीमा से कम रुकने के अनुपात से मानदेय काटा जायेगा।
11. विज्ञापन **दिनांक से 10 दिन तक** कार्यालयीन समय में प्राचार्य/सचिव, जनभागीदारी समिति चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, सीहोर को निर्धारित प्रारूप में समस्त प्रमाण-पत्रों की स्वसत्यापित छायाप्रति के साथ आवदेन पत्र प्रस्तुत करें। उक्त दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। प्रत्येक पद एवं विषय के लिए आवेदन अलग-अलग प्रस्तुत करें। लिफाफे के ऊपर विषय एवं पद स्पष्ट रूप से अंकित करें।

संलग्न - आवेदन पत्र का प्रारूप **प्राचार्य**

आवेदन पत्र का प्रारूप

प्रति,
प्राचार्य/सचिव
जनभागीदारी समिति
च.शे.आ.शास.स्ना.अ.महावि. सीहोर (म.प्र.)

1. विषय एवं पदनाम (जिसके लिये आवेदन किया है) : .....
2. अभ्यर्थी का पूरा नाम (अ) हिन्दी में : .....
   (ब) अंग्रेजी में : .....
3. जन्मतिथि : .....
4. पिता/पति का नाम : .....
5. स्थायी पता : .....
6. पत्र व्यवहार का पता एवं फोन/मो.नं. : .....
7. ई-मेल : .....
8. शैक्षणिक योग्यता : .....

क्र.	परीक्षा का नाम	वर्ष	मंडल/वि.वि. का नाम	श्रेणी/प्रतिशत	अनुभव
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					

8. अनुभव : .....
9. अन्य जानकारी देना चाहें : .....

नोट :- हाईस्कूल/हायर/सेकेण्डरी/स्नातक/अनुभव व अन्य प्रमाण पत्रों की स्वसत्यापित प्रति संलग्न करें।

स्थान : **अभ्यर्थी के हस्ताक्षर**.....
दिनांक : **पूरा नाम**.....
फोन/मो.नं.....

घोषणा पत्र

मैं.....एतद् द्वारा घोषणा करता/करती हूं कि मेरे द्वारा उपरोक्तानुसार दी गई जानकारी सत्य है।

स्थान : **अभ्यर्थी के हस्ताक्षर**.....
दिनांक : **पूरा नाम**.....

जी-17374/46003/2021

मध्यप्रदेश शासन, लोक निर्माण विभाग बुरहानपुर संभाग बुरहानपुर

Office Address : Dashmesh Complex, Near Meera Hostal,
Amravati Road Sanjay Nagar, Burhanpur - 450331
Website : www.mp.gov.in/pwdmp, email : eepwdburmp@mp.nic.in
Phone No. 07325-242084

क्र./निविदा क्र. 07/व.ले.लि./नवीन ई-टेण्डर पोर्टल/2021-22 बुरहानपुर, दिनांक : 22.09.2021

निविदा आमंत्रण ई-टेण्डर

निम्नलिखित कार्यों के लिए रजिस्टर्ड ठेकेदार से, जो रजिस्ट्रेशन की शर्तों का मानक रखती है, से ऑनलाइन प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in/** पर देखी जा सकती है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. बी.टी. रिनेवल कार्य असीर चांदनी नेपा मार्ग के कि.मी. 1/2, 4/8 से 6/4, 6/8 से 14/8 कुल लं. 10.20 कि.मी.।

ऑनलाइन ई-निविदा क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	अमानत राशि (रु.)	निविदा प्रपत्र की राशि	ठेकेदार की श्रेणी	1) आमंत्रण क्रमांक 2. समय अवधि
2021_PWDRB_ 160945_1	बुरहानपुर	रु. 103.68	रु. 1,03,680/-	रु. 12,500/-	लोनिवि में केन्द्रीकृत पंजीकृत	द्वितीय 04 माह वर्षाकाल सहित।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. बी.टी. रिनेवल कार्य बुरहानपुर रेल्वे फीडर मार्ग लं. 2.80 कि.मी.।

2021_PWDRB_ 160949_1	बुरहानपुर	रु. 70.89	रु. 70,890/-	रु. 10,000/-	लोनिवि में केन्द्रीकृत पंजीकृत	द्वितीय 03 माह वर्षाकाल सहित।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. बी.टी. रिनेवल कार्य कि.मी. 1/6 से 5/10, 7/2 से 11/4 = 9.00 कि.मी., जसौंदी करोली मार्ग।

2021_PWDRB_ 160950_1	बुरहानपुर	रु. 66.91	रु. 66,910/-	रु. 10,000/-	लोनिवि में केन्द्रीकृत पंजीकृत	द्वितीय 03 माह वर्षाकाल सहित।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. बी.टी. रिनेवल असीर किला पहुंच मार्ग लं. 3.00 कि.मी.।

2021_PWDRB_ 160954_1	बुरहानपुर	रु. 18.78	रु. 37,560/-	रु. 2,000/-	लोनिवि में केन्द्रीकृत पंजीकृत	तृतीय 02 माह वर्षाकाल सहित।

योग (राशि रु. लाख में) **रु. 260.26**

टीप -

1. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। निविदा डाक्यूमेंट क्रय/डाउनलोड प्रारंभ तिथि 28.09.2021 प्रातः 11.30 बजे से एवं अंतिम दिनांक 12.10.2021 सायं 5.30 बजे तक है तथा ऑनलाइन निविदा बिड प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 12.10.2021** सायं 5.30 बजे तक है।
2. स.क्र. 1 से 3 तक के कार्यों की निविदा दर कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग (प./परि.) ओल्ड पलासिया इंदौर (म.प्र.) कार्यालय में दिनांक 14.10.2021 को प्रातः 11.30 बजे खोली जावेगी।
3. स.क्र. 4 के कार्य की निविदा दर अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय में दिनांक 14.10.2021 को प्रातः 11.30 बजे खोली जावेगी।
4. निविदा की विस्तृत शर्तें कार्यालयीन समय में इस कार्यालय तथा उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
जी-17380/46006/2021 **लोक निर्माण विभाग संभाग बुरहानपुर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग उज्जैन,
रेलवे ओव्हर ब्रिज के पास फ्रीगंज उज्जैन (म.प्र.)

Email : eepwdelecujn@mp.nic.in

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 06/(01)/टी.सी./पीडब्ल्यूडी/ईएम/2021-22 उज्जैन, दिनांक : 22.09.2021

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

सं.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. पोल शिफ्टिंग/ 33 के.वी./11 के.वी./एल.टी. लाइन/रोड क्रासिंग का कार्य 6-लेन मार्ग पर मक्सी बायपास चौराहा से भोपाल चौराहा जिला देवास

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	ऑनलाइन रूप में दस्तावेज प्रस्तुत करने का कार्यालय कार्यालयीन पता एवं अंतिम दिनांक व समय
2021_ PWDRB_ 161011_1	देवास	प्लान	प्रथम	96.92	कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन दिनांक 11.10.2021 समय सायं 5.30 बजे तक
	कुल योग			**96.92**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम दिनांक 11.10.2021** सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
मूल ई.एम.डी. रिसिप्ट एवं अन्य दस्तावेज दिनांक 11.10.2021 सायं 17.30 बजे तक दर्शित कार्यालय में ऑनलाइन प्राप्त की जावेगी।

कार्यपालन यंत्री
जी-17378/46005/2021 **लो.नि.वि. (वि./यां.) संभाग उज्जैन, फोन - 0734-2561560**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड सरदारपुर, जिला-धार (म.प्र.)

दूरभाष : 07296-245865, ई-मेल : eephedsardha@mp.gov.in

नि.सू.क्र. 19/2021-22 सरदारपुर, दिनांक : 22.09.2021

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदाएं ई-टेंडर प्रक्रिया के अंतर्गत आमंत्रित किये जाने हेतु विभागीय इंटरनेट साइट पोर्टल **https://www.mptenders.gov.in/** जल जीवन मिशन अंतर्गत खंड सरदारपुर के अंतर्गत विभिन्न विकासखंडों की रेट्रोफिटिंग आधारित नलजल योजना की ड्राईंग डिजाईन अनुसार आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी मय सम्पवेल एवं पंप हाउस आर.सी.सी. सेनेटरी कुंआ, स्टील स्ट्रक्चर पर एच.डी.पी.ई. 5 मीटर उंचाई टैंक सहित निर्माण एवं मुख्य पाइप लाइन, जल वितरण नलिकाएं पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन, 11 केवी इलेक्ट्रिक पावर लाइन एक्सटेंशन कनेक्शन समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित कार्य हेतु निर्धारित प्रक्रिया संपादित की गई है :-

सिस्टम टेण्डर क्र.	कार्य का विवरण	निविदा लागत रु. लाख में	धरोहर राशि रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में	ठेकेदारों की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
2021_PHED_160537_1	मनावर	131.71	1,31,710/-	12500/-	म.प्र. लोक निर्माण विभाग भोपाल में केन्द्रीयकृत प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन	6 माह वर्षाकाल में पूर्ण कर 90 दिनों का सफल परीक्षण करने का कार्य।
2021_PHED_160538_1	मनावर	195.54	1,95,540/-	12500/-		
2021_PHED_160539_1	गंधवानी	197.38	1,97,380/-	12500/-		
2021_PHED_160540_1	गंधवानी	158.04	1,58,040/-	12500/-		
2021_PHED_160541_1	कुक्षी	51.25	51,250/-	10000/-		4 माह वर्षाकाल में पूर्ण कर 90 दिनों का सफल परीक्षण करने का कार्य।
2021_PHED_160542_1	कुक्षी	108.6	1,08,600/-	12500/-		
2021_PHED_160543_1	डही	96.5	96,500/-	10000/-		
2021_PHED_160544_1	सरदारपुर	185.28	1,85,280/-	12500/-		6 माह वर्षाकाल में पूर्ण कर 90 दिनों का सफल परीक्षण करने का कार्य।

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि : **05.10.2021, 17.30 बजे**
ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि : 05.10.2021, 17.30 बजे
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि : 07.10.2021, 11.00 बजे

नोट :- निविदा प्रपत्र सिर्फ उपरोक्त इंटरनेट साइट पर ऑनलाइन पर कैश कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग अकाउण्ट एवं आय.टी. जेड कैश कार्ड के माध्यम से क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदाएं एवं अन्य विवरण उपरोक्त लिखित पोर्टल पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री (प्रोक्योरमेंट)
जी-17376/46004/2021 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड सरदारपुर जिला-धार (म.प्र.)

कार्यालय शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, इन्दौर

नवीन विधि महाविद्यालय के सामने दे.अ.वि.वि. परिसर, खंडवा रोड, भंवर कुआं, इन्दौर
दूरभाष नं. : 0731-2920465 (E-Mail : gpetcindore2014@gmail.com)

क्रमांक/पीईटीसी/2021/194 इन्दौर, दिनांक : 01.10.2021

म.प्र. लोक सेवा आयोग 2019 की साक्षात्कार परीक्षा एवं 2020 की मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये निःशुल्क ऑफलाइन प्रशिक्षण हेतु विज्ञापन

म.प्र. लोक सेवा आयोग **2019 की मुख्य परीक्षा** एवं **2020 की प्रारंभिक परीक्षा** के संभावित परीक्षा परिणाम को देखते हुये शा. परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इन्दौर, म.प्र. अनुसूचित जाति एवं जनजाति के अभ्यर्थियों के निःशुल्क ऑफलाइन प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित करता है।

परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि के पश्चात 01 सप्ताह के भीतर अभ्यर्थी अपने आवेदन कार्यालय समय में संस्था में जमा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि अभ्यर्थी केवल उक्त परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के पश्चात ही आवेदन के पात्र होंगे। प्रशिक्षण प्रारंभ होने की सूचना संस्था द्वारा पृथक से जारी की जायेगी।

प्रशिक्षण हेतु प्रवेश की अन्य आवश्यक शर्तें :

1. आवेदक के परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय 6.00 लाख रु. या इससे कम हो। 2. साक्षात्कार प्रशिक्षण के प्रवेश हेतु केवल वे ही अभ्यर्थी आवेदन करें, जिन्होंने 2019 की मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो। 3. म.प्र. लो.से.आ. मुख्य परीक्षा हेतु केवल वे ही अभ्यर्थी आवेदन करें, जिन्होंने 2020 की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। 4. साक्षात्कार के सभी अभ्यर्थी निर्धारित प्रपत्र अनुसार सभी प्रमाण पत्र संलग्न करेंगे। 5. मुख्य परीक्षा के वे अभ्यर्थी जो पूर्व में शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इन्दौर में प्रारंभिक परीक्षा 2020 के आवेदन मय प्रमाण-पत्रों के प्रेषित कर चुके हैं, उन्हें पुनः प्रमाण पत्र संलग्न करने की आवश्यकता नहीं है। 6. प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी होगा। 7. **आवेदन करने की अंतिम तिथि परीक्षा परिणाम घोषित होने के 01 सप्ताह के भीतर** होगी। 8. प्रशिक्षण में अभ्यर्थियों को निःशुल्क ऑफलाइन प्रशिक्षण दिया जावेगा। आवास सहायता का लाभ नहीं दिया जावेगा। 9. शासन द्वारा जारी कोविड गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होगा।

पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवार जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र सहित निर्धारित प्रपत्रों में आवश्यक दस्तावेजों सहित व्यक्तिगत रूप से अथवा ईमेल : **gpetcindore 2014@gmail.com** द्वारा जमा करना सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी के लिये शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इन्दौर के दूरभाष क्रमांक 0731-2920465 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

प्राचार्य
शा. परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, इन्दौर

अजा./अजजा.

कार्यालय शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इन्दौर
म.प्र. लोक सेवा आयोग 2019 के साक्षात्कार एवं 2020 की मुख्य परीक्षा के ऑफलाइन प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र

स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित रंगीन फोटो

1. पूरा नाम (1) हिन्दी में ..... अंग्रेजी में .....
2. पिताजी का नाम : .....
3. माता का नाम : .....
4. जन्म दिनांक : .....
5. पत्र व्यवहार का पता पिनकोड सहित - ग्राम ..... तहसील .....
   जिला ..... पिनकोड .....
6. स्थाई निवास का पता - ग्राम ..... तहसील .....
   जिला ..... पिनकोड .....
7. जाति : ..... उपजाति .....
8. परिवार के मुखिया का व्यवसाय : ..... मुखिया की वार्षिक आय .....
9. स्वयं का मोबाइल नम्बर : ..... पिता का मो.नं. .....
10. स्वयं का व्यवसाय/सर्विस यदि हो तो : ..... स्वयं की वार्षिक आय .....
11. भाई-बहन सर्विस/व्यवसाय में हो तो उनका पद व आय : .....
12. आवेदक का ई-मेल आईडी : ..... आधार कार्ड नं. : .....
13. शैक्षणिक योग्यता :

क्र.	शिक्षा (संकाय सहित)	विषय	मण्डल/वि.वि.	श्रेणी	प्रतिशत	रिमार्क
1.	हाईस्कूल					
2.	हायर सेकेंडरी					
3.	स्नातक					
4.	स्नातकोत्तर					
5.	अन्य					

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बीना जिला-सागर (म.प्र.)

(महाराजा छात्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर से सम्बद्ध)
ई-मेल : hegpgcbinsag@mp.gov.in,
वेबसाइट : www.mp.gov.in/HigherEducationMP/gpgcbina
दूरभाष नं. : (07580) 222051, फैक्स नं. : (07580) 221220

क्र. 2058/2021 बीना, दिनांक : 17.09.2021

अध्यापन व्यवस्था हेतु विज्ञप्ति

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बीना की जनभागीदारी समिति के अंतर्गत सत्र 2021-22 में संचालित स्ववित्तीय पाठ्यक्रमों के अध्यापन कार्य हेतु निम्नानुसार पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। अनिवार्य अर्हता प्राप्त आवेदक अपना आवेदन समस्त स्वप्रमाणित दस्तावेज के साथ विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 10 दिन के भीतर कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से या डाक द्वारा जमा कर सकते हैं निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

क्र.	विषय/पाठ्यक्रम	अतिथि विद्वानों की संख्या	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	मानदेय (रुपये प्रतिमाह)
1.	बी.सी.ए.	01	एम.सी.ए. में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक	20000/- अधिकतम
2.	बायोटेक्नॉलाजी	01	एम.एससी. (बायोटेक्नोलॉजी) में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक	20000/- अधिकतम
3.	औद्योगिक रसायन	01	एम.एससी. (औद्योगिक रसायन) में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक	20000/- अधिकतम

01. अतिथि विद्वानों के चयन हेतु गुणानुक्रम निर्धारण उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश द्वारा निर्धारित योग्यता, अनुभव के अंक संबंधी नियम एवं प्रक्रिया प्रयोग की जायेगी, छूट की पात्रता शासकीय नियमानुसार होगी।
02. आमंत्रित आवेदकों को प्राचार्य द्वारा सौंपे गये शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर कार्य का संपादन करना होगा।
03. आमंत्रित अतिथि विद्वानों की महाविद्यालय में नियमित उपस्थिति दर्ज होगी जिसके लिये महाविद्यालय में न्यूनतम 05 घंटे रुकना अनिवार्य होगा, तद्नुसार ही संबंधित का पारिश्रमिक देय होगा।
04. उक्त व्यवस्था पूर्णतः अस्थाई है। आमंत्रित आवेदक किसी भी हैसियत से महाविद्यालय स्थापना के अंतर्गत मान्य नहीं होंगे तथा लोक सेवक की विधि विहित परिभाषा के अंतर्गत लोक सेवक मान्य नहीं है।
05. आमंत्रित आवेदक का कार्य असंतोषजनक/अनुशासनहीन आचरण होने पर अथवा अन्यत्र कहीं भी नियोजित सिद्ध हो जाने पर आमंत्रण व्यवस्था बिना किसी सूचना के समाप्त की जा सकेगी। इस संबंध में प्राचार्य का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा तथा उसके स्थान पर गुणानुक्रम में अन्य को आमंत्रित करने का प्राचार्य को अधिकार होगा।
06. आवेदन पत्र मध्यप्रदेश शासन, की वेबसाइट एवं समाचार पत्र में इस विज्ञप्ति प्रकाशित होने के दिनांक से 10 दिवस के अंदर महाविद्यालय में कार्यालय समय सायं 05.30 तक प्राप्त हो जाने चाहिए।
07. आवेदन पत्र को आवेदक द्वारा अपने मोबाइल नम्बर सहित अपना सम्पूर्ण विवरण समस्त प्रमाणित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है। आवेदन के साथ समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्र, अनुभव एवं जाति संबंधी प्रमाण पत्रों की प्रमाणित प्रति आवश्यक रूप से संलग्न की जावे।
08. आवेदन पत्र के लिफाफे पर विषय/पद अनिवार्य रूप से लिखें। चयन के संबंध में अंतिम निर्णय जनभागीदारी समिति का होगा।
09. आवेदन करने पर यह माना जायेगा कि आवेदक को इस विज्ञप्ति की समस्त शर्तें मंजूर हैं।
10. उपरोक्तानुसार प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर बनाई गई मेरिट सूची सत्र 2021-22 के लिये मान्य होगी।

प्राचार्य/सचिव
जी-17414/46008/2021 **जनभागीदारी समिति, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बीना (म.प्र.)**

14. संलग्न : 1. म.प्र.लो.से. आयोग की प्रारंभिक परीक्षा 2020/मुख्य परीक्षा 2019 परीक्षा परिणाम की छायाप्रति।
2. आय, जाति, मूल निवासी प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित छायाप्रतियां।
3. हाईस्कूल, हा.से., स्नातक, स्नातकोत्तर अंकसूचियों की अभिप्रमाणित छायाप्रति।
4. आधार कार्ड की छायाप्रति।
5. स्वयं के बैंक खाते की पासबुक की फोटोकॉपी।
6. एक अतिरिक्त रंगीन फोटो भी संलग्न करें।

दिनांक : हस्ताक्षर आवेदक
नाम :
पता :
मो.नं. :

घोषणा पत्र

मैं ..... घोषणा करता हूं/करती हूं कि संस्थान में अनुशासन, मर्यादा, समय प्रबंधन का पालन करते हुये नियमित उपस्थित रहकर सभी मूल्यांकन दूंगा/दूंगी। जिला प्रशासन द्वारा जारी कोविड गाइडलाइन का पूर्णतः पालन करूंगी। उल्लंघन करने पर मेरा नाम तत्काल प्रभाव से खारिज किया जा सकता है।

स्थान : **हस्ताक्षर आवेदनकर्ता**
दिनांक : **नाम** .....
जी-17677/46011/2021

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक-01, होशंगाबाद (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 29/2021-22/e-Tender/Hbad **दिनांक : 17.09.2021**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :-

स. क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (लाख में)
1.	2021_PWDRB_160603	होशंगाबाद	बी.टी. रिनीवल	सोहागपुर, गुंदरई, करनपुर, आमादेही मार्ग पर बी.टी. रिनीवल कार्य।	प्रथम	28.92
2.	2021_PWDRB_160604	होशंगाबाद	बी.टी. रिनीवल	नयागांव, सियारखेड़ा, सेहरा, कामठी, टेकापार मार्ग पर बी.टी. रिनीवल कार्य।	प्रथम	115.70
3.	2021_PWDRB_160605	होशंगाबाद	बी.टी. रिनीवल	सेमरीतला से पुरैना मार्ग के कि.मी. 1 से 4.15 में बी.टी. रिनीवल कार्य।	प्रथम	31.20
4.	2021_PWDRB_160606	होशंगाबाद	बी.टी. रिनीवल	माथनी से सेमरीतला मार्ग के कि.मी. 1 से 3 में बी.टी. रिनीवल कार्य।	प्रथम	22.65
5.	2021_PWDRB_160607	होशंगाबाद	ए.आर./एस.आर. भवन कार्य	सिवनी मालवा उपसंभाग में सांसद/विधायक निधि, जनभागीदारी, ए.आर., एस.आर. कार्य तथा रहवासी एवं गैर रहवासी भवनों में कार्य।	प्रथम	19.96
6.	2021_PWDRB_160609	होशंगाबाद	ए.आर. कार्य	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग होशंगाबाद के मुख्यालय क्र. 2 के गैर रहवासी भवनों में रंगाई, पुताई कार्य।	प्रथम	8.00
7.	2021_PWDRB_160610	होशंगाबाद	ए.आर. कार्य	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग होशंगाबाद के मुख्यालय क्र. 1 के रहवासी भवनों में रंगाई, पुताई कार्य।	प्रथम	10.00
8.	2021_PWDRB_160611	होशंगाबाद	ए.आर. कार्य	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग होशंगाबाद के मुख्यालय क्र. 1 के गैर रहवासी भवनों में रंगाई, पुताई कार्य।	प्रथम	10.00
9.	2021_PWDRB_160612	होशंगाबाद	ए.आर. कार्य	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग होशंगाबाद के मुख्यालय क्र. 2 के रहवासी भवनों में रंगाई, पुताई कार्य।	प्रथम	17.19
10.	2021_PWDRB_160613	होशंगाबाद	सामग्री संग्रहण	सिवनी मालवा उपसंभाग के अंतर्गत सिवनी मालवा सेक्शन के विभिन्न मार्गों पर बी.टी. पेच रिपेयर सामग्री संग्रहण कार्य।	प्रथम	19.50
11.	2021_PWDRB_160889	होशंगाबाद	सामग्री संग्रहण	पचमढ़ी उपसंभाग के अंतर्गत मुख्यालय सेक्शन के विभिन्न मार्गों पर बी.टी. पेच रिपेयर सामग्री संग्रहण कार्य।	प्रथम	10.00
12.	2021_PWDRB_160934	होशंगाबाद	पुलिया मरम्मत	सिवनी मालवा उपसंभाग के अंतर्गत मार्गों पर पुलिया मरम्मत कार्य।	प्रथम	17.85
13.	2021_PWDRB_160935	होशंगाबाद	बी.टी. पेच रिपेयर	सिवनी मालवा उपसंभाग के सोनखेड़ी, हिरनखेड़ा, सोमलवाड़ा मार्ग पर बी.टी. पेच रिपेयर कार्य।	प्रथम	15.00
14.	2021_PWDRB_160937	होशंगाबाद	बी.टी. पेच रिपेयर	सिवनी मालवा उपसंभाग के भीलटदेव से नंदरवाड़ा, कोयलाझिर, सालई, पारछा मार्ग पर बी.टी. पेच रिपेयर कार्य।	प्रथम	15.00
15.	2021_PWDRB_160938	होशंगाबाद	बी.टी. पेच रिपेयर	सिवनी मालवा उपसंभाग के सिवनी मालवा बायपास मार्ग पर बी.टी. पेच रिपेयर कार्य।	प्रथम	15.00
16.	2021_PWDRB_160939	होशंगाबाद	बी.टी. पेच रिपेयर	सिवनी मालवा उपसंभाग के सिवनी मालवा शिवपुर मार्ग सिवनी मालवा बायपास मिसिंग लिंक मार्ग पर बी.टी. पेच रिपेयर कार्य।	प्रथम	15.00
17.	2021_PWDRB_160940	होशंगाबाद	बी.टी. पेच रिपेयर	सिवनी मालवा उपसंभाग के अंतर्गत भीलटदेव से गाजनपुर मार्ग, गाजनपुर से नंदरवाड़ा मार्ग, ढाबाखुर्द से पतलई मार्ग, खकरापुरा, बेंद्रीपुरा, बेहराखेड़ी, खरार से पिपलिया, काली छापर मार्ग एवं रतवाड़ा से धामनी मार्ग पर बी.टी. पेच रिपेयर कार्य।	प्रथम	12.00
18.	2021_PWDRB_160941	होशंगाबाद	रंगाई पुताई	सिवनी मालवा उपसंभाग के रहवासी एवं गैर रहवासी भवनों में रंगाई, पुताई कार्य।	प्रथम	5.00
19.	2021_PWDRB_161102	होशंगाबाद	एस.आर./एस.ओ. डब्ल्यू.	होशंगाबाद उपसंभाग के मुख्यालय क्र. 1 के शासकीय रहवासी भवनों में एस.आर./एम.ओ.डब्ल्यू. एवं मरम्मत कार्य।	प्रथम	19.91
20.	2021_PWDRB_161103	होशंगाबाद	एस.आर./एम.ओ. डब्ल्यू.	होशंगाबाद उपसंभाग के मुख्यालय क्र. 1 के शासकीय गैर रहवासी भवनों में एस.आर./एम.ओ.डब्ल्यू. एवं मरम्मत कार्य।	प्रथम	19.88
21.	2021_PWDRB_161104	होशंगाबाद	एस.आर./एम.ओ. डब्ल्यू.	होशंगाबाद उपसंभाग के मुख्यालय क्र. 2 के शासकीय गैर रहवासी भवनों में एस.आर./एम.ओ.डब्ल्यू. एवं मरम्मत कार्य।	प्रथम	19.65
22.	2021_PWDRB_161105	होशंगाबाद	एस.आर./एम.ओ. डब्ल्यू.	होशंगाबाद उपसंभाग के मुख्यालय क्र. 2 के शासकीय रहवासी भवनों में एस.आर./एम.ओ.डब्ल्यू. एवं मरम्मत कार्य।	प्रथम	10.00
				योग		**457.41**

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेन्ट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 06.10.2021** सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही प्राप्त किए जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संभाग होशंगाबाद

जी-17392/46009/2021

कार्यालय शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, इन्दौर

नवीन विधि महाविद्यालय के सामने दे.अ.वि.वि. परिसर खंडवा रोड, भंवर कुआं, इन्दौर
दूरभाष नं. : 0731-2920465, (E-Mail : gpetcindore2014@gmail.com)

क्रमांक/पीईटीसी/2021/193 **इन्दौर, दिनांक 01.10.2021**

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति की छात्राओं को बी.एस-सी. नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा की तैयारी का प्रशिक्षण

शासन द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र बी.एस-सी. नर्सिंग की पात्रता प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति की पात्र छात्राओं के आवेदन आमंत्रित करता है। निर्धारित सीटों की संख्या 50 है। प्रावीण्यता के आधार पर प्रवेश सुनिश्चित होगा।
आवेदन करने की **अंतिम तिथि 28 अक्टूबर, 2021** एवं कक्षाएं **प्रारंभ होने की तिथि 01 नवंबर, 2021** होगी। आवेदन शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इन्दौर के दिये गये पते पर कार्यालयीन समय में जमा किये जा सकेंगे।

बी.एस-सी. नर्सिंग की पात्रता परीक्षा की तैयारी हेतु प्रवेश की अन्य आवश्यक शर्तें :

1. अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से मा.शि.म. म.प्र./म.प्र. राज्य मुक्त शिक्षा परिसर भोपाल/सी.बी.एस.सी./आय.सी.एस.सी. से मान्यता प्राप्त विद्यालयों से (10+2) शिक्षा पद्धति से 12वीं भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, जीव विज्ञान और अंग्रेजी विषयों को लेकर न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना चाहिये। 2. म.प्र. का मूल निवासी हो। 3. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति परित्यक्ता/विधवाओं (नान क्रीमीलेयर) के अभ्यर्थियों की 01 जुलाई, 2021 को न्यूनतम आयु 17 वर्ष एवं अधिकतम आयु 40 वर्ष होगी। 4. अधिकतम आयु सीमा के संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी संशोधन लागू समझे जायेंगे। 5. आवेदक के परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय 6.00 लाख रु. या इससे कम हो। 6. प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी होगा। 7. प्रशिक्षण में अभ्यर्थियों को निःशुल्क ऑफलाइन प्रशिक्षण दिया जावेगा। आवास सहायता का लाभ नहीं दिया जावेगा। 8. प्रशिक्षण की अधिकतम अवधि 3 माह होगी। 9. शासन द्वारा जारी कोविड गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होगा। 10. कोविड टीकाकरण का प्रमाण-पत्र जमा करना होगा।

पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवार जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र सहित निर्धारित प्रपत्रों में आवश्यक दस्तावेजों सहित रजिस्टर्ड डाक द्वारा या व्यक्तिगत रूप से कार्यालयीन पते पर जमा करना सुनिश्चित करें।
अधिक जानकारी के लिये शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इन्दौर के दूरभाष क्रमांक 0731-2920465 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

प्राचार्य
शा. परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इन्दौर

अजा./अजजा.

कार्यालय शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इन्दौर
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति की छात्राओं को
बी.एस.-सी. नर्सिंग के प्रवेश हेतु ऑफलाइन प्रशिक्षण का आवेदन पत्र

स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित रंगीन फोटो

1. पूरा नाम (1) हिन्दी में ..... अंग्रेजी में .....
2. पिताजी का नाम : .....
3. माता का नाम : .....
4. जन्म दिनांक : .....
5. पत्र व्यवहार का पता पिनकोड सहित - ग्राम ..... तहसील .....
   जिला ..... पिनकोड .....
6. स्थाई निवास का पता - ग्राम ..... तहसील .....
   जिला ..... पिनकोड .....
7. जाति : ..... उपजाति .....
8. परिवार के मुखिया का व्यवसाय : ..... मुखिया की वार्षिक आय .....
9. स्वयं का मोबाइल नम्बर : ..... पिता का मो.नं. .....
10. आवेदक का ई-मेल आईडी : .....
11. शैक्षणिक योग्यता :

क्र.	शिक्षा (संकाय सहित)	विषय	मण्डल/वि.वि.	श्रेणी	प्रतिशत	रिमार्क
1.	हाईस्कूल					
2.	हायर सेकेंडरी					
3.	अन्य					

12. संलग्न : 1. आय, जाति, मूल निवासी प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित छायाप्रतियां।
2. हाईस्कूल, हा.से. अंकसूचियों की अभिप्रमाणित छायाप्रति।
3. आधार कार्ड की छायाप्रति।
4. स्वयं के बैंक खाते की पासबुक की फोटोकॉपी।
5. एक अतिरिक्त रंगीन फोटो भी संलग्न करें।
6. कोविड टीकाकरण का प्रमाण-पत्र।

दिनांक : हस्ताक्षर आवेदक
नाम :
पता :
मो.नं. :

घोषणा पत्र

मैं ..... घोषणा करती हूं कि संस्थान में अनुशासन, मर्यादा, समय प्रबंधन का पालन करते हुये नियमित उपस्थित रहकर सभी मूल्यांकन दूंगी। बी.एस-सी. नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा में अवश्य सम्मिलित होऊंगी एवं रोल नं. प्राप्त होने पर तत्काल संस्था को अवगत कराऊंगी। जिला प्रशासन द्वारा जारी कोविड गाइडलाइन का पूर्णतः पालन करूंगी। उल्लंघन करने पर मेरा नाम तत्काल प्रभाव से खारिज किया जा सकता है।

स्थान : **हस्ताक्षर आवेदनकर्ता**
दिनांक : **नाम** .....

जी-17691/46010/2021

म.प्र. पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर
इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
फोन नं. : 0734-2527715, मोबाइल : 9406808103
ई-मेल : mpphcl_ujjain@yahoo.in

क्र. 1086 /पयं/मप्रपुहाइडेकालि/21/उज्जैन **दिनांक : 28.09.2021**

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 19/2021-22

मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक 19/2021-22 दिनांक 28.9.2021 के अंतर्गत शासकीय उ.मा.वि. गुलाना, जिला शाजापुर के शाला भवन में आधारभूत संरचना एवं अन्य घटकों के सुदृढ़ीकरण/उन्नयन कार्य की ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. **2021_MPPHC_161770** आमंत्रित की गई है।
निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 29.9.2021 17.00 बजे से क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/102106/46016/2021 **परियोजना यंत्री**

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

हिन्दी साहित्य

नोट :- प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिए गए हैं। आपको इनमें से सही उत्तर का चयन करना है।

1. 'ण' वर्ण का उच्चारण स्थान है?
A) तालु B) मूर्धा
C) वर्त्स D) कंठ।
उत्तर : B) मूर्धा

2. निम्नलिखित में से जयशंकर प्रसाद का कौन-सा नाटक कल्हण की राजतरंगिणी पर आधारित है?
A) राज्य श्री
B) विशारद
C) जनमेजय का नागयज्ञ
D) अजात शत्रु।
उत्तर : B) विशारद

3. 'मुड़-मुड़कर देखता हूं' किसकी आत्मकथा है?
A) राजेन्द्र यादव
B) भीष्म साहनी
C) रवीन्द्र कालिया
D) कमलेश्वर।
उत्तर : A) राजेन्द्र यादव

4. 'महाकाल' उपन्यास के लेखक हैं?
A) अमृत राय
B) अमृत लाल नागर
C) विष्णु प्रभाकर
D) उदय शंकर भट्ट।
उत्तर : B) अमृत लाल नागर

5. 'सूरदास जब अपने प्रिय विषय पर वर्णन शुरू करते हैं, तो मानो अलंकार शास्त्र हाथ जोड़कर उनके पीछे-पीछे दौड़ा करता है, उपमाओं की बाढ़ आ जाती है, रूपकों की वर्षा होने लगती है' उपर्युक्त कथन किस आलोचक का है?
A) रामचन्द्र शुक्ल
B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
C) नंद दुलारे वाजपेयी
D) हरवंश लाल शर्मा।
उत्तर : B) हजारी प्रसाद द्विवेदी

6. 'प्रेमचन्द और उनका युग' के लेखक हैं?
A) हंसराज रहबर
B) इन्द्रनाथ मदान
C) नंद दुलारे वाजपेयी
D) राम विलास शर्मा।
उत्तर : D) राम विलास शर्मा।

7. निम्नलिखित निबंध संग्रहों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित करें?

A) आस्था और सौन्दर्य	1 निर्मल वर्मा
B) अपनी-अपनी बीमारी	2 विद्या निदान मिश्र
C) कला का जोखिम	3. रामविलास शर्मा
D) तमाल के झरोखे से	4 हरिशंकर परसाई
	5 बाल मुकुंद गुप्त।

	A	B	C	D
A)	4	1	5	3
B)	3	4	1	2
C)	4	2	5	1
D)	5	3	1	2

उत्तर : B) 3 4 1 2

8. प्रकाशन वर्ष के अनुसार उषा प्रियंवदा के उपन्यासों का सही अनुक्रम है?
A) पचपन खंबे लाल दीवारें, रुकोगी नहीं राधिका, अंतर्वशी, शेष यात्रा
B) अंर्तवशी, पचपन खंबे लाल दीवारें, शेष यात्रा, रुकोगी नहीं राधिका
C) पचपन खंबे लाल दीवारें, रुकोगी नहीं राधिका, शेष यात्रा, अंतर्वशी
D) शेष यात्रा, पचपन खंबे लाल दीवारें, रुकोगी नहीं राधिका, अंतर्वशी।
उत्तर : C) पचपन खंबे लाल दीवारें, रुकोगी नहीं राधिका, शेष यात्रा, अंतर्वशी

9. 'रसकलश' किसकी रचना है?
A) श्रीधर पाठक
B) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरि औध'
C) गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही'
D) मैथलीशरण गुप्त।
उत्तर : B) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरि औध'

10. निम्न में से 'नासिक्य' व्यंजन कौन-सा है?
A) ष B) ञ
C) ग D) ज।
उत्तर : B) ञ

11. अभ्युदय शब्द में कौन-सी संधि है?
A) गुण B) अयादि
C) यण D) दीर्घ।
उत्तर : C) यण

12. 'कुटज' के रचयिता हैं?
A) शांतिप्रिय द्विवेदी
B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
C) कुबेर नाथ राय
D) विद्या निदान मिश्र।
उत्तर : B) हजारी प्रसाद द्विवेदी

13. 'सूर सागर' काव्य का रूप क्या है?
A) प्रबंध काव्य
B) महाकाव्य
C) खण्ड काव्य
D) गीति काव्य।
उत्तर : A) प्रबंध काव्य

14. दुःख ही जीवन की कथा रही। क्या कहूं आज जो नहीं कही।। प्रस्तुत पंक्तियों के रचयिता का नाम है?
A) महादेवी वर्मा
B) जय शंकर प्रसाद
C) सुमित्रा नंदन पंत
D) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।
उत्तर : D) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

15. 'मृणाल' किस उपन्यास की प्रमुख पात्र है?
A) निर्वासित B) परख
C) त्यागपत्र D) अंतराल।
उत्तर : C) त्यागपत्र

16. 'दुःखिनी बाला' नाटक के लेखक हैं?
A) श्री निवास दास
B) राधाकृष्ण दास
C) किशोरीलाल गोस्वामी
D) प्रताप नारायण मिश्र।
उत्तर : B) राधाकृष्ण दास

17. इनमें से जैन धर्म का संबंध किस कवि से नहीं है?
A) स्वयं भू B) धनपाल
C) जोइन्दु D) विद्यापति।
उत्तर : D) विद्यापति।

18. इनमें से कौन राष्ट्रीय काव्य धारा के कवि नहीं हैं?
A) रामनरेश त्रिपाठी
B) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
C) माखनलाल चतुर्वेदी
D) श्रीधर पाठक।
उत्तर : D) श्रीधर पाठक

19. 'खग कुल-कुल-कुल सा बोल रहा है' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
A) उत्प्रेक्षा अलंकार
B) उपमा अलंकार
C) श्लेष अलंकार
D) यमक अलंकार।
उत्तर : D) यमक अलंकार।

20. रसोत्पत्ति में आश्रय की चेष्टाएं क्या कही जाती हैं?
A) विभाव B) आलम्बन
C) अनुभाव D) उद्दीपन।
उत्तर : C) अनुभाव

21. निम्नलिखित में से कौन-सा घोष वर्ण है?
A) ख B) च
C) म D) ठ।
उत्तर : C) म

22. 'चार्ल्स इलियट' ने इनमें से किस ग्रंथ का प्रकाशन कराया?
A) परमाल रासो
B) आल्ह खण्ड
C) पृथ्वीराज रासो
D) बीसल देव रासो।
उत्तर : B) आल्ह खण्ड

23. उस काल मारे कोध के, तन कांपने उसका लगा। मानो हवा के जोर से, सोता हुआ सागर जगा।। प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा रस है?
A) वीर रस
B) रौद्र रस
C) अद्भुत रस
D) करुण रस।
उत्तर : B) रौद्र रस

24. तुलसीदास कृत 'विनय पत्रिका' की भाषा है?
A) ब्रज भाषा
B) अवधी
C) भोजपुरी
D) खड़ी बोली।
उत्तर : A) ब्रज भाषा

25. खड़ी बोली हिन्दी के पहले कवि हैं?
A) हरिऔध
B) विद्यापति
C) अमीर खुसरो
D) जयशंकर प्रसाद।
उत्तर : C) अमीर खुसरो

26. छत्रसाल और शिवाजी की वीरता का वर्णन किस कवि ने किया है?
A) केशव B) भूषण
C) विहारी D) ग्वाल
उत्तर : B) भूषण

27. 'आकाश में बातें करना' मुहावरे का अर्थ है?
A) बहुत ऊंचा होना
B) बहुत तेज दौड़ना
C) अभिमान करना
D) कल्पना करना।
उत्तर : A) बहुत ऊंचा होना

28. 'नीम हकीम खतरे जान' मुहावरे का अर्थ है?
A) डींग हाकना
B) बीमारी का गलत इलाज होना
C) खतरनाक चीजें
D) अल्प विद्या भयंकर होना।
उत्तर : D) अल्प विद्या भयंकर होना।

29. 'अरे यायावर रहेगा याद' किसके द्वारा रचित यात्रा वृत है?
A) रामवृक्ष बेनीपुरी
B) अज्ञेय
C) राहुल सांकृत्यायन
D) यशपाल।
उत्तर : B) अज्ञेय

30. प्रेममार्गी काव्य का प्रधान रस है?
A) वात्सल्य
B) वीर
C) श्रृंगार
D) शांत।
उत्तर : C) श्रृंगार

31. हिन्दी का आदि कवि किसे माना जाता है?
A) अब्दुल रहमान
B) सरहपा
C) स्वयं भू
D) पुष्प दंत
उत्तर : C) स्वयं भू

32. 'पंच-परमेश्वर' कहानी के लेखक हैं?
A) रामधारी सिंह दिनकर
B) प्रेमचंद
C) मैथली शरण गुप्त
D) सुमित्रा नन्दन पंत।
उत्तर : B) प्रेमचंद

33. 'सांच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप' इस पंक्ति के रचयिता हैं?
A) कबीर दास
B) मीरा
C) जायसी
D) रसखान।
उत्तर : A) कबीर दास

34. लक्षण ग्रंथ का अर्थ है?
A) नायिका भेद
B) काव्यांग निरूपण
C) रस निष्पत्ति
D) गुण-दोष।
उत्तर : B) काव्यांग निरूपण

35. बसो मेरे नैनन में नन्दलाल किसकी पंक्ति है?
A) सूरदास
B) नन्ददास
C) मीराबाई
D) कृष्णदास।
उत्तर : C) मीराबाई

36. 'बरवै रामायण' किसकी रचना है?
A) केशव दास
B) तुलसी दास
C) नदे दास
D) सूरदास।
उत्तर : B) तुलसी दास

37. निम्नलिखित में से द्रविड़ परिवार की भाषा कौन-सी है?
A) उड़िया
B) बंगला
C) असमिया
D) कन्नड़।
उत्तर : D) कन्नड़।

38. किस क्षेत्र की बोली को 'कशिका' कहा गया है?
A) बैसवाड़ा
B) आरा-भोजपुर
C) बनारस
D) मगध।
उत्तर : C) बनारस

39. इनमें से किस बोली का बिहारी हिन्दी से संबंध नहीं है?
A) अवधी
B) मगधी
C) भोजपुरी
D) मैथली।
उत्तर : A) अवधी

40. जो नर दुःख में दुःख नहीं मानै। सुख सनेह अरू भय नहीं जोके, कंचन माटी जानै, इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं?
A) कबीर दास
B) गुरुनानक
C) रैदास
D) सूरदास।
उत्तर : B) गुरुनानक

41. आज मैं अकेला हूं, अकेले रहा नहीं जाता। जीवन मिला है यह, रतन मिला है यह।। उपर्युक्त काव्य पंक्तियां किस कवि की हैं?
A) त्रिलोचन
B) केदार नाथ
C) नागार्जुन
D) रघुवीर सहाय।
उत्तर : A) त्रिलोचन

42. निम्नलिखित में से किस उपन्यास को स्त्री लेखन का प्रस्थान बिन्दु माना जाता है?
A) आवां
B) कठ गुलाब
C) चाक
D) मित्रो मरजानी।
उत्तर : D) मित्रो मरजानी।

43. निम्नलिखित में से दो समानान्तर कथा प्रसंगों पर चलने वाला शंकर शेष का नाटक है?
A) कोमल गांधार
B) पोस्टर
C) एक और द्रोणाचार्य
D) अरे मायावी सरोवर।
उत्तर : C) एक और द्रोणाचार्य

44. 'ठेस' कहानी के लेखक हैं?
A) जयशंकर प्रसाद
B) फणीश्वर नाथ रेणु
C) अमरकांत
D) मोहन राकेश।
उत्तर : B) फणीश्वर नाथ रेणु

45. प्रकाशनकाल के आधार पर भीष्म साहनी के नाटकों का सही क्रम है?
A) हानूश, माधवी, मुआवजे, आलम गीर
B) माधवी, आलम गीर, हानूश, मुआवजे
C) हानूश, मुआवजे, आलम गीर, माधवी
D) मुआवजे, हानूश, माधवी, आलम गीर।
उत्तर : A) हानूश, माधवी, मुआवजे, आलम गीर

46. कबीर की रचनाओं का संग्रह है?
A) सबद
B) रमैनी
C) साखी
D) बीजक।
उत्तर : D) बीजक।

47. किस कृति में राम कथा का वर्णन नहीं है?
A) संशय की एक रात
B) अग्नि लीक
C) राम की शक्ति पूजा
D) साकेत।
उत्तर : A) संशय की एक रात

48. "मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई, जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई" इन पक्तियों में कौन-सा रस है?
A) शांत
B) श्रृंगार
C) करुण
D) हास्य।
उत्तर : B) श्रृंगार

49. पाप-पुण्य में कौन-सा समास है?
A) कर्मधारय समास
B) द्वन्द्व समास
C) तत्पुरुष समास
D) बहुब्रीहि समास।
उत्तर : B) द्वन्द्व समास

50. देशांतर में कौन-सा समास है?
A) बहुब्रीहि समास
B) द्विगु समास
C) तत्पुरुष समास
D) कर्मधारय समास
उत्तर : C) तत्पुरुष समास

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

अच्छे स्वभाव से वह सब पाया जा सकता है, जो आप पाने की इच्छा रखते हैं - ल्यूमिनिटा डी.

निरंतरता एवं अनुशासन से प्राप्त किया लक्ष्य

सिविल सेवा परीक्षा में 223वें स्थान पर चयनित ग्वालियर के मेधावी छात्र आशुतोष श्रीवास्तव से साक्षात्कार

मध्यप्रदेश के ग्वालियर महानगर के दानाओली में रहने वाले एक आम मध्यमवर्गीय परिवार से निकलकर सिविल सर्विस में सफल होने वाले आशुतोष श्रीवास्तव केवल ग्वालियर चंबल ही नहीं अपितु समूचे मध्यप्रदेश व देशभर के युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्होंने बीते सप्ताह संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विस परीक्षा 2020 में 223वीं रैंक प्राप्त की है। कहते हैं कि सफलता के लिए लगन के साथ कड़ी मेहनत और निरंतरता प्रथम आवश्यकता है। ग्वालियर के होनहार बेटे आशुतोष श्रीवास्तव ने कदम दर कदम चलते हुए 2013 से अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल की और इस बीच वे सिविल सर्विस की तैयारी में जुटे रहे और निरंतर तीन सालों से उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा में अलग-अलग सेवाओं में सफलता अर्जित की। ग्वालियर के मेधावी छात्र आशुतोष श्रीवास्तव ने निरंतरता एवं अनुशासन से इस बार उच्च वरीयता प्राप्त की है। प्रस्तुत हैं साक्षात्कार के प्रमुख अंश -

प्रश्न- सर्वप्रथम आपको सफलता के लिए धन्यवाद। आपने परीक्षा में कौन-से विषय लिए थे?

उत्तर- धन्यवाद, मैंने मुख्य परीक्षा के लिए राजनीति विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध को अपना मुख्य विषय चुना था।

प्रश्न- इन विषयों की पढ़ाई के लिए कौन-सी किताबें पढ़ीं। किताब का नाम और लेखक का नाम बताइए?

उत्तर- मैंने एनसीईआरटी की 10वीं से 12वीं तक की पुस्तकें पढ़ीं और उनसे अपना बेस तैयार किया। राजनीति विज्ञान विषय की वृहत तैयारी के लिए मैंने ओ.पी. कोहबा की पॉलीटिकल थॉट, एम. लक्ष्मीकांत की इंडियन पॉलिसी सहित हर विषय की स्तरीय पुस्तकें प्रमुख रूप से पढ़ीं। शुभ्रा रंजन के नोट्स से मुझे बहुत मदद मिली।

प्रश्न- आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि क्या है?

उत्तर- मैं एक आम मध्यवर्गीय परिवार से हूं। मेरे परिवार में पिता श्री प्रदीप श्रीवास्तव एक एडवोकेट हैं। मेरी मां श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव एक समर्पित गृहिणी हैं। हम दो भाई हैं। मेरे बड़े भाई फार्मा कंपनी में मैनेजर हैं।

प्रश्न- आपकी प्रारंभिक शिक्षा कहां से हुई?

उत्तर- मैंने अपनी स्कूली पढ़ाई केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक एक, ग्वालियर से पूरी की है। इसके बाद माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, ग्वालियर से बीई की डिग्री इलेक्ट्रॉनिक्स विषय से पूरी की।

प्रश्न- इस परीक्षा के लिए आपको मोटीवेशन कहां से मिला, परीक्षा की तैयारी के लिए आपको सहयोग कहां से मिला?

उत्तर- मैं एक आम मध्यमवर्गीय परिवार से हूं एवं मेरा मानना है कि मध्यमवर्गीय परिवार एवं निम्न मध्यमवर्गीय परिवार सरकारी योजनाओं, प्रशासन आदि की कार्यप्रणाली से अधिक प्रभावित रहते हैं एवं वे इससे अपने दैनिक जीवन में दो-चार होते हैं। बीई करने के बाद मैंने टीसीएस कंपनी में कुछ समय के लिए नौकरी की मगर मैं आत्मसंतुष्ट नहीं था एवं कुछ अलग करना चाहता था। मैं आम जनता के बेहतर जीवन के लिए योगदान देना चाहता था और इस कारण मैंने सिविल सेवा को अपना लक्ष्य चुना। मैंने समर्पण और लगन से तैयारी शुरू कर दी और निरंतर अपने लक्ष्य के लिये समर्पित भाव से जुटा रहा।

प्रश्न- परीक्षा की रणनीति कैसे तैयार की?

उत्तर- मैंने सबसे पहले सिविल सेवा परीक्षा को विहंगम रूप से समझने की कोशिश की। परीक्षा का स्वरूप आप पुराने प्रश्नपत्र देखकर बेहतर समझ सकते हैं। मैंने पाठ्यक्रम अनुसार विषयों का विभाजन किया एवं आवश्यकतानुसार समय दिया। जहां किसी शीर्षक को समझने में परेशानी हुई उसे अतिरिक्त समय देकर समस्या हल की। यह परीक्षा आपसे लंबे समय तक निरंतरता मांगती है। मैंने समर्पित भाव से इसका पालन किया, जिससे मेरे अध्ययन की गहराई बढ़ती चली गयी और सफलता की राह आसान होती चली गयी।

प्रश्न- रणनीति के तहत आप प्रत्येक दिन पढ़ाई के लिए कैसे समय तय करते थे?

उत्तर- मैं तैयारी के दौरान पूरे समय जॉब में रहा हूं इसलिए मेरे पास समय सीमित रहता था। मेरा प्रयास रहता था कि मैं नौकरी के बाद पूरा समय अपने अध्ययन को दे सकूं। जब सप्ताह में शनिवार और रविवार का अवकाश मिलता था तब मैं उस समय अतिरिक्त मेहनत कर अपनी तैयारी में समय की कमी की पूर्ति करता था। मैंने लक्ष्य के प्रति अत्याधिक समर्पण रखा जिससे मुझे तैयारी के दौरान नियमित रूप से सफलता से साक्षात्कार करने का अवसर मिला।

प्रश्न- किस विषय को सबसे ज्यादा समय दिया?

उत्तर- तैयारी के दौरान हमें पूरा पाठ्यक्रम पूर्ण करना होता है एवं उसमें से कुछ विषय सामान्य एवं कुछ अतिरिक्त समय की अपेक्षा रखते हैं। मैंने पाठ्यक्रम को शीर्षकवार बांटकर पढ़ाई की एवं पढ़े हुए का लगातार अभ्यास भी किया। हर बार पढ़ने से पहले से पढ़ा हुआ आसान होता चला जाता है। इससे पूर्व की अपेक्षा समय कम लगने लगा। इसके बाद भी कुछ विषयों

की तैयारी के दौरान मुझे अतिरिक्त समय की आवश्यकता लगी, वहां मैंने आवश्यकतानुसार अतिरिक्त प्रयास किए।

प्रश्न- कठिन और मुश्किल विषयों को याद रखने के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई?

उत्तर- मैंने पढ़े हुए को लिखकर याद करने का अभ्यास किया। इससे अध्ययन व लेखन का संयुक्त अभ्यास होता रहा। इसके अलावा परीक्षा में समयसीमा में उत्तर लिखना एक चुनौती होती है। इस नीति को अपनाने से मेरे लेखन की गति बढ़ती गई जिसका परिणामों में काफी लाभ मिला।

प्रश्न- आपने परीक्षा देते समय टाइम मैनेजमेंट कैसे किया?

उत्तर- परीक्षा में समयसीमा में सर्वोत्तम उत्तर लिखना सफलता का आधार है। हर अभ्यर्थी के लिए जरूरी है कि सभी प्रश्नों को निर्धारित समयसीमा में समझकर उनके सर्वोत्तम उत्तर लिखें। शब्द सीमा में बेहतरीन सारगर्भित उत्तर सफलता की कसौटी है। मैंने इस अनुशासन के साथ अपना सर्वोत्तम प्रयास किया। जिससे मैं सफलता को प्राप्त कर सका। पूर्व परीक्षाओं के अनुभव के आधार पर भी मैंने समय प्रबंधन में सुधार करके अच्छे अंक प्राप्त किए।

प्रश्न- वस्तुनिष्ठ प्रश्नों और विवरणात्मक प्रश्नों को हल करते समय कौनसी प्रक्रिया अपनाई?

उत्तर- मैंने परीक्षा के लिए अब तक कुल पांच प्रयास किए हैं। दो बार तक मेरा प्री भी क्लियर नहीं हुआ, लेकिन तीसरे प्रयास में मेरा इंडियन रेलवे ट्रैफिक सर्विस में चयन हो गया। इसके बाद चौथे प्रयास में मेरा आईआरएस में भी चयन हो गया एवं आखिरी प्रयास में वांछित लक्ष्य को प्राप्त कर सका। मेरे सभी प्रयासों के दौरान हर बार के अनुभव ने मुझे प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा के प्रश्नों की शैली समझने में मेरी अधिक से अधिक मदद की एवं इससे मुझे उन्हें हल करने में आसानी हुई। पूरी परीक्षा के लिए मैंने समग्रता से तैयारी की इसलिए मुझे कहीं से किसी तरह की समस्या नहीं आयी। जब जैसे प्रश्न रहे उनका उसी रणनीति के तहत अनुकूल जवाब दिया।

प्रश्न- क्या दिल्ली जैसे बड़े शहरों की तुलना में छोटे शहरों के युवा तैयारी में मुश्किलें पाते हैं?

उत्तर- देखिए मेरा जितना अनुभव रहा है उस लिहाज से अब ये अंतर बहुत ज्यादा मायने नहीं रखता। आज पाठ्यक्रम संबंधी सामग्री से लेकर परीक्षा उपयोगी मार्गदर्शन हर जगह आसान हो गया है। इसमें इंटरनेट की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मैंने ऑनलाइन माध्यम का तैयारी के दौरान भरपूर उपयोग किया। विभिन्न पत्र पत्रिकाओं एवं सरकारी वेबसाइटों से मानक सामग्री ऑनलाइन ही प्राप्त की। यूट्यूब के माध्यम से कई टॉपिक क्लियर किए। मेरी राय में अगर आपको सही गाइडलाइन एवं सटीक दृष्टि मिल जाए तो आगे आप कहीं से भी अपनी तैयारी कर सकते हैं। अध्ययन सामग्री जुटाने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है सही और चुनिंदा सामग्री और सही दिशा में तैयारी।

प्रश्न- साक्षात्कार के लिए आपकी क्या योजना रही?

उत्तर- साक्षात्कार में यूपीएससी आपके मूल व्यक्तित्व को जानने का प्रयास करता है।

मेरा मानना है कि आप अपने मूल स्वरूप में अधिक आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख सकते हैं। मैंने खुद को पूरी तरह आत्मविश्वास में रखा। साक्षात्कार भी दिए एवं साक्षात्कार के लिए समग्रता से अपना मानस तैयार किया। मैंने सहजता से जवाब देने का अभ्यास किया।

प्रश्न- सिविल सर्विस में आपका चयन हुआ है, इस बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए आपके क्या विचार हैं एवं आपका क्या दृष्टिकोण है?

उत्तर- अपने पांचवे प्रयास में मैंने उच्च वरीयता प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है। मैंने आम जनता की परेशानियों एवं संघर्ष को करीब से देखा है। सेवा में रहते हुए मैं गरीबों, महिलाओं, बच्चों एवं वंचित की बेहतरी के लिए काम करना चाहूंगा।

प्रश्न- क्या आप 'रोज़गार और निर्माण' पढ़ते हैं और इसमें आपको कौनसा कॉलम पसंद है?

उत्तर- 'रोज़गार और निर्माण' में प्रकाशित होने वाले सफल युवाओं के साक्षात्कार युवाओं के मनोबल को बढ़ाते हैं साथ ही उनसे परीक्षा के लिए रणनीति बनाने के लिए दिशा मिलती है। मैंने पीएससी की तैयारी के समय 'रोज़गार एवं निर्माण' का अध्ययन किया एवं इसका मुझे काफी लाभ मिला। यहां मिली सटीक एवं सारगर्भित जानकारी परीक्षाओं के लिए काफी उपयोगी है।

प्रश्न- 'रोजगार और निर्माण' के पाठकों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

उत्तर- मैं सिविल सेवा की तैयारी कर रहे युवाओं से कहना चाहूंगा कि वे स्नातक के समय से अगर इस परीक्षा की तैयारी शुरू कर दें तो इससे वे दो साल में खुद को अच्छा तैयार कर सकते हैं। तैयारी के दौरान सकारात्मकता बनाए रखें एवं धैर्य कभी न खोएं। हार्डवर्क की जगह स्मार्ट वर्क अधिक फलदायी है इसका ध्यान रखें साथ ही अन्य समान परीक्षाओं को भी साथ में देते रहें जिससे अनुभव गहरा होता जाए। ईश्वर में विश्वास आपके लिए हमेशा शक्ति का स्त्रोत रहेगा।

विवेक पाठक
(लेखक - स्वतंत्र पत्रकार)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान - खेल

1. नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट किस खेल से संबंधित है?
(अ) फॉर्मूला-वन (ब) क्रिकेट
(स) फुटबॉल
(द) इनमें से कोई नहीं।

2. इनमें से किस देश ने अब तक टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप नहीं जीता है?
(अ) पाकिस्तान (ब) इंग्लैंड
(स) ऑस्ट्रेलिया (द) श्रीलंका

3. वर्ष 2015 में फीफा महिला वर्ल्ड कप किस देश में आयोजित किया गया था?
(अ) अमेरिका (ब) स्वीडन
(स) जापान (द) कनाडा

4. संजीव राजपूत किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) निशानेबाजी (ब) एथेलेटिक्स
(स) टेबल टेनिस (द) तीरंदाजी

5. मिल्खा सिंह ने किस वर्ष कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था?
(अ) वर्ष 1954 (ब) वर्ष 1958
(स) वर्ष 1962 (द) वर्ष 1970

6. इस वर्ष यूएस ओपन में महिला एकल वर्ग की चैम्पियन बनी हैं?
(अ) लेलाह फर्नांडेज
(ब) कोको गॉफ
(स) एमा राडुकानू
(द) एलिस मर्टेंस

7. टोक्यो ओलिंपिक में महिलाओं की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता है?
(अ) एरिका सुलिवान
(ब) केटी लेडेकी
(स) सारा कोहलर
(द) कैट कैम्पवेल

8. इनमें से किस क्लब ने सबसे ज्यादा बार ला लीगा खिताब जीता है?
(अ) वेलेंसिया (ब) बार्सिलोना
(स) रियल सोसिएदाद
(द) रियल मैड्रिड

9. भारत ने इस वर्ष वर्ल्ड कैडेट कुश्ती चैम्पियनशिप में कितने स्वर्ण पदक जीते हैं?
(अ) तीन (ब) चार
(स) पांच (द) सात

10. जुलाई में आईसीसी ने किस महिला खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है?
(अ) सना फातिमा
(ब) स्टेफनी टेलर
(स) शैफाली वर्मा
(द) सोफी एक्लेस्टोन

11. वर्ष 2016 में किस देश ने एफआईएच हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप जीता था?
(अ) भारत (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) जर्मनी (द) अर्जेंटीना

12. इस वर्ष हंगरियन ग्रांप्री फॉर्मूला-वन में चैम्पियन बने हैं?
(अ) वाल्टेरी बोटास
(ब) पियरे गास्ले
(स) लांस स्ट्रॉल
(द) एस्टाबेन ओकेन

13. टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शतक बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं?
(अ) विराट कोहली
(ब) गौतम गंभीर
(स) सुरेश रैना
(द) रोहित शर्मा

14. इनमें से कौन-सा देश फीफा वर्ल्ड कप-2026 का सह मेजबान नहीं है?
(अ) कोलंबिया (ब) अमेरिका
(स) मैक्सिको (द) कनाडा

15. रोजर फेडरर ने टेनिस कॅरियर का पहला ग्रैंडस्लैम खिताब किस वर्ष जीता था?
(अ) वर्ष 2002 (ब) वर्ष 2003
(स) वर्ष 2004 (द) वर्ष 2006

16. भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलिंपिक में किस देश को हराकर कांस्य पदक जीता है?
(अ) बेल्जियम (ब) ब्रिटेन
(स) द. कोरिया (द) जर्मनी

17. इनमें से कौन-सा टर्म क्रिकेट से संबंधित है?
(अ) फ्री हिट (ब) फ्री किक
(स) गोल
(द) इनमें से कोई नहीं

18. इनमें से कौन-सा देश कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल नहीं होता है?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) रूस
(स) कनाडा (द) द. अफ्रीका

19. इंग्लैंड का केनिंग्टन ओवल स्टेडियम किस खेल से संबंधित है?
(अ) क्रिकेट (ब) फुटबॉल
(स) बेसबॉल (द) टेनिस

20. स्टैनले कप किस खेल की एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है?
(अ) हॉकी (ब) बास्केटबॉल
(स) गोल्फ (द) आईस हॉकी

21. इनमें से किस टीम ने आईपीएल का पहला सत्र जीता था?
(अ) चैन्नई सुपर किंग्स
(ब) मुंबई इंडियंस
(स) राजस्थान रॉयल्स
(द) इनमें से कोई नहीं

22. वर्ष 2019 में किस टीम ने रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता था?
(अ) सौराष्ट्र (ब) विदर्भ
(स) राजस्थान (द) कर्नाटक

23. फुटबॉल टूर्नामेंट मर्डेका कप किस देश में आयोजित किया जाता है?
(अ) ऑस्ट्रिया (ब) इटली
(स) ब्राजील (द) मलेशिया

24. भारत ने टोक्यो पैरालिंपिक खेलों में कितने पदक जीते हैं?
(अ) 12 (ब) 16
(स) 19 (द) 22

25. इस वर्ष सिनसिनाटी ओपन टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन हैं?
(अ) एलेक्जेंडर ज्वेरेव
(ब) राफेल नडाल
(स) आंद्रे रूबलेव
(द) मारिन सिलिक

उत्तरमाला

1. (अ), 2. (स), 3. (द), 4. (अ), 5. (ब), 6. (स), 7. (ब), 8. (द), 9. (स), 10. (ब), 11. (अ), 12. (द), 13. (स), 14. (अ), 15. (ब) 16. (द), 17. (अ), 18.(ब), 19. (अ), 20. (द), 21. (स), 22. (ब), 23. (द), 24. (स), 25. (अ)।

- पुष्पेन्द्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

मध्यप्रदेश में बनाएंगे वर्ल्ड क्लास हॉकी स्टेडियम - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय महिला हॉकी टीम को सम्मानित करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश खेलों के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। प्रदेश के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए सभी जरूरी सुविधाएं देने का सिलसिला थमने वाला नहीं है। महिला हॉकी खिलाड़ियों ने भारत का मान बढ़ाया है। इन पर हम सभी को गर्व है। यदि जज्बा मजबूत हो तो सफलता की सभी ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है। भारत की महिला हॉकी टीम ने इस बार टोक्यो ओलिंपिक में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से यही सिद्ध किया है। प्रदेश में एक वर्ल्ड क्लास हॉकी स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय महिला हॉकी टीम के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। समारोह में मुख्यमंत्री ने टीम की खिलाड़ियों को 31-31 लाख रुपये की सम्मान राशि, स्मृति-चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र, श्रीफल और अंग वस्त्र से सम्मानित किया।

खिलाड़ियों को अधिकाधिक सुविधाएं और अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए लगातार कार्य हो रहा है। महिला और पुरुष खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अधिकाधिक अवसर दिए जा रहे हैं। इसके लिए आवश्यक सुविधाएं जुटाई गईं हैं। महिला हॉकी खिलाड़ियों की आर्थिक दिक्कत को दूर करने की पहल वर्ष 2010 में मध्यप्रदेश से हुई। इसके बाद हॉकी अकादमी को सशक्त किया गया। यह देश की श्रेष्ठ हॉकी अकादमियों में से एक है। श्री चौहान ने मध्यप्रदेश सरकार की तरफ से भारतीय महिला हॉकी टीम को सम्मानित किए जाने के निर्णय की पृष्ठभूमि के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि जब ओलिंपिक के सेमीफाइनल मैच में बहुत अच्छा खेलने के बाद भी महिला हॉकी खिलाड़ियों को विजय नहीं मिली और उनकी आंख में आंसू दिखे थे तभी मैंने संकल्प लिया था कि टीम के सदस्यों को भोपाल में सम्मानित किया जाएगा। इसके पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के प्रतिभाशाली खिलाड़ी श्री विवेक सागर को एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि, पुलिस उप अधीक्षक पद पर नियुक्ति और मकान देने का कार्य किया गया है।

श्री चौहान ने कहा कि भारतीय समाज को बेटियों की भूमिका पर गर्व करना चाहिए। निश्चित ही बेटियां प्रतिभा के मामले में बेटों के मुकाबले कहीं भी पीछे नहीं हैं। मध्यप्रदेश में पंचायतराज संस्थाओं और पुलिस में महिलाओं का आरक्षण प्रतिशत बढ़ाया गया है। मध्यप्रदेश में बेटियों और महिलाओं से कोई भेदभाव नहीं होगा, यह राज्य सरकार का संकल्प है। हमारी आधी आबादी आगे बढ़ेगी तो निश्चित ही देश भी आगे बढ़ेगा।

खेलों को पूरा समर्थन और सहयोग

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि मध्यप्रदेश की महिला हॉकी अकादमी में प्रशिक्षित पांच महिला हॉकी खिलाड़ियों सहित सम्पूर्ण भारतीय महिला हॉकी टीम का सम्मान होना विशेष अवसर है। मुख्यमंत्री ने खेलों और खिलाड़ियों को जो समर्थन और सहयोग दिया है, वह अभूतपूर्व है। टोक्यो ओलिंपिक में हुए सभी मैच हमने देखे थे। पूरा यकीन था कि हम कोई न कोई मेडल लाएंगे। यह संभव नहीं हुआ। इसके बावजूद चौथे स्थान पर रहकर भी भारतीय महिला हॉकी टीम ने अच्छे खेल प्रदर्शन से सभी का दिल जीतने में सफलता हासिल की। मध्यप्रदेश में महिला हॉकी को पूरा बढ़ावा दिया गया है। स्पर्धाएं निरंतर होती रहती हैं, 29 फीडर सेन्टर विकसित किए गए हैं। प्रदेश में 11 एस्ट्रो टर्फ बनाए गए, 4 नए मिलाकर इनकी संख्या 15 हो गई है।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कैप्टन सुश्री रानी रामपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने टीम की खिलाड़ियों को सम्मानित कर सभी प्रदेशों को संदेश दिया है। इन्होंने बेटियों को प्रोत्साहित करने का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। मध्यप्रदेश में हॉकी के प्रोत्साहन के लिए श्री चौहान ने जो सेटअप बनाया है, उसकी तारीफ करना होगी। हॉकी की खिलाड़ियों को इस प्रोत्साहन से बहुत सहयोग मिलेगा।

खेल चर्चा

आईसीसी ने जारी किया ट्वेंटी-20 विश्वकप का गीत

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ट्वेंटी-20 क्रिकेट विश्वकप के लिये गीत (थीम सांग) जारी किया है। इस गीत को 'लिव द गेम' नाम दिया गया है। इस गीत को भारतीय संगीतकार अमित त्रिवेदी ने तैयार किया है। आईसीसी ने अपने ट्वीटर अकाउंट पर इसी गीत का वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में विराट कोहली, राशिद खान, कीरोन पोलार्ड और ग्लैन मैक्सवेल को एनिमेटेड रूप में दिखाया गया है। कीरोन पोलार्ड ने गीत पर खुशी जाहिर करते हुये कहा कि ट्वेंटी-20 क्रिकेट ने सभी उम्र के लोगों को अपने साथ जोड़ा है।

कोहली ने ट्वेंटी-20 क्रिकेट में पूरे किये 10 हजार रन

दुबई, भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने ट्वेंटी-20 क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे कर लिये हैं। कोहली इस फॉर्मेट में 10 हजार रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं। कोहली से पहले क्रिस गेल, शोएब मलिक, कीरोन पोलार्ड और डेविड वॉर्नर भी ट्वेंटी-20 क्रिकेट में 10 हजार रन बना चुके हैं। कोहली ने यह उपलब्धि आईपीएल में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान हासिल की। मैच में कोहली ने 51 रनों की पारी खेली। कोहली के नाम ट्वेंटी-20 क्रिकेट में 10,063 रन हैं, इनमें से 3159 रन उन्होंने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बनाये हैं।

बर्लिन मैराथन के पुरुष वर्ग में विजेता बने अडोला

बर्लिन, इथियोपिया के धावक गाये अडोला ने बर्लिन मैराथन रेस में जीत दर्ज की है। अडोला ने दो घंटे पांच मिनट और 45 सेकेंड लेकर पुरुष वर्ग का खिताब जीता। रेस में केन्याई धावक बेथवेल येगॉन दूसरे स्थान पर, जबकि वहीं अडोला के हमवतन केनेनिसा बेकेले तीसरे स्थान पर रहे। अडोला ने जीत दर्ज करने के बाद कहा कि यह रेस काफी कठिन थी। दूसरे एथलीट अपनी गति को बरकरार नहीं रख पाये, जबकि मैंने अपनी गति बरकरार रखी।

मोईन अली ने टेस्ट क्रिकेट से लिया संन्यास

दुबई, इंग्लैंड के अनुभवी ऑलराउंडर मोईन अली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। मोईन अली ने कहा कि वे सीमित ओवर क्रिकेट पर ध्यान देना चाहते हैं, इसलिये टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले रहे हैं। मोईन ने अपने फैसले से इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान जो रूट और मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड को अवगत करा दिया है। 34 वर्षीय मोईन ने वर्ष 2014 में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट कॅरियर की शुरुआत की थी। मोईन ने 64 टेस्ट मैचों में 2914 रन बनाये तथा 195 विकेट लिये हैं। मोईन ने टेस्ट क्रिकेट में पांच शतक बनाए और पांच बार पारी में पांच विकेट लिये हैं। मोईन ने अपना आखिरी टेस्ट मैच भारत के खिलाफ खेला था।

भारत ने वन-डे में रोका ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ

मैके, भारत की महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरे वन-डे मैच में दो विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के वन-डे में विजय रथ को रोक दिया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम 26 वन-डे लगातार जीत चुकी थी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को मैच जीतने के लिये 265 रनों का लक्ष्य दिया जिसे उसने 8 विकेट पर हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया ने वन-डे सीरीज 2-1 से जीती है।

तीसरे वन-डे मैच ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी की। ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी रही और राचेल हेन्स और एलिसा हीली ने पहले विकेट के लिये 41 रन जोड़े। हेन्स 13 रन बनाकर आउट हुईं। जबकि मध्य क्रम में एशले गार्डनर 67, बेथ मूनी 52 और ताहलिया मैक्ग्रा ने 47 रनों की पारी खेली। इन तीनों की उपयोगी पारियों के चलते ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 264 रन बनाये।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही और पहले विकेट के लिये शेफाली वर्मा ने और स्मृति मंधाना ने 59 रन जोड़े। मंधाना 22 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद यास्तिका भाटिया ने शेफाली के साथ पारी को आगे बढ़ाया। इन दोनों ने 101 रनों की साझेदारी करते हुये भारत की जीत की बुनियाद रखी। शेफाली 56 और यास्तिका 64 रन बनाकर आउट हुईं। निचले क्रम में दीप्ति शर्मा 31 और स्नेह राणा ने 30 रनों की पारियां खेलकर भारत को जीत तक पहुंचा दिया।

लुईस हैमिल्टन ने जीती रशियन ग्रांप्री

सोची, ब्रिटेन के दिग्गज कार रेसर लुईस हैमिल्टन ने रशियन ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस जीत ली है। यह हैमिल्टन के कॅरियर की 100वीं जीत है। इस जीत के साथ हैमिल्टन ने ड्राइवर स्टैंडिंग में मैक्स वर्स्टापेन पर बढ़त बना ली है। हैमिल्टन ने 53 लैप की इस रेस को 1 घंटा 30 मिनट 41.01 सेकेंड में पूरा किया। रेस में वर्स्टापेन दूसरे, कार्लोस सेंज तीसरे, डेनियल रिकियार्डो चौथे तथा वाल्टेरी बोटास पांचवें स्थान पर रहे। रेस में 51 लैप तक लैंडो नॉरिस आगे थे, लेकिन बारिश के कारण नॉरिस की कार ट्रैक से फिसल गई और नॉरिस रेस में काफी पिछड़ गये। हैमिल्टन ने इस स्थिति का फायदा उठाया और सबसे पहले रेस खत्म की, जबकि नॉरिस सातवें स्थान पर रहे। चैंपियनशिप में हैमिल्टन और वर्स्टापेन के बीच कड़ी टक्कर चल रही है।

ऑस्ट्रेलिया-अफगानिस्तान टेस्ट मैच हुआ स्थगित

मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच 27 नवम्बर से शुरू होने वाला टेस्ट मैच अनिश्चितकाल के लिये स्थगित कर दिया गया है। क्रिकेट तस्मानिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डोमिनिक बेकर ने बताया कि अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा महिलाओं के क्रिकेट खेलने पर प्रतिबंध लगाया जाना स्वीकार्य नहीं है। अगर अफगानिस्तान क्रिकेट खेलना चाहता है तो उसे इस मसले पर पुनर्विचार करना होगा। बेकर ने कहा कि अगर अफगानिस्तान की स्थिति में सुधार होता है तो ऑस्ट्रेलिया बाद में टेस्ट की मेजबानी की संभावनायें बनाये रखेगा। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के पास सिर्फ 6 टेस्ट मैच खेलने का अनुभव है। अफगानिस्तान ने 6 में से 3 मैचों में जीत दर्ज की है।

वर्ल्ड सीनियर आर्चरी

मध्यप्रदेश की मुस्कान ने जीता रजत पदक

यांकटन, अमेरिका में आयोजित सीनियर वर्ल्ड आर्चरी चैम्पियनशिप में महिला कम्पाउण्ड टीम इवेन्ट में मध्यप्रदेश राज्य तीरंदाजी अकादमी जबलपुर की मुस्कान किरार कोलम्बिया के विरुद्ध फायनल मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करते हुए भारत को रजत पदक दिलाने मे कामयाब हुई। मुस्कान टॉप स्कोरर रहीं। भारत यह मुकाबला कोलम्बिया से हार गया। कोलम्बिया ने भारत को 229 के मुकाबले 224 अंकों से हराया।

भारत की तरफ से इस टीम इवेन्ट में मुस्कान किरार (जबलपुर, मध्यप्रदेश), प्रिया गुर्जर (राजस्थान) और ज्योति (आन्ध्रप्रदेश) भारतीय टीम की सदस्य थीं। फायनल मुकाबले में भारत की तरफ से मुस्कान किरार ने 80 में से 78, प्रिया ने 80 में से

74 और ज्योति ने 80 में से 72 अंक अर्जित किए।

खेल और युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर भारत के लिए रजत अर्जित करने के लिए मुस्कान किरार को बधाई दी। उन्होंने मध्यप्रदेश राज्य तीरंदारी अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक एवं भारतीय टीम के यूएसए में प्रशिक्षक रिचपाल सिंह सलारिया को भी बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मुस्कान किरार ने इस पूरी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। फायनल मुकाबले में भारत की तरफ से टॉप स्कोरर रहीं। श्रीमती सिंधिया ने मुस्कान को और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विश्व सीनियर आर्चरी चैम्पियनशिप में अर्जित रजत पदक को बड़ी उपलब्धि बताया।

मुस्कान किरार की उपलब्धियां

मुस्कान किरार मूलतः जबलपुर की निवासी हैं। मुस्कान को वर्ष 2018 में राज्य शासन ने एकलव्य पुरस्कार तथा वर्ष 2019 में विक्रम पुरस्कार से सम्मानित किया था। मुस्कान किरार ने एशियन गेम्स 2018 में रजत पदक अर्जित किया था।

सानिया मिर्जा ने जीता ओस्ट्रावा ओपन

ओस्ट्रावा, भारत की महिला टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने चेक गणराज्य में आयोजित ओस्ट्रावा ओपन में महिला युगल वर्ग का खिताब अपने नाम किया है। सानिया ने यह खिताब चीन की शुआई झांग के साथ मिलकर जीता है। यह इस सत्र में सानिया का पहला खिताब है। सानिया और झांग की जोड़ी ने महिला युगल वर्ग के फाइनल में कैटलिन क्रिस्टियन और इरिन रोटलिफ की जोड़ी को 6-3, 6-2 से हराया।

सानिया ने लगभग 20 महीने बाद डब्ल्यूटीए खिताब जीता है। इससे पहले सानिया ने जनवरी 2020 में होबार्ट इंटरनेशनल टूर्नामेंट का खिताब जीता था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

अमेरिका में पाबंदियों पर ढील देंगे राष्ट्रपति बाइडेन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अमेरिका में विदेश यात्रा प्रतिबंधों में ढील देंगे, जिसकी शुरुआत नवंबर में होगी।

नई नीति की घोषणा करने वाले व्हाइट हाउस के कोविड-19 समन्वयक जेफ जेंट्स ने कहा कि अमेरिका की यात्रा करने वाले सभी विदेशी यात्रियों को बोर्डिंग से पहले टीकाकरण के प्रमाण के साथ-साथ एक कोविड-19 निगेटिव जांच रिपोर्ट दिखानी होगी, जो उड़ान से तीन दिनों के भीतर की होनी चाहिए। बाइडेन टीका नहीं लेने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए जांच नियमों को भी कड़ा करेंगे, जिन्हें अमेरिका वापसी से एक दिन के पहले और देश पहुंचने पर कोविड जांच कराने की आवश्यकता होगी। साथ ही जेंट्स ने कहा कि टीके की दोनों खुराक ले चुके यात्रियों को पृथकवास अवधि में जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन

देश भर के अस्पतालों के डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों को एक-दूसरे से जोड़ेगा यह मिशन - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने का पिछले सात साल से जारी अभियान, आज एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज हम एक मिशन शुरू कर रहे हैं, जिसमें भारत की स्वास्थ्य सुविधाओं में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 130 करोड़ आधार संख्या, 118 करोड़ मोबाइल ग्राहक, लगभग 80 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता, लगभग 43 करोड़ जनधन बैंक खाताधारकों के साथ, दुनिया में कहीं भी इतनी बड़ी और परस्पर जुड़ी हुई अवसंरचना नहीं है। यह डिजिटल अवसंरचना राशन से लेकर प्रशासन तक सब कुछ तेजी से और पारदर्शी तरीके से आम भारतीय के लिए सुलभ बना रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आरोग्य सेतु ऐप से कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने में बहुत मदद मिली। उन्होंने को-विन की सराहना करते हुए कहा कि सबको वैक्सीन-मुफ्त वैक्सीन अभियान के तहत भारत में आज तक वैक्सीन की लभगग 90 करोड़ रिकॉर्ड डोज दिए जाने में को-विन की बहुत बड़ी भूमिका है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में टेली-मेडिसिन का भी अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि अब तक ई-संजीवनी के जरिये दूर बैठकर लगभग 125 करोड़ परामर्श लिये गये हैं। यह सुविधा हर रोज देश के दूर-सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले हजारों देशवासियों को घर बैठे ही शहरों के बड़े अस्पतालों के डॉक्टरों से जोड़ रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने गरीबों की एक बहुत बड़ी चिंता दूर कर दी है। इस योजना के तहत अभी तक दो करोड़ से अधिक देशवासियों ने मुफ्त इलाज की सुविधा का लाभ उठाया है, जिनमें से आधी संख्या महिलाओं की है। उन्होंने कहा कि बीमारियां सबसे बड़ा कारण हैं जो लोगों को गरीबी के दुष्चक्र में फंसा देती है और इसमें परिवार की महिलाओं को सबसे ज्यादा पीड़ा भोगनी पड़ती है क्योंकि वे हमेशा स्वास्थ्य के मुद्दों को नजरअंदाज करती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत-डिजिटल मिशन, अब पूरे देश के अस्पतालों के डिजिटल हेल्थ समाधानों को एक-दूसरे से जोड़ेगा। इस मिशन से न केवल अस्पतालों की प्रक्रियाएं सरल होंगी, बल्कि इससे जीवन की सुगमता भी बढ़ेगी। इसके तहत अब देशवासियों को एक डिजिटल हेल्थ आईडी मिलेगी और हर नागरिक का स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रखा जायेगा।

प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत एक ऐसे स्वास्थ्य मॉडल पर काम कर रहा है, जो समग्र भी है और समावेशी भी है। यह ऐसा मॉडल है, जिसमें बीमारियों को रोकने पर जोर दिया जायेगा; यानी वह रोकथाम वाली स्वास्थ्य सुविधा हो। इसके अलावा बीमारी की स्थिति में इलाज सुलभ हो, सस्ता हो और सबकी पहुंच में हो। उन्होंने कहा कि देश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों तथा अन्य आधुनिक स्वास्थ्य संस्थानों का एक बड़ा नेटवर्क स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गावों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के नेटवर्क तथा आरोग्य केंद्रों को दुरुस्त किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 80 हजार से अधिक ऐसे केंद्रों को चालू किया जा चुका है।

फूमियो किशिदा

जापान के नये प्रधानमंत्री होंगे

जापान : पीएम बनने जा रहे किशिदा विदेश मंत्री और राजनयिक रहे, आने वाले आम चुनाव चुनौती।

- **जापान में जो सत्ताधारी पार्टी का अध्यक्ष होता है, वही देश का प्रधानमंत्री बनता है।**

जापान में जारी सियासी संकट खत्म हो गया है। नरम-उदारवादी नेता फुमियो किशिदा जापान के नए प्रधानमंत्री होंगे। वह विदेश मंत्री और राजनयिक रह चुके हैं। उन्होंने काफी समय तक क्रेडिट बैंक ऑफ जापान में काम किया। वह मौजूदा प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा की जगह लेंगे। किशिदा देश के लोकप्रिय सुधारक माने जाते हैं। वह दूसरी बार सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) का अध्यक्ष बनने के लिए चुनावी मैदान में थे।

इसकी वजह से इस बार के चुनाव में उनकी दावेदारी मजबूत थी। किशिदा जिस गुट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, देश के पूर्व चार प्रधानमंत्री भी इसी गुट से थे। किशिदा 2020 में मौजूदा प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा से हार गए थे। इस बार पीएम पद के लिए पार्टी में 4 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला था। जिसमें तारो कोनो, फुमियो किशिदा के साथ दो महिला उम्मीदवार सेको नोडा और साने ताकाइचि भी शामिल थीं।

अर्थव्यवस्था को फिर पटरी पर लाना मुश्किल लक्ष्य

किशिदा को दो बड़ी चुनौतियों से पार पाना होगा। पहली कोरोना से बदहाल अर्थव्यवस्था को फिर पटरी पर लाना और आगामी आम चुनाव में पार्टी को सत्ता विरोधी लहर से बचाना। एक साल पहले सुगा को तब पीएम बनाया गया था, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने बीमारी के चलते पद छोड़ा था।

● नेपाल के प्रधानमंत्री ने ●

संविधान की रक्षा करने का आह्वान किया

नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने देश के सातवें संविधान दिवस पर संविधान की रक्षा करने और उसे लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

ज्ञात रहे कि प्रतिवर्ष नेपाल 19 सितम्बर को संविधान लागू करने की घोषणा किये जाने का जश्न मनाता है। संबोधन में देउबा ने लोगों द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा छह साल पहले संविधान लागू रकने की घोषणा किए जाने पर गर्व प्रकट किया। उन्होंने देश के शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उनके सर्वोच्च बलिदानों के लिए याद किया।

उन्होंने संविधान की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, नेपाल का संविधान अमर शहीदों के सपने और नेपाली लोगों की आकांक्षाओं को साकार करता है। हमारा लक्ष्य संविधान को सफलतापूर्वक लागू कर लोगों की खुशी के साथ देश में समृद्धि लाना है।

जर्मनी में त्रिशंकु संसद, एसडीपी सबसे बड़ी पार्टी

जर्मनी के चुनाव नतीजों में त्रिशंकु संसद (बुंडस्टैग) की तस्वीर उभरकर सामने आई है। समाजवादी रुझान वाली सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) 25.7 प्रतिशत वोट लेकर पहले स्थान पर है, जबकि चांसलर अंगेला मैर्केल की सीडीयू-सीएसएल ने चुनावों में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन किया है। सीडीयू-सीएसयू 24.1 प्रतिशत वोट के साथ दूसरे, जबकि 14.8 प्रतिशत वोट के साथ ग्रीन पार्टी तीसरे नंबर पर है। यह ग्रीन पार्टी का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। ग्रीन पार्टी के साथ-साथ इस बार कारोबारी समर्थक एफडीपी पार्टी किंगमेकर की भूमिका निभा सकती है। जिसे 11.5 प्रतिशत वोट हासिल हुए हैं। एसपीडी के चांसलर उम्मीदवार ओलाफ शॉल्ट्स ने कहा है कि उनकी पार्टी को समर्थन से ये साफ है कि ज्यादातर लोग सरकार में बदलाव चाहते हैं। उधर, सीडीयू-सीएसयू के चांसलर पद के उम्मीदवार आर्मिन लाशेट ने पार्टी को चुनावों में हुए भारी नुकसान के बावजूद सरकार बनाने का दावा किया है।

भारत के लिए क्यों अहम हैं जर्मनी के चुनावी नतीजे

- **यूरोपीय संघ में जर्मनी भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।**
- **भारत में लगभग 1700 जर्मन कंपनियां काम कर रही हैं। इन जर्मनी कंपनियों में 7 लाख भारतीयों को रोज़गार मिला हुआ है।**
- **भारत और जर्मनी ने हाल में 329 करोड़ रुपये के 11 पर्यावरण संबंधी द्विपक्षीय समझौते किए हैं।**
- **जर्मन कंपनी टूसनक्रोप के साथ सामरिक समझौता। 410 करोड़ रुपये में भारतीय नौसेना को 6 पनडुब्बियों की आपूर्ति की जाएगी।**

एमी अवॉर्ड समारोह

सात पुरस्कार जीतकर छाया 'द क्राउन'

73वें प्रतिष्ठित एमी अवॉर्ड समारोह का आयोजन लॉस एंजिलिस में किया गया। इसमें 'द क्राउन' और 'टेड लासो' का जलवा रहा।

'द क्राउन' ने ड्रामा सीरीज और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी समेत सात पुरस्कार अपने नाम किए। कार्यक्रम में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की भूमिका के लिए ओलिविया कोलमैन ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता।

वहीं शो 'टेड लासो' में जेसन सुदेकिस मुख्य भूमिका में हैं। पुरस्कार समारोह में चार पुरस्कार अपने नाम कर वह दूसरे सबसे बड़े विजेता बनकर उभरे। केट विंसलेट अभिनीत 'मेयर ऑफ ईस्टटाउन' और जीन स्मार्ट अभिनीत 'हैक्स' दोनों ही कार्यक्रम की 'टेड लासो' से कड़ी टक्कर हुई।

'द क्राउन' ने लेखन, निर्देशन और अभिनय के लगभग सभी क्षेत्र में भी ट्रॉफी अपने नाम की। लेखन के लिए पीटर मोरगन एंड कंपनी ने पुरस्कार जीता और गिलियन एंडरसन (सहायक अभिनेत्री), टोबियस मेंजीस (सहायक अभिनेता) और जोश ओ कोनोर (सर्वश्रेष्ठ अभिनेता) ने पुरस्कार जीता।

मिशेल कोएल को शानदार लेखन के लिए अवॉर्ड

अभिनेत्री एवं लेखिका मिशेल कोएल ने 'आई मे डेस्ट्रॉय यू' के लिए शानदार लेखन का एमी पुरस्कार जीता है।

रूपॉल सबसे ज्यादा पुरस्कार जीतने वाले अश्वेत बने

टीवी की मशहूर शख्सियत रुपॉल प्राइम टाइम एमी अवार्ड्स में सबसे अधिक बार पुरस्कार जीतने वाले अश्वेत बन गए हैं।

हैती के शरणार्थी टेक्सास सीमा पर जुटे

हैती में गरीबी, भुखमरी और नाउम्मीदी की भावना से भाग कर आ रहे शरणार्थियों का कहना है कि वे उन्हें तेजी से वापस भेजने की अमेरिका की योजना से डरेंगे नहीं। मैक्सिको की सीमा पार करने के बाद हजारों लोग टेक्सास सीमा पर स्थित डेल रियो शहर में डटे रहे। वे पानी, भोजन और डायपर खरीदने के लिए फिर से मैक्सिको गए और वापस आ गए। हैती के 32 वर्षीय जूनियर जीन ने कहा, 'हम एक बेहतर जिंदगी की तलाश कर रहे हैं।' गृह सुरक्षा विभाग ने कहा कि उसने शिविर से करीब 2,000 शरणार्थियों को अमेरिका से वापस भेजने के लिए अन्य स्थानों पर पहुंचाया। उसने एक बयान में यह भी कहा कि इलाके में 400 एजेंट और अधिकारी मौजूद होंगे तथा अगर जरूरत पड़ी तो और एजेंट भेजे जाएंगे। डेल रियो में अचानक हैती के नागरिकों के पहुंचने के बाद यह घोषणा की गयी। अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका एक दिन में पांच से आठ उड़ानों पर शरणार्थियों को देश से बाहर भेजेगा।

उत्तर कोरिया

ट्रेन से छोड़ीं बैलिस्टिक मिसाइलें

उत्तर कोरिया ने कहा कि उसने पहली बार एक ट्रेन से बैलिस्टिक मिसाइलों का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। चिर प्रतिद्वंद्वी देशों दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया ने अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन करते हुए बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया था, जिसके एक दिन बाद उत्तर कोरिया ने यह दावा किया।

- **ट्रेन पर बने 'मिसाइल रेजिमेंट' से एक अभ्यास के दौरान मिसाइलें छोड़ी गईं, जो 800 कि.मी. दूर एक समुद्री लक्ष्य पर सटीक रूप से जा गिरीं।**

सरकारी मीडिया द्वारा दिखाई फुटेज में, घने जंगल में पटरियों के किनारे 'रेल-कार-लांचरों' से नारंगी लपटों में घिरी दो अलग-अलग मिसाइलें निकलती दिख रही हैं। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा था कि उसने पानी के अंदर लक्ष्य को भेदने वाली अपनी पहली मिसाइल का परीक्षण किया है। कार्यालय के अनुसार एक स्वदेश निर्मित मिसाइल 3,000 टन श्रेणी की पनडुब्बी से दागी गई और इसने अपने निर्धारित लक्ष्य को भेदने से पहले पूर्व निर्धारित दूरी तय की।

इससे पहले, दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा, उत्तर कोरिया ने छोटी दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया ने कहा था कि उसने छह महीनों में पहली बार नव विकसित क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया द्वारा मिसाइलों का परीक्षण फिर से शुरू करने का मकसद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन पर परमाणु वार्ता को लेकर दबाव बनाना हो सकता है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।